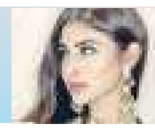

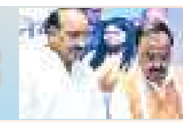

तिथि-बैशाख, शुक्ल, द्वितीया

सोना - 98,070

चांदी- 1,00,500

शेयर मार्केट- 80,218

निफ्टी- 24,328

अधिकतम -36 °c

न्यूनतम -24 °c

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

www.charchitrajnit.com | वर्ष - 21 अंक-155 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 | लखनऊ, मंगलवार 29 अप्रैल, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य : दो रुपये

मोदी और राजनाथ के बीच हुई अहम मुलाकात

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। यह बैठक प्रधानमंत्री आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर हुई। प्रधानमंत्री मोदी और रक्षामंत्री के बीच यह बैठक करीब 40 मिनट तक चली। पीएम मोदी के पास जाने से पहले रक्षामंत्री ने सोमवार को ही आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी से रक्षा मंत्रालय में मुलाकात की थी।

माना जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख से सेना की तैयारी, पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद उठाए गए कदम और सीमाओं की स्थिति की जानकारी ली। वहीं सोमवार को भारत और फ्रांस के बीच नौसेना के लिए 26 राफेल मरीन विमानों का सौदा भी होना है। इस डील से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) द्वारा फ्रांस से 26 राफेल-एम लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी दी गई है। हाल ही में मिली इस मंजूरी के बाद अब यह डील होने जा रही है। इसके तहत नौसेना के लिए मरीन (एम) श्रेणी के राफेल लड़ाकू

- **दोनों नेताओं के बीच 40 मिनट तक चली बैठक**

विमान खरीदे जा रहे हैं। सोमवार को इससे जुड़े समझौतों पर नयी दिल्ली में हस्ताक्षर किए जाएंगे। फ्रांस के रक्षा मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बातचीत में शामिल होंगे। इस सब घटनाक्रम के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह प्रधानमंत्री से मिलने प्रधानमंत्री आवास पहुंचे थे। यहां दोनों नेताओं के बीच करीब 40 मिनट तक गंभीर वार्ता हुई है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान की सेना पिछले चार दिनों से नियंत्रण रेखा के उस ओर से गोलीबारी कर रही है। भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया है। गोलीबारी का यह सिलसिला पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद शुरू हुआ है। इस बीच रविवार को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई थी। रक्षा मंत्री और जनरल अनिल चौहान की यह मुलाकात भी करीब 40 मिनट तक चली। माना जा रहा है कि इस दौरान आतंकवाद के खात्मे को लेकर जनरल अनिल चौहान ने रक्षा मंत्री को सैन्य रणनीति और तैयारियों से अवगत कराया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान की यह मुलाकात दिल्ली में रक्षा मंत्री के आवास पर हुई थी। माना जा रहा है कि रक्षा मंत्री के आवास पर पहुंचे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने भारतीय सैन्य बलों की तैयारियों पर रक्षा मंत्री को जानकारी दी थी। रक्षा तैयारियों को लेकर रविवार को दिल्ली में बीएसएफ के अधिकारी भी मौजूद रहे। रविवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के डायरेक्टर जनरल दलजीत सिंह चौधरी गृह मंत्रालय गए थे।

कई हस्तियों को मिला पद्म पुरस्कार

राष्ट्रपति मुर्मू ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से किया सम्मानित

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-I में पद्म पुरस्कार 2025 प्रदान किया है। पहले चरण में 71 विशिष्ट हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि, इस वर्ष 139 लोगों को पद्म पुरस्कारों के लिए चुना गया है। इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ कई केंद्रीय मंत्री और कई विशेष अतिथि भी मौजूद रहे। इस कड़ी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रसिद्ध मलयालम लेखक एम. टी. वासुदेवन नायर को फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक, संपादक और वक्ता, को मलयालम भाषा, साहित्य और सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। बता दें कि, एमटी वासुदेवन नायर अमर उजाला शब्द सम्मान के सर्वोच्च अलंकरण 'आकाशदीप' से भी सम्मानित थे। तेलंगाना के प्रख्यात गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. दुव्वुर नागेश्वर रेड्डी को एंडोस्कोपी में उनकी अभूतपूर्व नैदानिक प्रगति और अग्रणी चिकित्सा अनुसंधान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कला और संगीत के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम को पद्म विभूषण से सम्मानित किया है। बता दें कि, डॉ.सुब्रमण्यम विख्यात वायलिन वादक हैं। वे कर्नाटक और पश्चिमी संगीत में पारंगत हैं इसके साथ ही वे संगीत के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते हैं। वहीं जापान के दिवंगत उद्योगपति ओसामु सुजुकी, जो सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के पूर्व प्रमुख थे, को

- **समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कई केंद्रीय मंत्री और विशेष अतिथि भी मौजूद रहे**

भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, पद्म विभूषण से मरणोपरांत (व्यापार और उद्योग में) सम्मानित किया गया है। बता दें कि, ओसामु सुजुकी को भारत को अपने दूसरे घर के रूप में मानते थे। उनके बेटे और सुजुकी मोटर के सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से यह पुरस्कार प्राप्त किया। विनोद कुमार धाम, अमेरिका में रहने वाले एक व्यवसायी और प्रौद्योगिकीविद् हैं, जिन्हें विज्ञान और इंजीनियरिंग में उनके योगदान के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। भारतीय अमेरिकी इंजीनियर विनोद धाम, जिन्हें 'पेंटियम चिप के जनक' के रूप में भी जाना जाता है। वैदिक संस्कृति और अध्यात्म पर अपने लेखन के लिए प्रसिद्ध अमेरिकी लेखक और शोधकर्ता स्टीफन नैप को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पद्म विभूषण असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए, पद्म भूषण उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए और पद्म श्री किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है। पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ राजनेता सुशील कुमार मोदी (मरणोपरांत) को सार्वजनिक मामलों में उनके योगदान के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उनकी पत्नी जेसी जॉर्ज ने राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया है। वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अर्कलगुड अनंतरमैया सूर्य प्रकाश - जो लोकतंत्र और संसदीय मुद्दों पर लिखने के लिए जाने जाते हैं। उन्हें साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। डॉ. पवन कुमार गोयनका को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। ऑटोमोटिव से लेकर अंतरिक्ष तक के क्षेत्रों में दशकों तक काम करने वाले उद्योग जगत के दिग्गज पवन कुमार गोयनका ने महिंद्रा को वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 71 हस्तियों को पद्म सम्मान से सम्मानित किया। दिग्गज अभिनेता शेखर कपूर, क्रिकेटर अश्विन, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं एआईजी हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष डी नागेश्वर रेड्डी, वायलिन वादक लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम और तेलुगु सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण उर्फ बलैया को पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए। ओसामु सुजुकी (मरणोपरांत), सुब्रमण्यम, रेड्डी और मलयालम लेखक एवं फिल्म निर्देशक एम टी वासुदेवन नायर (मरणोपरांत) को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। जबकि 10 प्रतिष्ठित हस्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इनमें पंकज उधास (मरणोपरांत), भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी (मरणोपरांत), बालकृष्ण, शेखर कपूर, पूर्व हॉकी खिलाड़ी पीआर श्रीजेश, तमिल अभिनेता एस अजित कुमार, जाइडस लाइफसाइंसेज के चेयरपर्सन पंकज पटेल और भारतीय-अमेरिकी इंजीनियर विनोद धाम शामिल हैं। आज के कार्यक्रम में 57 प्रमुख हस्तियों को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। इनमें अरुंधति, उद्योगपति पवन कुमार (शेष पृष्ठ 7 पर)

कांग्रेस नेता बोले-आतंकियों के पास इतना समय नहीं कि धर्म पूछ कर मारे

नागपुर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुई आतंकी घटना पर कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार का कहना है कि आतंकियों के पास इतना समय नहीं कि वह धर्म पूछकर मारे। सोमवार को मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि पहलगाम में जो आतंकी घटना हुई इसकी जिम्मेदारी तो सरकार को लेनी चाहिए। 26 पर्यटकों की जान गई। वहां पर सुरक्षा की व्यवस्था क्यों नहीं थी? आतंकी घुस कर पर्यटकों को मार देते हैं। इसे लेकर खुफिया विभाग क्या कर रहा था। यह सब सरकार की विफलता है। इन सब चीजों पर सरकार बात नहीं करती है। अगर उन्हें बात करनी है तो सिर्फ यह कि धर्म पूछकर आतंकियों ने पर्यटकों को मारा। कांग्रेस नेता ने कहा कि आतंकियों के पास इतना समय कहां होता है कि वह मारने वाले के कान में जाकर पूछे कि तुम हिन्दू हो या फिर मुसलमान। इस पूरे मामले में कई बातें हैं, लोग अलग अलग बातें बता रहे हैं। भिन्न-भिन्न प्रकार की बातें हो रही हैं। आतंकियों का कोई मजहब नहीं होता है। आतंकियों ने देश पर हमला किया है और इसलिए उन्हें पकड़कर कठोरतम कार्रवाई करनी चाहिए। पूरे देश की आज यही भावना है। लेकिन, तरह तरह की बातें कर मूल मुद्दों से भटकाना गलत है।

नौसेना को मिला नया ताकतवर साथी

- **भारत ने फ्रांस से 63 हजार करोड़ रुपये में 26 राफेल-एम जेट खरीदे**

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत ने सोमवार को एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए फ्रांस के साथ नौसेना के लिए 26 अत्याधुनिक राफेल-एम (समुद्री संस्करण) लड़ाकू विमानों की खरीद पर 63,000 करोड़ रुपये का बड़ा सौदा किया है। इस सौदे से भारतीय नौसेना की ताकत में जबरदस्त इजाफा होगा और समुद्री सुरक्षा में नया आयाम जुड़ जाएगा।

भारत और फ्रांस के बीच हुए इस समझौते के तहत 22 सिंगल सीटर राफेल-एम लड़ाकू विमान और चार ट्विन-सीटर ट्रेनर विमान खरीदे जाएंगे। यह सौदा सरकार से सरकार के बीच हुआ है और इसे अब तक का एक बड़ा और रणनीतिक सौदा माना जा रहा है। इन विमानों की डिलीवरी साल 2031 तक पूरी होने की उम्मीद है। इसके साथ ही भारतीय नौसेना के पायलटों और तकनीकी स्टाफके लिए ट्रेनिंग, विमानों की मरम्मत और लॉजिस्टिक सपोर्ट का भी प्रावधान इस समझौते में शामिल है।राफेल-एम यानी मैरीटाइम वर्जन को दुनिया के सबसे सक्षम नौसैनिक लड़ाकू विमानों में गिना जाता है। अभी तक केवल फ्रांसीसी नौसेना के पास ही इसका संचालन करने की क्षमता है। यह विमान सफ्रान ग्रुप के बनाए मजबूत लैंडिंग गियर से लैस है जो एयरक्राफ्ट करियर (जहाजों पर उड़ान भरने और लैंडिंग करने वाले विमानों) के लिए आदर्श है। इसमें फोल्डिंग विंग्स, टेलहुक और मजबूत अंडरकैरिज भी है ताकि समुद्र में कठिन हालातों में भी विमान आराम से ऑपरेट कर सके। राफेल-एम विमानों को भारतीय नौसेना के दो विमान वाहक पोतों-आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य पर तैनात किया जाएगा।

इससे हिंद महासागर में भारत की निगरानी और जवाबी कार्रवाई की क्षमता में जबरदस्त बढ़ोतरी होगी। ये नए विमान पुराने पड़ चुके मिग-29के बेड़े की जगह लेंगे जो अब अपनी तकनीकी उम्र पूरी कर चुके हैं। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने पहले ही संकेत दिए थे कि नौसेना अब अपने संचालन के तरीकों में बदलाव कर रही है ताकि किसी भी खतरे को समय रहते नकारा जा सके और प्रभावी कार्रवाई की जा सके। इस सौदे के तहत कुछ महत्वपूर्ण हिस्सों का निर्माण भारत में भी किया जाएगा। यानी ऑफसेट शर्तों के तहत देश के भीतर स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा जो आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत एक बड़ी उपलब्धि है। भारतीय वायुसेना पहले से ही 36 राफेल सी वर्जन के लड़ाकू विमानों का सफलतापूर्वक संचालन कर रही है। अब नौसेना के लिए राफेल-एम के आने से वायुसेना को भी एक अप्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। खासकर बड़ी-बड़ी रिफ्यूलिंग सिस्टम यानी एक विमान से दूसरे विमान को हवा में ही ईंधन भरने की सुविधा को और उन्नत किया जाएगा, जिससे दोनों बलों की ऑपरेशनल क्षमता में बड़ा सुधार होगा। नौसेना लंबे समय से अपने खुद के फाइव्थ जेनरेशन फाइटर जेट्स को विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित किए जा रहे ये ट्विन-इंजन, डेक आधारित लड़ाकू विमान एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के नौसेना संस्करण होंगे।

योगी ने कौशांबी हादसे पर जताया दुख

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। कोखराज थाना क्षेत्र के टीकरडीह गांव में आज सुबह मिट्टी खोदते समय टीला ढह गया, जिससे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना पर सीएम योगी ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

उन्होंने अधिकारियों को राहत बचाव के निर्देश दिए। सीएम ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रूपए की आर्थिक मदद का ऐलान किया है। घटना उस समय हुई जब कुछ महिलाएं घर की पुताई के लिए तालाब किनारे से मिट्टी खोद रही थीं। अचानक मिट्टी का बड़ा टीला भरभरा कर गिर गया और नौ लोग उसमें दब गए। हादसे की खबर मिलते ही ग्रामीण और प्रशासनिक टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू अभियान चलाकर सभी को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में तीन महिलाएं और दो किशोरियां शामिल हैं। चार घायलों का इलाज चल रहा है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है। मौके पर पहुंचे एसडीएम सिराथू ने बताया कि घायलों और मृतकों के परिजनों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जायेगा।

शीष अदालत ने हाईकोर्ट के आदेश को रखा बरकरार

- **शाही ईदगाह-कृष्ण जन्मभूमि का मामला**

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय का वह आदेश जिसमें हिन्दू पक्ष को अपनी शिकायत में संशोधन करने और शाही ईदगाह-कृष्ण जन्मभूमि विवाद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को पक्ष के रूप में जोड़ने की अनुमति दी गई थी, वह प्रथम दृष्टया सही है।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार की पीठ ने मुस्लिम पक्ष द्वारा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। पीठ ने कार्यवाही के दौरान टिप्पणी की ÷एक बात स्पष्ट है। हिन्दू वादियों द्वारा मूल याचिका में संशोधन की अनुमति दी जानी चाहिए। हिंदू पक्षकारों ने अपने मूल मुकदमे में संशोधन की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें दावा किया गया था कि विवादित ढांचा एएसआई के तहत एक संरक्षित स्मारक है और इसलिए पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के तहत संरक्षण लागू नहीं होगा। न्होंने तर्क दिया कि संरचना मस्जिद के रूप में जारी नहीं रह सकती। उन्होंने एएसआई को मुकदमे में एक पक्ष बनाने की भी मांग की, जिसे उच्च न्यायालय ने मार्च 2024 में अनुमति दी। इसके बाद मुस्लिम पक्ष ने इस आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया। इससे पहले, 04 अप्रैल को शीर्ष अदालत ने इस अपील पर हिन्दू पक्ष को नोटिस जारी किया था। जब आज मामले की सुनवाई हुई तो न्यायालय ने पाया कि मुस्लिम पक्ष की दलील 'गलत तरीके से पेश की गई' प्रतीत होती है। पीठ ने टिप्पणी की, यह दलील बिल्कुल गलत है। उच्च न्यायालय को मुकदमे में पक्षकारों को जोड़ने के लिए संशोधन की अनुमति देनी चाहिए थी।न्यायालय ने हालांकि मुस्लिम पक्ष को अपना लिखित बयान दाखिल करने के लिए समय दिया और आगे की सुनवाई स्थगित कर दी।

संक्षिप्त समाचार

जेपी नड्डा बने रहेंगे बीजेपी अध्यक्ष, टली चुनाव प्रक्रिया

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव स्थगित हों चुका है। पार्टी की उच्च कमेटी ने ये फैसला लिया है। अध्यक्ष पद के लिए नए चुनाव की तारीखों की घोषणा बाद में होगी। पहले पार्टी ने मई में अध्यक्ष का चुनाव कराने की योजना बनाई थी, लेकिन अब इसे टाल दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, बीजेपी ने अध्यक्ष पद के चुनाव को टालने का निर्णय लिया इसलिए नड्डा अभी भी पार्टी के अध्यक्ष बने रहेंगे। बता दें, 2019 से नड्डा इस पद पर कार्यरत हैं।

वक्फ अधिनियम को चुनौती देने वाली नयी याचिका पर विचार करने से इनकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली एक नयी याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और कहा कि वह इस मुद्दे पर ''सैकड़ों याचिकाओं पर सुनवाई नहीं कर सकता। भारत के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने याचिकाकर्ता सैयद अली अकबर के वकील से लंबित पांच मामलों में हस्तक्षेप आवेदन दायर करने को कहा, जिन पर अंतरिम आदेश पारित करने के लिए पांच मई को सुनवाई होगी। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''आप इसे वापस लें। हमने 17 अप्रैल को एक आदेश पारित किया था जिसमें कहा गया था कि केवल पांच याचिकाओं पर सुनवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, ''याचिकाकर्ता के लिए सलाह मिलने पर लंबित याचिकाओं में आवेदन दायर करने का रास्ता खुला रहेगा। पीठ ने 17 अप्रैल को अपने समक्ष कुल याचिकाओं में से केवल पांच पर सुनवाई करने का फैसला किया और मामले का शीर्षक दिया ''इन री वक्फ (अमेंडमेंट) एक्ट, 2025। कानून के खिलाफ दायर करीब 72 याचिकाओं में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता असदुद्दीन ओवैसी, ऑल (शेष पृष्ठ 7 पर)

एनवायरमेंट वॉरियर्स 4.0 अभियान : कट्टैया किशनपुर, खीरी में आयोजित हुए इंटर-स्कूल क्विज, पेंटिंग प्रतियोगिता, वन कर्मियों के सम्मान व पर्यावरण जन जागरूकता कार्यक्रम

2050 तक समुद्र में मछलियों से अधिक प्लास्टिक कचरा : डॉ. राजेश्वर

चर्चित राजनीति। संवाददाता

खीरी/लखनऊ। प्रकृति संरक्षण के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए सरोजनी नगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सोमवार को कट्टैया किशनपुर स्थित रेंजर्स कार्यालय प्रांगण में आयोजित पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रम के चौथे चरण (4.0) में सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान 17 स्थानीय विद्यालयों के लगभग 250 विद्यार्थियों के बीच इंटर-स्कूल क्विज तथा पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिससे बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी विकसित हो सके। इस दौरान थारु समाज की महिलाओं ने पारम्परिक शिल्प कृतियों का प्रदर्शन भी किया। इंटर स्कूल क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाले गुरुकुल अकैडमी के मनजोत कौर ग्रुप को 20 हजार रुपये, द्वितीय स्थान पाने वाले विवेकानंद अकैडमी के शौर्य प्रताप ग्रुप को 15 हजार, तथा तृतीय स्थान पाने वाले विवेकानंद अकैडमी के समूह निहारिका ग्रुप को 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही पेंटिंग प्रतियोगिता की विजेता विवेकानंद अकैडमी की प्रशू कुमारी को 2.5 हजार, उपविजेता लिवलीन कौर को 2 हजार और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले एसवीपीएस विद्यालय के देव कश्यप को 1.5 हजार रुपये की राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग के 30 वाचरों को साइकिल वितरित कर उनकी सेवा भावना को प्रोत्साहित किया गया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 5 वनकर्मियों गौरव यादव, अमित गंगवार, नंदराम, अरविन्द चौरसिया, भानु यादव को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सिंह ने पहलगाम हादसे में दिवंगत पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की। उन्होंने धरती को अधिक सुंदर और बेहतर बनाने के लिए सभी से मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में डॉ. राजेश्वर सिंह ने वैश्विक पर्यावरण संकट की गंभीरता को रेखांकित करते हुए कहा कि आज जब हम आर्थिक समृद्धि के नए प्रतिमान गढ़ रहे हैं, तब हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पृथ्वी पर जीवन की विविधता ही हमारे अस्तित्व का मूल (शेष पृष्ठ 7 पर)

जनता दर्शन में डिप्टी सीएम ने सुनी जनसमस्यायें

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अलीगढ़ जाने से पहले कैम्प कार्यालय 7- कालिदास मार्ग पर जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति को हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय। समस्याओं के समाधान हेतु जवाबदेही तय होनी चाहिये। जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उत्पीड़न , भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय। उन्होने हर व्यक्ति की समस्या को गम्भीरता से सुना, समस्याओं के निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए। फरियादियों को विश्वास दिलाते हुये कहा कि परेशान हो, समस्याओं का समाधान भी होगा, सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाएं भी मिलेंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और दुबारा कहीं भटकना न पड़े, बार -बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गो आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।जनता दर्शन में भूमि विवाद ,दुर्घटनाओं से संबंधित, अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, भूमि पर कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, उत्पीड़न आदि की समस्याएं विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक- एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे संवाद करते हुए सुना।उप मुख्यमंत्रीकेशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के बावत जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों व उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करते हुए दिशा निर्देश दिए। जमीन सम्बन्धी अधिकांश प्रकरणों में उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजा जाय और सार्थक समाधान कराया जाय।

आतंकवादी का नही होता कोई धर्म और ईमान

लखनऊ, चसं। लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सर्वधर्म सभा का आयोजन किया। आतंकवादियों द्वारा पहलगाम जम्मू कश्मीर में 28 लोगों के नरसंहार की निंदा की गई। लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार राजेंद्र सिंह बग्गा ने बैठक में कहा कि इस घटना से विश्व स्तब्ध एवं अत्यंत दुखी है इस्लाम के नाम पर यह कुकृत्य करने वाले सच्चे मुसलमान नहीं हो सकते एवं आतंकवादी का कोई धर्म एवं ईमान नहीं होता। भारत के खिलाफएक बहुत बड़ा षड्यन्त्र कश्मीर को ले कर रचा जा रहा है। कार्यवाहक अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह जग्गी ने इसी श्रृंखला को अग्रसर करते हुए अवगत कराया कि देश में सौहार्द एवं शांति बनाए रखने हेतु सभी धर्मो के धर्म प्रतिनिधियों को एकजुट होकर एक मंच से इस कुकृत्य का एवं आतंकवाद का कड़ा विरोध करना चाहिए।इसी आशय से इस सभा का आयोजन लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा किया गया है ,भारत में अशांति फैलाने एवं आपसी भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण विध्वंस करने की पाकिस्तान की एक समझी हुई साजिश है जिससे कि भारत में दंगे भड़काए जा सके एवं पूरे देश में अशांति का वातावरण पैदा हो सके लगातार पाकिस्तान द्वारा ऐसी घटनाएं जम्मू एवं कश्मीर में निरंतर कराई जा रही है आज फिर से साहिब श्री गुरु गोविंद सिंह एवं छत्रपति शिवाजी महराज जिन्होंने अपना जीवन एवं परिवार मानवता एवं सर्वधर्म सद्भाव के लिए अर्पित कर दिया। उनके दृष्टिकोण एवं जज्बात को पुनः अवतरित करने की आवश्यकता है।

लखनऊ ईदगाह के इमाम साहब मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने कहा कि इस्लाम दहशतगर्दी की इजाजत नहीं देता है और दुनिया के तमाम मजाहिद अमन एवं शांति का पैगाम देते हैं इस्लाम इस बात की ताकीद करता है कि दुनिया में अमन एवं शांति का अमल कायम हो और दहशतगर्दी खत्म हो और इंसानों की जिंदगी और जानमाल की हिफाजत हो। यह इस्लाम का मुख्य उद्देश्य है अल्लाह ताला ने कुराने शरीफ में फरमाया है कि जिसने एक इंसान का कत्ल किया उसने पूरी इंसानियत का कत्ल किया जिसने किसी एक इंसान की जान बचाई उसने , इंसानियत की जान बचाई महजब इस्लाम दहशतगर्दी की इजाजत नहीं देता।जिस तरह आतंकवादियों ने मजहब पूछ कर कत्ल किया यह स्पष्ट हो जाता है कि भाईचारा एवं गंगा जमुनी तहजीब को खत्म करने की नापाक साजिश है पहलगाम में जो हृदय को द्रवित करने की घटना हुई है हम सब धर्मगुरु इसका पुरजोर विरोध करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बीमारी से परेशान 70 वर्षीय वृद्ध ने दी जान

हरचंदपुर/रायबरेली, चसं। थाना क्षेत्र के घमहिया मजरे बाला गांव में एक दुखद घटना सामने आई। यहां 70 वर्षीय बैद्यनाथ का शव उनके घर में गमछे के सहारे फंदे पर लटका मिला। बैद्यनाथ अपने घर में अकेले रहते थे। बैद्यनाथ के दो बेटे हैं। बड़े बेटे विनोद कुमार की शादी हो चुकी है। छोटे बेटे विजय कुमार की अभी शादी नहीं हुई है। बैद्यनाथ लंबे समय से बीमार चल रहे थे। इलाज में दोनों बेटे परेशान थे। सुबह जब घर के अंदर बैद्यनाथ का शव लटका मिला, तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सब इंस्पेक्टर चक्रधर पांडे ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आ गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे युवक को कुचला

रायबरेली, चसं। हरचंदपुर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। शोभापुर गांव के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने 30 वर्षीय युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान राम पाल के रूप में हुई है। वह अहमदगंज का रहने वाला था। राम पाल लालगंज से अपना काम खत्म कर रात में पैदल घर लौट रहा था। शोभापुर के पास पहुंचते ही किसी अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया और मौके से फरार हो गया। घटना रात करीब 2 बजे की है। सुबह तक शव सड़क पर पड़ा रहा। स्थानीय लोगों ने सुबह पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सब इंस्पेक्टर चक्रधर पांडेय ने बताया कि मामला संज्ञान में है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

प्रत्येक विद्यालय को मिलेंगे 700 रुपये

रायबरेली, चसं। मध्याह्न भोजन योजना के तहत 2402 विद्यालयों को 700-700 रुपये दिए जाएंगे, ताकि भोजन बनाने और परोसने में स्वच्छता का ध्यान रखा जा सके। इस धनराशि का उपयोग रसोइया अपनी जरूरत को देखते हुए एप्रन, ग्लव्स, हेड कवर खरीदने में करेंगी। हाथ धोने का साबुन भी खरीदा जाएगा, ताकि भोजन का उपयोग करने से पहले और बाद में हाथ दो सकें। जरूरत पढ़ने पर मध्याह्न भोजन संबंधी पंजिकाएं और फॉर्म खरीद सकेंगे। जिला समन्वयक (एमडीएम) विनय कुमार तिवारी ने बताया कि जिले में 2402 विद्यालयों में मध्याह्न भोजन की व्यवस्था है। इन सभी विद्यालयों को 700-700 रुपये मिलेंगे। इसके लिए जिले को 16 लाख 81 हजार 400 रुपये का बजट मिला है। यह धनराशि संबंधित विद्यालयों में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस धनराशि से रसोइयों के लिए एप्रन, ग्लव्स, हेड कवर खरीदना होगा। हाथ धोने के लिए साबुन भी खरीदे जाएंगे। मध्याह्न भोजन संबंधी पंजिकाएं, लेखन सामग्री, फॉर्म्स आदि भी खरीदी जा सकेंगे।

आठ सड़कों को क्रॉस करेगी रिंगरोड, बनेंगे ओवरब्रिज

रायबरेली, चसं। शहर में जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए 1200 करोड़ रुपये से प्रस्तावित रिंग रोड के दूसरे फेज का काम तेजी से चल रहा है। इस दायरे में आने वाली जमीन का अधिग्रहण कर मुआवजा वितरण की प्रक्रिया पूरी हो गई है। यह रिंगरोड आठ सड़कों को क्रॉस करेगी। इन सड़कों पर ओवरब्रिज का निर्माण कराया जाएगा, ताकि लोगों को जाम की समस्या से जूझना न पड़े। ओवरब्रिज बनने से हादसे कम होंगे। 21 गांवों से होकर निकलने वाली इस रिंगरोड के बनने से शहर में जाम की समस्या से राहत मिल जाएगी। इससे लखनऊ से प्रयागराज जाने वाले वाहनों को शहर में प्रवेश नहीं करना पड़ेगा। यह रिंग रोड डिडौली स्थित महिंद्रा एजेंसी के पास रायबरेली-लखनऊ हाईवे से निकल कर सैदनपुर, सुलखियापुर, पासापुर, परिगवां, अलादपुर, कंचौदा नानकारी, चकलोहराहार, डिडौली, लोहरामऊ, सलारपुर, नौबती, दरीबा, रेती खुर्द बुजुर्ग, बिनोहरा, फकरुलहसन खेड़ा, मछेछर, पासापुर, सुल्तानपुर आइमा, बेलाभेला, कुचरिया, सरायदामो गांव होकर रायबरेली-प्रयागराज हाईवे को जोड़ेगी।

5100 किसानों को 320 करोड़ मिला मुआवजा : रिंगरोड निर्माण के लिए 5100 किसानों से भूमि का अधिग्रहण किया गया है। इसके लिए किसानों को 320 करोड़ रुपया मुआवजा बांटा जा चुका है।

जिले में दूसरे फेज में रिंग रोड के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। रिंगरोड आठ सड़कों को क्रॉस कर रही है। इन सड़कों के ऊपर ओवरब्रिज का निर्माण कराया जाएगा- मनीष सिंह चौहान, अधिशासी अभियंता सड़क परिवहन एवं राज्यमार्ग मंत्रालय।

शव नहर में मिला

रायबरेली, चसं। ऊंचाहार थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव मिर्जापुर ऐहारी के पास नहर में संदिग्ध परिस्थितियों में अज्ञात व्यक्ति का शव उतराते हुए मिला है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच करवाया जा रहा है।

मजदूर का शव टुकड़े में मिले

रायबरेली, चसं। हरचंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव सलेमपुर के पास लखनऊ से प्रयागराज एन एच मार्ग पर मजदूर रामपाल सिंह निवासी अहमदगंज का शव चिथड़े-चिथड़े में मिला है।जिसको लेकर अलग-अलग चर्चाएं थी। सीओ ने बताया कि मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है।

लड्डू खाने से कई हुए बीमार

रायबरेली, चसं। गदागंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव पूरे रम्भा निवासिनी प्रतिभा ने थाने में तहरीर देकर घटिया लड्डू देने व उसके खाते ही कई लोग गंभीर बीमार हो गए थे।

मारपीट में दम्पति घायल

रायबरेली, चसं। ऊंचाहार थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव खिटखिटियन निवासी धीरेन्द्र व सावित्री देवी को मामूली विवाद में मारपीट कर घायल कर दिया गया। जिनको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सूचना पर जांच पड़ताल जारी है।

बाइक चोरी, जांच जारी

रायबरेली, चसं। बछरावां थाना क्षेत्र अंतर्गत शांति नगर निवासी संजय ने थाने में तहरीर देकर दरवाजे से बाइक चोरों द्वारा पार कर देने का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच करवाया जा रहा है।

करंट से दो गाय की मौत

रायबरेली, चसं। सरेनी थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव सोमवंशी के पास दो गाय की करंट लगने से मौत हो गई है। सूचना पर पुलिस पहुंच जांच की है।

फांसी से लटका मिला शव

रायबरेली, चसं। जिले के गांव बाला निवासी बैजनाथ का शव फांसी के फंदे से लटका मिला है। सीओ ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है।

फसल में लगी आग

रायबरेली, चसं। गदागंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव सुद्वाहरदो निवासी मोहम्मद शरीफ ने थाने में तहरीर देकर दो लोगों पर गेहूं की खड़ी फसल में आग लगा देने का लीखित शिकायत किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच की जा रही है।

घायल हिरन मिला

रायबरेली, चसं। ऊंचाहार थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव खरौली में संदिग्ध परिस्थितियों में घायल हिरन मिला है।जिसके घायल होने को लेकर अलग-अलग चर्चाएं थी।

दीवार गिरी, मासूम गंभीर

रायबरेली, चसं। डीह थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव भीतरी में दीवार गिरने से उसकी चपेट में आने से राज गंभीर घायल हो गया।जिसको सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जिला पंचायत सदस्य ने किया क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारम्भ

चर्चित राजनीति। संवाददाता

शिवगढ़, रायबरेली। नगर पंचायत के वार्ड नम्बर 8 ढेकवा में आयोजित स्वर्गीय वीरेंद्र बहादुर त्रिपाठी टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 2025 का उद्घाटन मैच अंकित इलेवन - कान्हा टाइटन्स इलेवन के मध्य खेला गया जिसमें कान्हा टाइटन्स ने अंकित इलेवन को 57 रनों से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एमएलसी प्रतिनिधि एवं जिला पंचायत सदस्य विनय वर्मा, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विधानसभा प्रत्याशी लक्ष्मीकान्त रावत द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। प्रतियोगिता का दूसरा लीग मैच चंदन इलेवन-आरबीएल हॉस्पिटल के मध्य खेला गया जिसमें चंदन इलेवन ने आरबीएल हॉस्पिटल को 105 रनों से पराजित कर दिया। प्रतियोगिता का तीसरा लीग मैच स्वर्गीय वीरेंद्र प्रसाद त्रिपाठी क्रिकेट क्लब ढेकवा- राजामऊ के मध्य खेला गया, जिसमें राजामऊ 108 रनों से विजयी रहा। मैन ऑफ़ द मैच आयुष को दिया गया। वहीं प्रतियोगिता का चौथा लीग मैच तिलेण्डा - राहुल इलेवन शिवली चौराहा के मध्य खेला गया जिसमें तिलेण्डा 80 रनों से विजयी रहा। मैन ऑफ द मैच 56 रन बनाकर 2 विकेट लेने वाले धीरेंद्र को दिया गया। इस मौके पर आयोजन कमेटी की संरक्षण के महेश प्रसाद त्रिपाठी, राकेश शुक्ला, आयोजक कमेटी अध्यक्ष राज बहादुर सिंह, ध्यानू पाण्डेय, जय सिंह, पिंकू सिंह, श्याम बहादुर सिंह, कमल बहादुर सिंह, धीरज मिश्रा, सोनू पांडेय, शालू त्रिपाठी,भरत बाजपेयी, संगम तिवारी, पंकज मिश्रा, दीपांशु, रिंकू दुबे, राजा त्रिवेदी, मो.नजीर, जसवंत सिंह, सत्य प्रकाश मौर्य, पंकज मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता पहुंचे रायबरेली

रायबरेली, चसं। भाजपा पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला अपने भ्रमण को लेकर रायबरेली पहुंचे। जिनके द्वारा विपक्ष पार्टी पर जमकर निशाना साधा है।जिस दौरान कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद थे।

समाजवादी मजदूर सभा की लखनऊ जिला कार्यकारिणी का गठन

लखनऊ, चसं। समाजवादी मजदूर सभा की जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष ज्ञानेंद्र कुमार ज्ञानू ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में सपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा और समाजवादी मजदूर सभा के प्रदेश अध्यक्ष धनी लाल श्रमिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सपा जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। ज्ञानेंद्र कुमार ज्ञानू ने मुख्य अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को फूल माला पहनाकर बधाई दी। जिलाध्यक्ष ने पदाधिकारियों से लखनऊ में समाजवादी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष टीबी सिंह, बचान सिंह यादव, जिला कोषाध्यक्ष इश्तियाक अहमद, सयुस जिलाध्यक्ष शिवकुमार रावत टाइगर समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। जिला पंचायत सदस्य अरुण रावत, मजदूर सभा जिला महासचिव अर्जुन रावत और सरोजनी नगर विधानसभा अध्यक्ष ओम प्रकाश रावत भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

तंत्र मंत्र करके भोले भाले लोगों से ठगी करने वाले गिरफ्तार

लखनऊ, चसं। कमिश्नर द्वारा दिशा निर्देश पर, थाना महानगर क्षेत्र में पुलिस को मुखबिर की सूचना पर ठगी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों महानगर पुलिस ने गिरफ्तार किया,1 कुंदनाथ निवासी जीवन नगर वार्ड 11 मालउट मुक्तसर पंजाब, 2 अर्जुन,3 नैलूनाथ, एक बाल अपचारी, चारों आरोपी एक ही जगह पंजाब के रहने वाले हैं, गिरोह बनाकर साधुओं का भेश बनाकर सीधे-साधे लोगों से टप्पेबाजी करने वालों को गिरफ्तार किया, लखनऊ कमिश्नर के दिशा-निर्देशों के तहत की गई, टीमें अपराधियो के खिलाफलगातार अभियान चला रही है, प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपीगण को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की गई।

आया राम, गया राम नहीं, पार्टी अनुशासन की भावना से लिया जाता है कोई भी निर्णय : मायावती

लखनऊ, चसं। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को कहा कि पार्टी में किसी का भी आना-जाना निजी मामला नहीं है, बल्कि यह पूरी तरह पार्टी और मूवमेंट के हित पर आधारित है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने साफकिया कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के आत्म-सम्मान और स्वाभिमान के मिशन को सत्ता तक पहुंचाने के संघर्ष में बीएसपी प्रतिबद्ध है। इसमें कार्यकर्ताओं का जुड़ना या अलग होना पार्टी के अनुशासन और मूल भावना के अनुरूप तय किया जाता है। मायावती द्वारा हाल ही में भतीजे आकाश की पार्टी में वापसी पर कांग्रेस,भाजपा सहित दूसरे दल इसे परिवारवाद का उदाहरण बता बसपा पर हमला बोल रहे थे। मायावती का ये बयान इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। मायावती ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, बीजेपी और अन्य विरोधी दल पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं को बहकाकर उन्हें बीएसपी को कमजोर करने के लिए उकसाते हैं। जब ऐसे लोग अनुशासनहीनता करते हैं या पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं, तो पार्टी हित में उनके खिलाफसख्त कदम उठाना पड़ता है। हालांकि, जब वही लोग अपनी गलती का एहसास कर वापस लौटते हैं, तो विरोधी इसे आया राम, गया राम कहकर बीएसपी की छवि को खराब करने की कोशिश करते हैं। मायावती ने कहा कि जब यही घटनाएं कांग्रेस, बीजेपी और अन्य दलों में होती हैं, तो उसे ये पार्टी हित का फैसला बताकर सही साबित करने की कोशिश करते हैं। लेकिन बीएसपी के मामले में अलग-अलग संज्ञाएं देकर पार्टी के खिलाफदुष्प्रचार किया जाता है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे विरोधियों की इन चालों से सतर्क रहें और मूवमेंट को कमजोर न होने दें।

अब्दुल करीम अध्यक्ष और राजेश शुक्ला मंत्री बने

लखनऊ, चसं। सरोजनी नगर स्थित अमौसी रोडवेज वर्कशॉप में सोमवार को उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ की चारबाग डिपो ट्रैफिक शाखा का चुनाव संपन्न हुआ। संगठन के संरक्षक और प्रदेश प्रभारी मोहम्मद नसीम की उपस्थिति में चुनाव हुआ। चुनाव अधिकारी मनीष दीक्षित और पर्यवेक्षक राकेश कुमार ने चुनाव प्रक्रिया की देखरेख की। अब्दुल करीम को अध्यक्ष और राजेश कुमार शुक्ला को मंत्री पद पर निर्विरोध चुना गया। कार्यकारिणी का गठन भी सर्वसम्मति से किया गया।

विद्युत बाधित होने पर जनसंचार माध्यमों से उपभोक्ता को अवगत करायें : अध्यक्ष

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। गार्मियों में बिजली उपभोक्ताओं की समस्यायें शीध्र निस्तारित हो इसके लिये उप्र पावर कारपोरेशन प्रबन्धन लगातार प्रयासरत है। इस क्रम में उपभोक्ता केयर सेन्टर के टोल फ्री नम्बर 1912 को और बेहतर तथा प्रभावी करने के लिये आज शक्ति भवन में उप्र पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। वीडियों कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से सम्पन्न इस समीक्षा बैठक में संस्थाओं के प्रतिनिधि, सभी डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक तथा उप्र पावर कारपोरेशन के प्रबन्ध निदेशक पंकज कुमार एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उप्र पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने बैठक को सम्बोधित करते हुये कहा कि गार्मियों में उपभोक्ता अपनी विद्युत सम्बन्धी समस्याओं के लिये 1912 पर फोन करता है। उसकी कॉल तुरन्त रिसीव हो, कॉल ड्राप न हो यह सुनिश्चित किया जाये। हर जोन में वाट्सएप ग्रुप बनायें जिसमें जे.ई. से लेकर स्थानीय नागरिक पत्रकार तथा जनप्रतिनिधी जुड़े रहे। इससे उन्हें आवश्यक जानकारी मिलती रहे। अध्यक्ष ने कहाकि सभी प्रबन्ध निदेशक अपने डिस्कॉम में कॉल सेन्टर 1912 की रेग्यूलर समीक्षा करें। सभी कॉल सेन्टर पर कार्मिक उपभोक्ताओं से बेहतर व्यवहार करें। उन्होंने कहाकि कहीं भी कोई विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो तो उसकी पूरी सूचना कॉल सेन्टर पर तुरन्त दी जाये। जिससे उपभोक्ता को अवगत कराया जा सके कि क्यों विद्युत बाधित है जब आपूर्ति ठीक हो जाये तो उपभोक्ता को मैसेज आदि से अवगत करा दिया जाये। अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने निर्देशित किया कि प्रत्येक डिस्कॉम में इसकी रेग्यूलर समीक्षा हो और जहॉ भी शिकायतें ज्यादा पेन्डिंग हों वहॉ जिम्मेदारी तय की जाये। अध्यक्ष ने कहाकि 1912 पर उपभोक्ता इस उम्मीद से फोन करता है कि उसकी समस्या का निदान हो। इसलिये हम सभी की जिम्मेदारी है कि उसका विश्वास कायम रहे और समस्या का समयबद्ध तरीके से निदान हो। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि वे 1912 से सम्पर्क में रहें और प्राप्त सूचनाओं पर तुरन्त कार्यवाई सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा हैं कि यह सुनिश्चित किया जाये कि टोल फ्री नम्बर शीघ्र उठे और उपभोक्ता की समस्या हल होने तक उसके सम्पर्क में रहे। अध्यक्ष ने पश्चिमांचल, दक्षिणांचल, मध्यांचल, पूर्वांचल एवं केस्को के प्रबन्ध निदेशक से 1912 सहित उपभोक्ता के लिये कार्यरत विभिन्न सूचना के माध्यमों पर आने वाले शिकायतों की विस्तृत पूंछतांछ की। प्रबन्ध निदेशकों ने बताया कि शिकायतों के लिये चैटबोट बहुत लोकप्रिय हो रहा है। अब आने वाली शिकायतों में 25 प्रतिशत से अधिक शिकायतें चैटबोट के माध्यम से आती है। इस पर सूचना देना आसान है। इस पर इंतजार नहीं करना पड़ता है, कॉल ड्राप की संभावना नहीं है। इसी तरह ई-मेल, वेबसाइड आदि के माध्यम भी उपभोक्ताओं में लोकप्रिय हो रहे है।

ग्रांट थ्रोनटोन बचा रहा बड़ा निजी घराना परिषद के पास सबूत : उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन में भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के लिए उच्च अधिकारियों ने निदेशक वित्त व कमर्शियल को यह मौखिक निर्देश दिया है कि झूठा शपथ पत्र देने वाली कंसलटेंट कंपनी ग्रांट थ्रोनटन की पत्रावली ऊपर नीचे घुमाते रहो ,लेकिन पावर कारपोरेशन के नियमों के तहत अंतिम निर्णय के लिए पत्रावली ऊपर मत भेजो।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि टेंडर निकालने वाली बिंग ने झूठा शपथ पत्र देने वाली कंसल्टेंट कंपनी के खिलाफ आरोप सिद्ध होने पर कार्यवाही के लिए पत्रावली ऊपर भेजा लेकिन पत्रावली को नए निदेशक वाणिज्य के स्तर पर डंप कराया गया है। जो अपने आप में भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने का सबसे बड़ा मामला है। उपभोक्ता परिषद के पास पुख्ता सबूत है कि देश का एक बड़ा निजी घराना इस कंसलटेंट कंपनी को बचा रहा है जल्द ही उसका खुलासा उपभोक्ता परिषद करेगी। पावर कारपोरेशन के नियमों के तहत इस प्रकार के उल्लंघन के मामले में अध्यक्ष पावर कारपोरेशन को अंतिम निर्णय देना होता है। 15 दिन बीतने को है लेकिन ग्रांट थ्रोनटन कंपनी के खिलाफ कोई भी कार्यवाही नहीं की गई। आज इस संबंध में जब उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने टेंडर मूल्यांकन कमेटी के अध्यक्ष निदेशक वित्त निधि कुमार नारंग से फिर बात की तो उनके द्वारा कहा गया की ग्रांड थॉर्नटन कंपनी से एक बार फिर सप्लीमेंट्री जवाब मांगा गया है। पावर कारपोरेशन ने हद कर दी भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के लिए किस हद तक जा सकते हैं इससे बड़ा उदाहरण कोई नहीं है। श्री वर्मा ने कहा पत्रावली कितना भी पावर कॉरपोरेशन ऊपर नीचे कर ले लेकिन इस भ्रष्टाचार के मामले में कार्यवाही करना ही पड़ेगा। इसके लिए उपभोक्ता परिषद को चाहे जिस न्यायिक प्रक्रिया का सहारा लेना पड़ेगा वह लेगी। लेकिन 42 जनपदों के निजीकरण का मसौदा तैयार करने वाली कंसल्टेंट कंपनी जिसके द्वारा झूठा शपथ पत्र देकर रिपोर्ट तैयार की जा रही है उसे उपभोक्ता परिषद लागू नहीं होने देगा। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा दुर्भाग्य की बात है कि उपभोक्ता परिषद ने कानून के दायरे में विद्युत नियामक आयोग के सामने भी पूरी बात रखी पावर कारपोरेशन प्रबंधन के पास पूरी बात रखी झूठा शपथ पत्र का मामला साबित हो गया। लेकिन कार्यवाही केवल इसलिए नहीं की जा रही है। क्योंकि उसके पीछे एक देश का बड़ा निजी घराना कम कर रहा है।

मध्यांचल मुख्यालय पर बिजली कर्मियों का उग्र प्रदर्शन : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उप्र के बैनर तले आज मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के मुख्यालय पर बिजली कर्मियों ने निजीकरण के विरोध में उग्र प्रदर्शन किया और प्रबन्ध निदेशक को ज्ञापन दिया। निजीकरण की दृष्टि से कई जनपदों में संविदा कर्मियों को बड़े पैमाने पर हटाये जाने से गुस्साये विद्युत कर्मियों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। निजीकरण के विरोध में ज्ञापन दो अभियान के अन्तर्गत सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दिये गये। 01 मई को सभी जनपदों में बाईक रैली निकालने की तैयारी हेतु बैठकें की गयी। निजीकरण एवं निजी घरानों की मदद करने हेतु संविदा कर्मियों की बड़े पैमाने पर की जा रही छंटनी, इलेक्ट्रिसिटी रिफॉर्म एक्ट 1999 एवं ट्रांसफर स्कीम 2000 के प्राविधानों के विपरीत बिजली कर्मियों के निवास पर स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध में एवं फेसियल अटेंडेंस के विरोध में आज मध्यांचल मुख्यालय पर प्रातः 11:00 बजे से सैकड़ों बिजली कर्मी एकत्र होने लगे और बिजली कर्मियों ने मध्यांचल के प्रबन्ध निदेशक के विरोध में उग्र प्रदर्शन किया। मध्यांचल के प्रबन्ध निदेशक को ज्ञापन देकर संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि यदि संविदा कर्मियों को निकाले जाने की प्रक्रिया बन्द न की गयी और निकाले गये संविदा कर्मियों को काम पर वापस न लिया गया तथा स्मार्ट मीटर लगाने और फेसियल अटेंडेंस का दबाव डाला गया तो बिजली कर्मी आन्दोलन प्रारम्भ करने हेतु बाध्य होंगे।

संघर्ष समिति ने यह भी चेतावनी दी कि यदि किसी भी बिजली कर्मी का अप्रैल माह का वेतन रोका गया तो इसकी तीखी प्रतिक्रिया होगी।बिना कारण निजीकरण हेतु बड़े पैमाने पर की जा रही छंटनी के विरोध में आज रायबरेली के संविदा कर्मियों ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश के कई जनपदों में छंटनी के विरोध में बिजली कर्मियों का विरोध प्रदर्शन चल रहा है। आज से प्रदेश के समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर निजीकरण के विरोध में सभाओं और प्रदर्शनों का दौर शुरू हुआ है। संघर्ष समिति ने कहा है कि निजीकरण का निर्णय वापस होने तक विरोध प्रदर्शन और आन्दोलन जारी रहेगा।ज्ञापन दो अभियान के अन्तर्गत आज बरेली में संसद सदस्य छत्रपाल गंगवार, उप्र के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ अरूण कुमार, विधायक संजीव अग्रवाल को ज्ञापन दिया गया। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल के ओएसडी रमाकान्त सिंह को मिर्जापुर में ज्ञापन दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

लापरवाही पर कृषि विभाग के दो अधिकारी निलंबित

लखनऊ, चसं। योगी सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाते हुए कृषि विभाग के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित किए गए अधिकारियों में नत्थू लाल गंगवार, प्रक्षेत्र प्रबंधक, राजकीय ऊसर सुधार प्रक्षेत्र-जैतपुर एवं कासिमाबाद, हरदोई तथा श्री राम तेज यादव, प्रक्षेत्र प्रबंधक, राजकीय ऊसर सुधार प्रक्षेत्र, रहीमाबाद, लखनऊ शामिल हैं। नत्थू लाल गंगवार, प्रक्षेत्र प्रबंधक, राजकीय ऊसर सुधार प्रक्षेत्र-जैतपुर एवं कासिमाबाद, हरदोई को फसलों के उत्पादन हेतु शिथिल नियन्त्रण के कारण प्रक्षेत्र के उत्पादन तथा उत्पादकता के लाभ में कमी होने के कारण निलम्बित कर दिया गया है। जबकि श्री राम तेज यादव, प्रक्षेत्र प्रबंधक, राजकीय ऊसर सुधार प्रक्षेत्र, रहीमाबाद, लखनऊ सम्प्रति उप कृषि निदेशक (शोध), बाराबंकी को फसलों के उत्पादन हेतु शिथिल नियन्त्रण के कारण प्रक्षेत्र के उत्पादन तथा उत्पादकता के लाभ में कमी होने के कारण निलम्बित कर दिया गया है। इस कार्रवाई पर कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि विभाग में किसी प्रकार की उदासीनता, शीतलता और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हमारी सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस के लिए प्रतिबद्ध है।

लखनऊ में मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना के अंतर्गत शिल्पियों को ऋण सुविधा के लिये आवेदन आमंत्रित

लखनऊ, चसं। जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी अवधेश कुमार गौतम ने बताया कि उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड द्वारा संचालित मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु जनपद लखनऊ को बैंक वित्त पोषण के लिए इकाई-04 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस योजना का उद्देश्य मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कारीगरों एवं शिल्पियों के आर्थिक विकास को सुदृढ़ करना है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत पात्र अभ्यर्थियों को बैंकों के माध्यम से अधिकतम 10 लाख रुपए तक का ऋण स्वीकृत एवं वितरित किया जाएगा। साथ ही, विभाग द्वारा स्वीकृत कुल प्रोजेक्ट लागत पर पूंजीगत ऋण का 25 प्रतिशत अनुदान के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा। अभ्यर्थियों की आयु 18 वर्ष से अधिक होना आवश्यक है। इच्छुक माटी कला/शिल्पकारी अभ्यर्थी अपना आवेदन ऑनलाइन पोर्टल upmatikalaboard.in के माध्यम से कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने के उपरांत आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी के साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, अनापत्ति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड की प्रति एवं बैंक पासबुक आदि अभिलेख संलग्न कर 25 मई, 2025 तक जिला ग्रामोद्योग अधिकारी कार्यालय, 8 कैंट रोड, लखनऊ में जमा करना अनिवार्य है। जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि योजना से जुड़ी विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड, लखनऊ कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही मोबाइल नंबर 9580 503141 पर संपर्क कर जानकारी ली जा सकती है।

किसी के पास डबल काम तो कोई बैठा खाली तीन साल से नहीं है स्थाई डीजीपी

लखनऊ, चसं। योगी सरकार में यूपी को पुलिस का स्थाई मुखिया पिछले 3 साल से नहीं मिल पा रहा है। कई ऐसे अहम पद हैं, जिनपर स्थायी तैनाती नहीं हो पा रही है। सरकार को कुछ अफ्सरों की काबिलियत पर शक है तो कुछ पर भरोसा नहीं है। वजह है कि कुछ पुलिस अधिकारियों पर काम का एक्स्ट्रा भार है। यूपी पुलिस 3 साल से कार्यवाहक मुखिया के भरोसे चल रही है। इंटेलिजेंस के आखिरी डीजी व पूर्व कार्यवाहक डीजीपी देवेंद्र सिंह चौहान 2023 में रिटायर हुए थे। यह पद लंबे समय से किसी के पास नहीं है। इंटेलिजेंस को स्थायी डीजी का इंतजार है। सीएम योगी के विश्वसनीय अफ्सरों में मौजूदा डीजीपी प्रशांत कुमार पर भी अतिरिक्त भार है। वर्तमान में आर्थिक अपराध शाखा की भी जिम्मेदारी संभाले हैं। राजीव कृष्णा के पास भर्ती बोर्ड और विजिलेंस दोनों है। दिपेश जुनेजा अभियोजन और सीआईडी दोनों यूनिट देख रहे हैं। नीरा रावत के पास एडीजी यूपी- 112 के साथ एडीजी प्रशासन की जिम्मेदारी है।एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश के पास एसटीएफकी भी जिम्मेदारी है।लखनऊ रेंज में तैनात प्रशांत कुमार द्वितीय को आईजी से एडीजी पद पर प्रमोशन मिले 4 महीने हो गए, लेकिन अभी आईजी रेंज की कुर्सी संभाल रहे हैं। पहले पूरे जोन में एक आईजी रैंक का अधिकारी होता था, जिसमें कमिश्नरेट शामिल था। उसी व्यवस्था को संभालने के लिए तीन-तीन एडीजी रैंक के अफ्सर लगे हैं। महाकुंभ मेले में तैनात रहे डीआईजी वैभव कृष्ण को नई जिम्मेदारी मिलनी है। एसपी मुजफ्फरनगर अभिषेक को नई तैनाती चाहिए। प्रयागराज में तैनात अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अजय पाल शर्मा प्रयागराज से निकलना चाहते हैं। लखनऊ के अलावा इसी महीने बरेली रेंज भी खाली हो रही है। आईजी डॉ. राकेश सिंह 30 अप्रैल को रिटायर हो रहे हैं। उनकी जगह पर नई तैनाती होनी है। मुरादाबाद और सहारनपुर में भी लंबे समय से बदलाव का इंतजार है।

अखिलेश बोले, बुलडोजर बेदम या सरकार की रजामंदी

लखनऊ, चसं। समाजवादी पार्टी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अब क्या बुलडोजर का दम बेदम हो गया है या उत्तर प्रदेश की सरकार नेअराजकता के आगे समर्पण कर दिया है या फ्रि ये सब उत्तर प्रदेश सरकार की रजामंदी से हो रहा है। ज्ञातव्य है कि सपा सांसद रामजीलाल सुमन के काफिले के गुजरने के वक्त 27 अप्रैल को जो कुछ हुआ। उसमें प्रथम दृष्टया हल्का प्रभारी दरोगा-बीट सिपाही को निलंबित कर दिया गया है। एसएचओ गभाना के खिलाफविभागीय जांच शुरू कर दी है। एसपी सिटी को पुलिस लापरवाही की जांच सौंपी गई है, जो ये इनपुट जुटाएंगे कि आखिर यह सब हो गया और चौकी से लेकर थाने तक किसी को भनक नहीं लगी।राज शेखावत ने वीडियो में कहा, क्यों भाई रामजीलाल सुमन, मजा आया? जब तक तोड़ेंगे नहीं, तब तक छोड़ेंगे नहीं, ये सुनिश्चित है।उन्होंने लिखा, श्हमारे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा की अध्यक्षता में, योद्धाओं द्वारा गभाना टोल पर रामजीलाल सुमन को घेरते हुए आक्रामक प्रहार किया गया।दुर्भाग्यवश, कड़ी सुरक्षा के चलते वह फ्रि से बच निकला।योद्धाओं सुनो, ये हमले तब तक जारी रहेंगे, जब तक इस निर्लज्ज की हड्डी तोड़ कुटाई न हो जाए। क्षत्रिय करणी सेना इस आक्रमण की पूरी जिम्मेदारी लेती है,इंकलाब जिंदाबाद।ओकेंद्र राणा की ओर से जारी किए गए वीडियो में कहा गया है कि कुछ मिनट पहले ही हमें पता चला कि रामजी लाल सुमन निकलने वाले हैं।

सूचना निदेशक से मिला पत्रकार एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल

पत्रकारों की समस्याओं से सूचना निदेशक को अवगत कराया व 12 सूत्री मांग पत्र भी दिया

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा आज अध्यक्ष पंडित हरिओम शर्मा हरि के नेतृत्व में नवनियुक्त सूचना निदेशक विशाल सिंह आईवएवएसव का हार्दिक स्वागत अभिनंदन किया गया साथ ही लखनऊ स्थित सूचना निदेशालय में पदभार ग्रहण करने पर उन्हें बधाई दी।एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष पंडित हरिओम शर्मा के साथ चेयरमैन अजीज सिद्दीकी, महामंत्री अब्दुल वहीद, सचिव जुबेर अहमद, प्रवक्ता संजय गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य तौसीफ हुसैन,मो आदिल आदि ने सूचना निदेशक के कार्यालय में पहुंचकर उन्हें अंग वस्त्र पहनाकर पुष्प गुच्छ भेंट किया।

इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं से सूचना निदेशक को अवगत भी कराया एवं उन्हें 12 सूत्रीय मांग पत्र भी दिया।जिस पर निदेशक महोदय ने पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु हर संभव प्रयास का आश्वासन दिया। सूचना निदेशक विशाल सिंह से मुलाकात के उपरांत एसोसिएशन के महामंत्री अब्दुल वहीद ने एक अनौपचारिक वार्ता में कहा कि सूचना निदेशक विशाल सिंह से यह मुलाकात एक यादगार लम्हा है वह बहुत ही सरल,सहज,सौम्य और उच्च विचारों के मालिक हैं वह आत्मीयता से हम सब से मिले और पत्रकारों की समस्याओं के निराकरण का हरसंभव आश्वासन दिया। श्री वहीद ने विश्वास व्यक्त किया कि विशाल सिंह जी के मार्गदर्शन में प्रदेश का सूचना निदेशालय नई ऊंचाइयों को छुएगा और पत्रकारों की समस्याओं का निराकरण अवश्य होगा। इस मौके पर संस्था के सचिव जुबैर अहमद ने कहा कि उ0प्र0 जिला मान्यताप्राप्त पत्रकार एसोसिएशन मान्यता प्राप्त पत्रकारों का प्रदेश स्तरीय पंजीकृत संगठन है। जो पूर्ण सक्षमता एवं जिम्मेदारी से मान्यताप्राप्त पत्रकारों का नेतृत्व कर रहा है। संगठन का मूल उद्देश्य शासन, जनता एवं पत्रकारों के मध्य सामंजस्य स्थापित कर समस्याओं का निराकरण कराना है तथा उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों और उपलब्धियों को प्राथमिकता के आधार पर जन जन तक पहुंचाना है। उ0प्र0 जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन पत्रकारों की कुछ मूलभूत समस्याओं के प्रति सूचना निदेशक का ध्यान आकर्षित कराकर उसके निराकरण की मांग की। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन अजीज सिद्दीकी ने कहा कि समस्याओं के निराकरण कराये जाने से पत्रकारों एवं उ0प्र0 सरकार के मध्य विश्वास का नया अध्याय स्थापित होगा। पत्रकारों की 12 सूत्रीय मांगों में प्रमुख रूप से ये मांगे है जैसे अन्य प्रदेशों की भांति मान्यता प्राप्त पत्रकारों की बीमा एवं पेंशन योजना लागू की जाए। मान्यता प्राप्त पत्रकारों की भांति उनके आश्रितों को भी एसजीपीजीआई में निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराई जाये। साथ ही एसजीपीजीआई से अनुबंध के अनुसार समय से इलाज हेतु पैसा अस्पताल में भेजा जाए।मान्यताप्राप्त पत्रकार की आकस्मिक मृत्यु पर उनके आश्रितों को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से 20 लाख रूपये आर्थिक सहायता प्रदान करने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।पूर्व के अनुसार मान्यता प्राप्त पत्रकार की आकस्मिक मौत पर मानवीय दृष्टिकोण से सूचना विभाग के किसी प्रतिनिधि को उसके घर भेजकर शोक संवेदना प्रकट किए जाने की परंपरा बनाई जाए। मान्यता प्राप्त पत्रकारों पर हमला,उत्पीड़न करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु संबंधित अधिकारियों को पत्र जारी किया जाए। विभाग में बढ़ती फर्जी,बेनामी शिकायती पत्रों को देखते हुए शिकायतकर्ता से शिकायत के संबंध में शपथपत्र मांगा जाए।उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों के संबंध में सजावटी विज्ञापनों को पूर्व की भांति विभाग से ही जारी कराए जाने हेतु निर्देश जारी किया जाए।समाचार पत्रों के बिलों का भुगतान तय समय में किए जाने हेतु एजेंसियों को निर्देश जारी किया जाए।समाचार पत्रों के साथ फ्राड करके भागने वाली विभिन्न विज्ञापन एजेंसियों से वसूली करके समाचार पत्रों को भुगतान किया जाए।

राज्य मुख्यालय के मान्यता प्राप्त पत्रकारों की भांति जिले के मान्यता प्राप्त पत्रकारों के मान्यता कार्ड दो वर्ष के लिए जारी किया जाए साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें भी प्लास्टिक कार्ड जारी किया जाए। लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों के उत्थान एवं पुर्नस्थापित करने हेतु दैनिक समाचार पत्रों को महीने में कम से कम 6 पृष्ठ एवं साप्ताहिक,मासिक पत्र पत्रिका को को माह में कम से कम 4 पृष्ठ विज्ञापन जारी किया जाए।विभागीय विज्ञापन नियमावली को संशोधित करते हुए सूचीबद्ध समाचार पत्रों को प्रदान किए जाने वाले विज्ञापन की विभागीय दरें बढ़ाई जाए।

यूपी सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को चुन-चुन कर किया बाहर

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आए पाकिस्तानी नागरिकों को पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के निर्देश पर देश से बाहर कर दिया गया है। सोमवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी।

बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश और पल-पल निगरानी का नतीजा है कि पूरे देश में उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जहां 24 घंटे के अंदर, प्रदेश में रह रहे लगभग सभी पाकिस्तानी नागरिकों को बाहर कर दिया गया है। बयान के अनुसार अंतिम एक पाकिस्तानी नागरिक को बुधवार को वापस भेज दिया जाएगा। पुलिस विभाग और खुफ्यिा एजेंसी द्वारा लगातार उस पर नजर रखी जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से यह सुनिश्चित करने को कहा था कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक निर्धारित समयसीमा से अधिक समय

• केन्द्र के निर्देश पर योगी ने संभाली थी कमान

देश में न रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिलों में अल्पकालिक वीजा पर रह रहे लगभग सभी पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि एलटीवी (दीर्घकालिक वीजा) के सम्बन्ध में मुख्यालय द्वारा निर्देश दिये गये हैं कि जो पाकिस्तानी नागरिक जिले में एलटीवी पर हैं, वे ही यहां रह सकेंगे। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। बयान के मुताबिक, केंद्र सरकार के निर्देश के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग समेत अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। योगी ने बैठक में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि प्रदेश में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल प्रदेश से बाहर करने के साथ उन्हें उनके देश रवाना किया जाए। इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये थे कि पाकिस्तानी नागरिक वापस अपने देश ही जाएं, इसके लिए उनके साथ पुलिस दल को भेजा जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपने वतन लौट गये हैं। योगी के निर्देश के बाद प्रदेश के सभी 75 जिलों को अलर्ट करते हुए कार्रवाई के निर्देश दिये गये। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार के हवाले से बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे प्रदेश के 75 जिलों में पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हे वापस भेजने की व्यवस्था की गयी। डीजीपी ने बताया कि प्रदेश में रह रहे शत-प्रतिशत पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी नागरिकों की वतन वापसी को पुख्ता करने के लिए विभिन्न जिलों से पाकिस्तानी नागरिकों के साथ स्थानीय पुलिस दल को भी भेजा गया। डीजीपी ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में केवल एक पाकिस्तानी नागरिक रह रहा है, जिसे 30 अप्रैल को वापस भेज दिया जाएगा।

फैजुल्लागंज में भीषण आग, सिलेंडर ब्लास्ट से 62 झुग्गी-झोपड़ियां स्वाहा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में फैजुल्लागंज के श्याम विहार कॉलोनी के पास सोमवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। इससे 62 से अधिक झुग्गी-झोपड़ियों जलकर राख हो गई। बताया गया कि आग गैस सिलेंडरों में धमाके के बाद लगी।

सूचना मिलते ही मौके पर 7 दमकल गाड़ियां पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। चीफ फायर ऑफिसर (सीएफओ) मंगेश कुमार ने बताया कि सुबह 08.48 बजे फायर स्टेशन बक्शी का तालाब को एमडीटी के माध्यम से आग की सूचना मिली। जानकारी मिलते ही फायर यूनिट्स तत्काल मौके के लिए रवाना हो गई। उन्होंने बताया आग की भयावहता को देखते हुए चौक, इंदिरानगर, गोमतीनगर, आलमबाग और हजरतगंज फायर स्टेशनों से भी फायर टैंकर, वाटर बाउजर और आर्टिकुलेटिंग टावर मौके पर बुलाए गए। आग बुझा दी गई है। सीएफओ ने बताया इस हादसे में मोहम्मद दानिश, साबुर अली, नूर मोहम्मद, मोहम्मद रहीम अली, चांद मोहम्मद, रफीकुल अली, रफीक मियां, लालचंद मियां, फूलचंद अली, अमरचंद अली समेत करीब 50 झुग्गीवासियों के घर और घरेलू सामान पूरी तरह जलकर राख हो गए। उन्होंने बताया पास में स्थित हरिराम के मकान की दीवारें भी चटक गई और छत पर लगे सोलर पैनल क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। फैजुल्लागंज कच्ची बस्ती में रहने वाली महिला ने बताया- अचानक आग लगी। घर से सामान निकालने का भी मौका नहीं मिला। किसी तरह बच्चों को लेकर बाहर की ओर भागी। सारा सामान जल गया। एक अन्य महिला ने बताया कि पति और बच्चे काम कर चले गए थे। इसलिए सामान भी नहीं निकाल पाए। आग बुझने के बाद लोग अपना कीमती सामान खोजते नजर आए।

यूपी बोर्ड रिजल्ट : रामाधीन सिंह इंटर कॉलेज के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। यूपी बोर्ड के नतीजे आ चुके है राजधानी लखनऊ में आईटी चौराहे पर स्थित रामाधीन सिंह इंटर कॉलेज के छात्र और छात्राओं ने बड़ी संख्या में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण किया वहीं विद्यालय का हाईस्कूल का रिजल्ट 97 प्रतिशत रहा। मेधावी छात्रों को सम्मानित करने के लिए छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमे मेधावी छात्रों ने प्रतिभाग किया छात्रों को उप प्रधानाचार्य राजीव गुप्ता द्वारा माला पहनाकर सम्मान किया गया और मिठाई खिलाकर बधाई दी उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विद्यालय के उप प्रधानाचार्य राजीव गुप्ता ने बताया कि पिछले कई वर्षो से विद्यालय का परिणाम 95त्न से अधिक रहा है सरकारी स्कूलों में इतना अच्छा परिणाम विद्यालय के शिक्षकों की मेहनत की ओर इंगित करता है। रामाधीन सिंह इंटर कॉलेज अपने स्तरीय पढ़ाई और अनुशासन के लिए शहर में जाना जाता है। स्कूल में लगभग 1500 छात्रों की संख्या है विद्यालय के शिक्षक पूरी मेहनत से छात्रों को पढ़ाते हैं जिनकी बदौलत विद्यालय दिन प्रतिदिन अपने रिकॉर्ड बनाते जा रहा है। कार्यक्रम में प्रवक्ता राघवेंद्र सिंह,संध्या शर्मा, माया टुन्नु, रचना, इंकलेस कुमार, ज्ञानोदय कुमार, विप्लव चौधरी, राजीव तिवारी, राम लाल,मनोज कुमार, विकास सिंह, आलोक कुमार, अजय गुप्ता, भगवती सिंह सागर, धीरेन्द्र शर्मा किरन सिंह, डॉ अनीता वर्मा मौजूद रहे।

विपक्ष के पास न कोई ऐंजेंडा है, न विजन: धर्मपाल सिंह

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। बीजेपी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने प्रतापगढ़ में अनुसूचित जाति संवाद कार्यक्रम में कहा कि विपक्ष झूठ और भ्रम फैलाने की राजनीति कर रहा है। जाति व वर्ग के नाम पर समाज में वैमनस्यता फैला रहा है। हमें लोगों के बीच में जाकर विपक्ष के द्वारा फैलाए जा रहे झूठ और भ्रम को समाप्त करना है तथा लोगों को भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा से जोड़ना है।

प्रत्येक पूर्व पदाधिकारी को संगठन के कार्यो से जोड़ना है। प्रत्येक कार्यकर्ता की संगठनात्मक कार्यों में भूमिका सुनिश्चित करते हुए कार्ययोजना तैयार करना है। भाजपा के अनुशासित व परिश्रमी कार्यकर्ताओं के बल पर भाजपा का विजय परचम पूरे देश में फ्हरा रहा है। धर्मपाल सिंह प्रतापगढ़ के जिला कार्यालय में आज पार्टी पदाधिकारियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने पार्टी के पूर्व, निवर्तमान, वर्तमान मंडल अध्यक्षों की बैठक को संबोधित किया। जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह उन विधानसभाओं के मंडल अध्यक्षों व शक्तिकेन्द्र संयोजकों के साथ बैठक कर रहे है जहां पिछले चुनाव में भाजपा को अपेक्षित सफ्लता नही मिली। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की केन्द्र सरकार में अनुसूचित जाति के मंत्रियों की संख्या बड़ी है। भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में भी अनुसूचित जाति

• बाबा साहेब के सपने का भारत बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे मोदी

का प्रतिनिधित्व प्रमुखता से निर्धारित है। भाजपा सरकार आरक्षण सहित अनुसूचित जाति वर्ग के अधिकारों के पक्ष में मजबूती के साथ है। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की स्मृति से जुडेघ् स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहेब के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए सच्चे अर्थो में श्रद्धांजलि अर्पित की है और बाबा साहेब के स्पप्न का भारत बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे है। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 के रहते अनुसूचित जाति का आरक्षण लागू नही था। मोदी के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 समाप्त होने के साथ अनुसूचित जाति को उनका अधिकार मिला है। अब तक जम्मू कश्मीर में एससी वर्ग को आरक्षण न मिलने की गुनहगार कांग्रेस है। कांग्रेस व सपा ने हमेशा अनुसूचित जाति को ठगने का और छलने का काम किया। डॉ भीमराव अम्बेडकर का विरोध करने वाली कांग्रेस और उनका अपमान करने वाली सपा का सच लेकर हमें अनुसूचित जाति वर्ग के बीच पहुंचकर चर्चा करना है। मुस्लिम तुष्टीकरण वाली सपा व कांग्रेस शासन में मां, बहन, बेटियां असुरक्षित थी। गुण्डों, शौहदों, माफ्यिाओं को सपा सरकार में सरकारी संरक्षण प्राप्त था।

हौसले की उड़ान खेती किसानी और दान

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। गांव कनेरी की गौशाला में उमाशंकर पुत्र श्री रामनारायण ग्राम सोनहरा पोस्ट बछरावां जिला रायबरेली तेरह कुंतल भूसा दो कुंतल आटा गायों के भोजन हेतु दान किया है।

गौ आश्रय केंद्र कनेरी विकासखंड मोहनलालगंज में उमाशंकर जो कि ग्राम सुनहरा के रहने वाले हैं पैरों से विकलांग है इसके बावजूद कृषि कार्य व परचून की दुकान चलाते हैं। भागवत पुराण और शिव पुराण में उल्लेखित गौ सेवा के भाव को सुनकर उनके मन में इच्छा जागृत हुई कि उनके खेत में जो भी भूसा या हरा चारा उगेगा उसे वह प्रत्येक वर्ष गायों के भोजन के लिए दान करेंगे।

जाड़े के मौसम में एक खेत में हरा चारा बोकर और विभिन्न गौशालाओं में उसे दान करते हैं। पैरों से विकलांग होने के बावजूद हौसले की उड़ान और प्रबल इच्छा शक्ति के बल पर उमाशंकर और अन्य युवकों के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। जाड़े में भी हरा चारा उमाशंकर के द्वारा गौशाला को दान में दिया गया था इसकी जानकारी जब ग्राम प्रधान कनेरी बृजेश मौर्य को हुई तो इस बार उन्होंने उमाशंकर से मिलकर उनसे इस हेतु का कारण जानने का प्रयास किया। भयंकर धूप में जहां गौशाला में पानी की कमी और भूसे की कमी अक्सर हम लोग खबरों में देखतेऔर पढ़ते हैं और मन द्रवित होता है परंतु उमाशंकर की यह पहल वाकई अन्य किसानों के लिए प्रेरणा स्रोत है यदि सभी किसान छोटा लालच ना करके अपने खेत में निकला हुआ भूसा गौशाला में दान करें तो गौ माता तथा अन्य जानवरों के लिए तो हितकर होगा ही समाज के लिए एक प्रेरणा का कार्य भी सिद्ध होगा।

शिक्षिका और समाज सेविका रीना त्रिपाठी ने उमाशंकर जैसे युवाओं को समाज के विभिन्न आयोजनों में सम्मानित करने को कहा क्योंकि निस्वार्थ भाव से गायों की सेवा करना जहां हमारे पौराणिक वर्णित है वही हिंदू धर्म में गौ माता का विशेष महत्व है और उनकी सेवा में किया गया प्रत्येक कार्य परलोक सुधारने के लिए कारगर सिद्ध होता है।

आज के युवा में जहां एक ओर समाज सेवा या दान की प्रवृत्ति कम होती जा रही है वहीं अक्षम होने के बावजूद अपनी ट्राई साइकिल से विभिन्न गौशालाओं का भ्रमण करके उमाशंकर जैसे युवाओं का यह दान वाकई समाज को प्रेरणा देने का काम करता है।

ऐसे युवा भारत माता के सच्चे सपूत और हिंदू धर्म के रक्षक हैं।

रामजीलाल के काफिले पर हमला, पुलिस की लापरवाही का नतीजा

लखनऊ, चसं। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन के काफिले के गुजरने के वक्त 27 अप्रैल को जो कुछ हुआ। उसमें प्रथम दृष्टया हल्का प्रभारी दरोगा-बीट सिपाही को निलंबित कर दिया गया। एसएचओ गभाना के खिलाफ जांच शुरू है। एसपी सिटी को पुलिस लापरवाही की जांच सौंपी गई है, जो ये इनपुट जुटाएंगे कि आखिर यह सब हो गया और चौकी से लेकर थाने तक किसी को भनक नहीं लगी। सोमना मोड़ पर एकत्रित लोगों के विषय में किसी को जानकारी नहीं हुई। उसके बाद अन्य कई लोगों पर गाज गिर सकती है।एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक के मुताबिक मामले में हल्का दरोगा एसआई आलोक शर्मा व बीट सिपाही को निलंबित कर दिया गया है। एसएचओ के खिलाफजांच शुरू कर दी है, जिसमें लापरवाही, इनपुट न मिलने व पहले से कार्यक्रम तय होने के बावजूद गभाना टोल के आसपास के इलाकों में पुलिस सक्रिय न होने के सवालों पर जांच होगी।

एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर भाजपा ने व्यापारी संगोष्ठी आयोजित की

लखनऊ, चसं। एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर भाजपा जिला लखनऊ ने गोमतीनगर विस्तार में एक व्यापारी संगोष्ठी का आयोजन किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया और पहलगाम हमले के शहीदों को मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री शिव भूषण सिंह ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव का प्रस्ताव लगातार आगे बढ़ रहा है और एक दिन यह कानून का रुप धारण कर लेगा। राष्ट्रीय हित में इस प्रावधान के आ जाने से व्यापारी वर्ग को बड़ा फायदा होगा। बार बार चुनाव की अधिसूचना जारी होने से सबसे बड़ा नुकसान व्यापारियों का होता है और आमजन भी प्रभावित होते हैं। भाजपा इसको व्यापक जन आंदोलन बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियों का आयोजन कर रही है। बार बार चुनाव होने से ही लगातार मत प्रतिशत गिरता जा रहा है और लोग इस प्रणाली से ऊब चुके हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव होने से प्रशासनिक खर्च कम किए जा सकते हैं और राजनीतिक स्थिरता भी कायम की जा सकती है। संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि विनय प्रताप सिंह निवर्तमान जिलाध्यक्ष लखनऊ भाजपा ने कहा कि इंदिरा गांधी ने विधानसभा और लोकसभा चुनावों को अलग-अलग करवा कर एक गलत परम्परा को जन्म दे दिया था।

भाजपा इस गैरजरूरी परम्परा को समाप्त कर एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर मुहिम चला रही है। संयोजक अधिवक्ता व भाजपा नेता बीके ओझा ने कहा कि बार बार चुनाव होने से सबसे ज्यादा बोझ व्यापारी पर पड़ता है। यदि वन नेशन वन इलेक्शन होने लगे तो एक बार में चुनाव प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कांग्रेस की गलतियों को सुधारने के लिए हम सभी को एकजुट होकर इसका प्रचार प्रसार करना होगा। व्यापारी संगोष्ठी में चिनहट मण्डल अध्यक्ष अक्षय मौर्य, रणविजय सिंह वरिष्ठ भाजपा नेता, डाली सिंह कैलाशा, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष, सचित्र यादव जिला कार्यालय प्रभारी के अलावा बड़ी संख्या में व्यापारी नेता तथा क्षेत्रीय निवासी मौजूद रहें।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विधुत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

1	ई–निविदा सूचना सं.	1161-वरिष्ठ मंडल विधुत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ, दिनांक 26.04.2025
2	कार्य का नाम	ITITM - लखनऊ में विद्युत सुविधाओं के व्यापक वार्षिक अनुरक्षण, संचालन और मरम्मत का तीन वर्षों के लिए अनुबंध।
3	अनुमानित लागत	रु. 1,36,26,630/- (एक करोड़ छत्तीस लाख छब्बीस हजार छह सौ तीस रुपये मात्र)
4	ई निविदा की कीमत	शून्य
5	बयाना राशि	रु. 2,18,100/- (दो लाख अठारह हजार एक सौ रुपये मात्र)
6	कार्य पूर्ण करने की अवधि	36 माह
7	ई–निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 20.05.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:30 बजे वरिष्ठ मंडल विधुत अभियंता/सा., उत्तर रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
8	प्रस्ताव की वैधता	ई–निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन
9	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर चेक की जा सकती है।

सूचना सं. 1161–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता–उत्तर रेलवे–लखनऊ, दिनांक 26.04.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1245/25

अगर संघर्ष न रहे, किसी भी भय का सामना न करना पड़े, तब जीवन का आधा स्वाद ही समाप्त हो जाता है। याद रखें- अन्याय सहना और गलत के साथ समझौता करना सबसे बड़ा अपराध है : सुभाषचंद्र बोस

संपादकीय

पाकिस्तान को सबक सिखाना होगा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीजा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूंबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है? पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घूंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निर्दोषों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसूरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे।

कश्मीर में पर्यटन पर आतंकी आघात

निस्संदेह अब कश्मीर सहित पूरे देश की निगाहें सरकार के द्वारा पहलगाम पर हुए आतंकी हमले के पर्यटन संबंधी दुष्परिणामों को दूर करने और पाकिस्तान और आतंकियों का दुस्साहस तोडऩे की ऐसी रणनीति पर लगी हुई है, जिससे फिर से कश्मीर सहित पूरे देश में पर्यटन की निराशायुक्त काली छाया को पर्यटन की नई आशाओं में बदला जा सके। इस बात को ध्यान में रखा जाना होगा कि कश्मीर में फिर से पर्यटकों की बहार के दम पर ही भारत में वर्ष 2030 तक विदेशी पर्यटकों से 56 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2047 तक भारत को एक लाख करोड़ डॉलर की पर्यटन अर्थव्यवस्था बनाने की डगर पर तेजी से आगे कदम बढ़ाए जा सकेंगे।

यकीनन 22 अप्रैल को कश्मीर की सबसे खूबसूरत वादियों में से एक और भारत का स्विटजरलैंड कहे जाने वाले पहलगाम में 26 पर्यटकों को क्रूरतापूर्वक मारे जाने के आतंकी हमले ने जम्मू-कश्मीर में उभरते हुए पर्यटन क्षेत्र को करारा झटका दिया है। साथ ही इस हमले ने कश्मीर में पर्यटन से जुड़े लाखों कश्मीरियों के जीवन में निराशा की काली चादर ढंक दी है। कश्मीर में लगभग 5 लाख लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन उद्योग-कारोबार में रोजगार मिला हुआ है। इनमें से अधिकांश के लिए टैक्सी सर्विस, होटल, गाइड, हस्तशिल्प और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियां जीविका का साधन है। अब इस आतंकी हमले के बाद कश्मीर में रिकार्ड तोड़ती पर्यटकों की संख्या दम तोड़ते हुए दिखाई दे रही है। बड़ी संख्या में पर्यटक अपनी होटल व फ्लाइट बुकिंग कैंसिल करा रहे है। इसका सीधा असर स्थानीय कश्मीरी लोगों और वहां के पर्यटन उद्योग और कारोबार पर दिखाई देने लगा है।

गौरतलब है कि 1990 के दशक में जब कश्मीर में आतंकवाद ऊंचाई पर था और जब कश्मीरी पंडित कश्मीर छोड़कर जा रहे थे, तब कश्मीर में पर्यटकों की संख्या नगण्य हो गई थी, लेकिन कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और विधानसभा चुनाव के बाद कश्मीर को सुरक्षित माने जाने से कश्मीर में देश और दुनिया के पर्यटकों के कदम तेजी से बढऩे लगे। पर्यटन की ताकत के दम पर जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ने लगी। वर्ष 2024-25 में कश्मीर की विकास दर 7 फीसदी से अधिक रही है। साथ ही कश्मीर का सकल घरेलू उत्पाद (एसजीडीपी) करीब 2.65 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। यहां के लोगों की प्रति व्यक्ति आय भी करीब 11 फीसदी बढ़कर डेढ़ लाख रुपए से अधिक हो गई है। बेरोजगारी दर भी घटी है। यदि हम पर्यटकों की संख्या देखें तो यह वर्ष 2020 में करीब 34 लाख थी। वर्ष 2023 में जम्मू और कश्मीर में 2.11 करोड़ पर्यटक पहुंचे थे। यह संख्या वर्ष 2024 में बढ़कर 2.36 करोड़ पहुंच गई, जो एक रिकार्ड है। यह बात महत्वपूर्ण है कि इस समय कश्मीर के पर्यटन उद्योग का आकार लगभग 12 हजार करोड़ रुपए का है। कश्मीर में आर्थिक गतिविधियों के दायरे में वृद्धि होने से जम्मू-कश्मीर की आर्थिकी में सेवा क्षेत्र का योगदान करीब 61 फीसदी हो गया है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह करीब 55 फीसदी ही है। कश्मीर में गैर कर राजस्व (एनटीआर) में पर्यटन क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढ़कर 25 फीसदी से अधिक हो गई है। लेकिन अब इस आतंकी हमले ने कश्मीर के पर्यटन पर ब्रेक लगा दिया है। पहलगाम आतंकी हमले ने वर्ष 2019 में कश्मीर के पुलवामा में हुए आत्मघाती आतंकी हमले की याद दिला दी है, जिसके कारण कश्मीर में पर्यटन को बड़ा झटका लगा था और 2019 में कश्मीर में आने वाले पर्यटकों की संख्या घटकर आधी रह गई थी।

उल्लेखनीय है कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला कश्मीर पर कई आर्थिक चुनौतियां लेकर आया है। कश्मीर का बढ़ता हुआ पर्यटन उद्योग कश्मीर की नई आर्थिक शक्ति है। यदि हम एक दशक पहले के कश्मीर की आर्थिकी को देखें तो पाते हैं कि कश्मीर की आर्थिकी में केंद्र सरकार के द्वारा दिए गए संसाधनों की अधिक भूमिका रही है। जम्मू-कश्मीर के अधिकांश लोग जीवन निर्वाह के लिए परंपरागत कृषि कार्य में लगे हुए दिखाई देते हैं। लेकिन उनकी कृषि में परंपरागत साधनों का ही उपयोग किया जाता रहा है। यद्यपि कश्मीरी लोग चावल, मक्का, गेहूं, जौ, दालें, तिलहन तथा तम्बाकू आदि उत्पादित करते हैं। साथ ही कश्मीर में बड़े-बड़े बागों में सेब, नाशपाती, आड़ू, शहतूत, अखरोट और बादाम उगाए जाते है, लेकिन इन सबकी उत्पादकता बहुत कम है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर में देशी और विदेशी पर्यटकों के बढऩे का परिणाम यह रहा है कि जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में सुधार होने लगा है। कश्मीर के हस्तशिल्प और छोटे उद्योगों का विकास दिखाई देने लगा है। जम्मू-कश्मीर के प्रमुख हस्तशिल्प उत्पादों में कागज़ की लुगदी से बनी वस्तुएं, लकड़ी पर नक्काशी, कालीन, शॉल और कशीदाकारी का सामान आदि शामिल हैं। कश्मीर के प्रसिद्ध पश्मीना का उत्पादन यहीं पाली जाने वाली बकरियों से होता है। रेशम पालन भी कश्मीर में बहुत प्रचलित है। हस्तशिल्प उद्योग से काफी मात्रा में विदेशी मुद्रा अर्जित होती है। इसके साथ ही परिशुद्धता की जांच करने वाले उपकरण, धातु के बरतन, खेल का सामान, फर्नीचर, माचिस और राल व तारपीन जम्मू-कश्मीर के मुख्य औद्योगिक उत्पादन है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद देश के अन्य क्षेत्रों से इन छोटे उद्योगों एवं हस्तशिल्प क्षेत्र में नई पूंजी प्राप्त होने से ये उद्योग आगे बढऩे लगे हैं। इसका फायदा यहां के लोगों को सीधे तौर पर रोजगार के अवसर के रूप में मिलने लगा है। ऐसे में कश्मीर से अपने घर को छोड़कर दूसरे राज्यों में नौकरी के लिए जाने वाले युवाओं की संख्या में कमी आने लगी है। कश्मीरी लोगों की प्रति व्यक्ति आय में इजाफा होने के साथ-साथ जीवनस्तर में सुधार होने लगा है। नया देशी-विदेशी निवेश आने से बुनियादी ढांचे, शिक्षा सुविधाओं तथा स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा होने के साथ जम्मू-कश्मीर में आर्थिक-सामाजिक खुशहाली बढऩे लगी है। कश्मीर में प्रॉपर्टी के दामों में उछाल का लाभ जम्मू-कश्मीर के लोगों को मिलने लगा है। ऐसे में पहलगाम में आतंकी हमला न केवल कश्मीर के पर्यटन उद्योग की रीढ़ तोड़ते हुए दिखाई दे रहा है, वरन् इससे पूरे देश में पर्यटन उद्योग और बढ़ते विदेशी पर्यटकों की संख्या पर भी असर पड़ सकता है। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीसी) के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था का लगभग सात प्रतिशत हिस्सा पर्यटक क्षेत्र से आता है। भारत में पर्यटन उद्योग का आकार वर्ष 2024 में लगभग 256 अरब डॉलर रहा है। पर्यटन उद्योग भारत में करीब 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। तेजी से बढ़ता भारत का पर्यटन उद्योग अगले 10 वर्षों में 523 अरब डॉलर का हो सकता है। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पहलगाम में आतंकी हमले से निर्मित चुनौती का प्रतिकार करते हुए आतंकियों व पाकिस्तान को ऐसा सबक देगी, जिससे भविष्य में वे ऐसा दुस्साहस नहीं कर पाए। सरकार के द्वारा पाकिस्तान सहित दुनिया को यह संदेश भी दिया जाए कि भारत अब साफ्ट स्टेट नहीं रहा, वह वैचारिक स्तर पर भी आतंक को समूल खत्म करने की डगर पर आगे बढ़ रहा है। :: एजेंसी

भारत-पाक के बीच दो अंतरराष्ट्रीय संधियों के निलंबन की कहानी

शायद यह समय निकट अतीत का सबसे बुरा दौर है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 लोग मारे गये, जो 2000 के बाद से पिछले 25 सालों में सबसे भयानक घटना है। दुनिया ने इसे आतंकवाद की कार्रवाई कहा। इस आतंकी हमले में पाकिस्तान के शामिल होने के प्रथम दृष्टया सुबूतों के आधार पर भारत ने पाकिस्तान के खिलाफतुरंत पांच सख्त कदम उठाये। इनमें से एक 1960 की सिंधु जल संधि का निलंबन था। पाकिस्तान ने इसे युद्ध की कार्रवाई कहा और फि़र 1972 के शिमला समझौते को निलंबित कर दिया, जो शांति का निलंबन है। संयुक्त राष्ट्र ने अधिकतम संयम का आह्वान किया है। कहानी अभी भी चल रही है और कोई नहीजानता कि यह किस ओर मुड़ेगी। अपनी शुरुआती प्रतिक्रिया में पाकिस्तान ने बुधवार को कहा कि वह 22 अप्रैल मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में पर्यटकों की जान जाने से चिंतित है। तब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफने दावा किया कि इस घटना से देश का कोई लेना-देना नहीं है।

भारतीय अधिकारी, हालांकि, पाकिस्तान के इनकार से संतुष्ट नहीं थे। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक दल ने पहलगाम के आतंकवादियों को स्वतंत्रता सेनानी कहा। यहां तक कि पाकिस्तान ने जम्मू और कश्मीर में भारत-पाक सीमा पर गोलीबारी का सहारा लिया, जिसका भारतीय बलों ने तुरंत जवाब दिया। यह कहानी अशुभ दिशा में आगे बढ़ रही है जिसका असर दोनों देशों के आम लोगों पर पड़ेगा और उनकी जान और संपत्ति का भारी नुकसान होगा। 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रचार मशीन द्वारा बनाये गये मिथक को ध्वस्त कर दिया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद जम्मू और कश्मीर में सब ठीक है और उन्हें आतंकवाद के खिलाफभारत के प्रत्यक्ष सुरक्षा कवर के तहत सुरक्षित रखा गया है। जम्मू और कश्मीर वास्तव में आतंकवादियों से सुरक्षित नहीं था, क्योंकि आतंकी समूह खुद को शांत रख रहे थे, जबकि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह यह दावा करते रहे कि उन्होंने नागरिकों को प्रदान किये गये मजबूत सुरक्षा कवर के बाद घाटी में शांति बहाल कर दी है। घाटी ने वास्तव में अक्टूबर 2001 के बाद से इस पैमाने पर नागरिकों पर हमले में मौत नहीं देखी है जब 35 लोग मारे गये थे। 2019 का पुलवामा हमला सशस्त्र बलों पर था जिसमें 40 से अधिक जवान मारे गये थे। घरेलू सुरक्षा व्यवस्था की विफ़लता अब इस आतंकी घटना से साबित हुई है, और इसलिए पीएम नरेंद्र मोदी के तहत घाटी में शांति, केवल एक मिथक थी, जो उनके हाइपर प्रचार मशीन द्वारा निर्मित था। लेकिन इस विफ़लता पर पर्दा डालने के लिए मोदी सरकार को एक कवर

पाकिस्तान द्वारा इस संधि को निलंबित करने से दोनों देशों के लोगों के कल्याण को आगे बढ़ाना गंभीर जोखिम में पड़ गया है। भारत और पाकिस्तान द्वारा दो अंतरराष्ट्रीय संधियों को निलंबित करने के बाद, दोनों पक्षों में कट्टरता अपने चरम पर पहुंच रही है। घाटी में नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान और भारत के सैनिकों के बीच रात भर गोलीबारी हुई। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र ने दोनों देशों से अधिकतम संयम बरतने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि स्थिति और घटनाक्रम जो हमने देखा है, वह और अधिक न बिगड़े।

उपलब्ध है, वह है वर्तमान आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ, और घाटी के साथ-साथ भारत में अलगाववादी और आतंकवादी आंदोलनों में उनकी पारंपरिक भागीदारी। लेकिन यह बाहरी हाथ की बात पर, सुरक्षा के मोर्चे पर मोदी सरकार की विफ़लता को माफ नहीं किया जा सकता। हालांकि, यह कहानी आगे बढ़ी, सिंधु जल संधि 1960 के निलंबन के साथ, जो भारत और पाकिस्तान के बीच तीन युद्धों - 1965, 1971 और 1999 में भी बची रही। सिंधु जल संधि का निलंबन अब अतीत से एक प्रस्थान है, और इनमें से एक युद्ध अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के तहत लड़ा गया था। इस प्रकार सिंधु जल संधि को निलंबित करने का पीएम नरेंद्र मोदी का निर्णय महत्वपूर्ण नया घटनाक्रम है सिंधु जल संधि के प्रावधानों के अनुसार सिंधु नदी प्रणाली की पूर्वी नदियों सतलुज, व्यास और रावी का सारा पानी भारत के श्अप्रतिबंधित उपयोग के लिए उपलब्ध रहेगा, जबकि पाकिस्तान को श्पश्चिमी नदियोंश् सिंधु, झेलम और चिनाब से पानी मिलेगा। इस संधि के निलंबन से पाकिस्तान अभूतपूर्व स्तर के जल संकट और बाढ़ से पीड़ित होगा। यह पाकिस्तानी लोगों और नीचे की ओर रहने वाले सभी प्रकार के जीवन के लिए विनाशकारी होगा। मानवता के दृष्टिकोण से, यह तबाही अभूतपूर्व होगी।

अगर पाकिस्तान में राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर जल्दबाजी में टिप्पणी नहीं की होती या घाटी में आतंकी नेटवर्क को खत्म करने में मदद का वायदा किया होता, तो कहानी अलग तरह से आगे बढ़ती। शांति का पालन करने के बजाय, उन्होंने प्रतिशोध का रास्ता अपनाया। पाकिस्तान ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि 1960 के निलंबन को युद्ध की कार्रवाई कहा। गुरुवार, 24 अप्रैल को पाकिस्तान ने भारत-पाक शिमला समझौते 1972 को स्थगित करने की घोषणा की, जो शांति के लिए एक समझौता था। पाकिस्तान ने भारत के पाकिस्तान के खिलाफउठाये गये कदमों के जवाब में सात जवाबी उपायों की घोषणा की। उनके सात जवाबी उपायों में से एक शांति का निलंबन है, शिमला समझौते के निलंबन से रूप में, जो 1971 के युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच हस्ताक्षरित किया गया था जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ था। शिमला समझौता एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच शांति बहाल करना और संबंधों को सामान्य बनाना था, जिसमें अच्छे संबंधों के लिए भविष्य की बातचीत के लिए प्रमुख सिद्धांतों को रेखांकित करके सुलह की दिशा तय की गयी थी। शांति के लिए हुए इस समझौते के निलंबन से न केवल दोनों देशों के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा, बल्कि नागरिकों की शांति और उनका कल्याण पूरी तरह बाधित होगा। शिमला समझौते पर संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है, भारत सरकार और पाकिस्तान सरकार ने संकल्प लिया है कि दोनों देश अपने संबंधों को खराब करने वाले संघर्ष और टकराव को समाप्त करेंगे और मैत्रीपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने तथा उपमहाद्वीप में स्थायी शांति की स्थापना के लिए काम करेंगे, ताकि दोनों देश अपने संसाधनों और ऊर्जा को अपने लोगों के कल्याण को आगे बढ़ाने के महत्वपूर्ण कार्य में लगा सकें। :: एजेंसी

पाकिस्तान ने पाप स्वीकारे

पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों द्वारा अंजाम दिए गए पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले ने पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब कर दिया है। भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फ़सल सींच रहे थे। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले

तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि पाकिस्तान ये काली करतूतें डॉलर की भूख मिटाने के लिये कर रहा था। साथ ही वह दुनिया के इस्लामी देशों का नेतृत्व हासिल करने के लिये इस कट्टरपंथ की फसल सींच रहा था। उसने पूरी दुनिया को दहलाने के लिये अपने आतंकी निर्यात किए। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों ने इसे अनदेखा ही किया। निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफ़लता जग-जाहिर हो गई है। पुलवामा हमले के बाद भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से स्पष्ट है कि वैश्विक व्यवस्था के प्रति पाक की क्या सोच है। इससे भी शर्मनाक घटना ब्रिटेन में सामने आई, जहां पाक उच्चायोग के सामने प्रदर्शन करने वाले भारतीयों को एक पाकिस्तान राजनयिक गला काटने का इशारा करता सूचना माध्यमों में नजर आया। उक्त राजनयिक पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा सलाहकार के रूप में तैनात है। निश्चय ही यह राजनयिक स्तर पर एक शर्मनाक घटना है। साथ ही बताती है कि कैसे पाक सेना के उच्चाधिकारी एक जिहादी संगठन के सदस्य जैसा व्यवहार कर रहे हैं। इससे पाकिस्तानियों में भारतीयों के प्रति भरी घृणा ही उजागर होती है। भारत को इन तमाम मामलों को वैश्विक मंच पर उठाकर पाक पर कार्रवाई के लिये दबाव बनाना चाहिए। दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। बहरहाल, पाक आज पूरी दुनिया के सामने बेनकाब हुआ है। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है।

बेरोजगारी : सही नीति निर्धारण से समाधान सम्भव

सम्पूर्ण भारतवर्ष में ही बेरोजगारी एक गंभीर तथा जटिल समस्या बनी हुई है। विभिन्न विश्वव्यापी घटनाओं तथा प्राकृतिक आपदाओं जैसे कोविड, बाढ़ आदि ने इसे और भी जटिल बना दिया है। बेरोजगारी व्यक्ति के लिए निर्धनता, समाज के लिए अपमानजनक तथा राष्ट्र के लिए मानवीय संसाधन की हानि का प्रतीक है। बेरोजगार वे व्यक्ति होते हैं जो पंद्रह से साठ वर्ष की आयु वर्ग में होते हैं और वे काम करने के इच्छुक हैं, पर उनके पास काम नहीं होता।

हिमाचल प्रदेश में भी बेरोजगारों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। हिमाचल में संपन्न हुए चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में राज्य में युवाओं को 5 लाख रोजगार के अवसर सृजित करने का वादा किया था। इस गारंटी को पूरा करने के लिए एक मंत्रिमंडलीय उप-समिति भी गठित की है। इस गारंटी को पूरा करना वर्तमान सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश सरकार की कैबिनेट उप-समिति, जो संसाधन जुटाने के सुझाव के लिए बनाई गई है, ने सरकार को अनुशंसित किया है कि हिमाचल प्रदेश के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु को 58 वर्ष से 59 वर्ष किया जाए। घाटे में चले हुए कुछ उपक्रमों को बंद करने की भी सिफारिश की है। अगर सरकार इन निर्णयों को लेती है तो बेरोजगार युवा और हताश होंगे और नशाखोरी एवं नशे के कारोबार में ज्यादा संलिप्त होंगे। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में 8 लाख से भी अधिक

रेलवे लाइनों से पर्यटक स्थलों को जोडऩा होगा ताकि पर्यटकों का सफर आसान हो। विद्युत परियोजनाओं के जलाशयों तथा झीलों आदि में पर्यटक स्थल, डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल और पिकनिक स्पाट विकसित कर एवं क्रूज, शिकारा, हाऊसबोट, मोटरबाइक, वाटर स्कूटर, हाट एयर बैलूनिंग, फिशिंग आदि क्रियाएं शुरू करके पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकता है।

बेरोजगार हैं। आंकड़ों के मुताबिक बेरोजगारी दर हर साल एक प्रतिशत के हिसाब से बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी के मुख्य कारण हैं- औद्योगिकीकरण की कमी, सरकारी नौकरियों पर निर्भरता, कौशल विकास की कमी, कृषि और पर्यटन में मौसमी रोजगार तथा शिक्षा का स्तर आदि। हिमाचल प्रदेश को कुदरत ने बहुत से प्राकृतिक संसाधनों से नवाजा है। अगर सही ढंग से इनका दोहन किया जाए तो यहां कोई भी बेरोजगार नहीं रहेगा। बेरोजगारी के निवारण के लिए हिमाचल प्रदेश को ठोस नीति बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए वेतनभोगी नौकरियों के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध करवाने की आवश्यकता है। सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर घट रहे हैं। युवाओं को स्वरोजगार की तरफ भी अपनी रुचि को मोडऩा होगा। हिमाचल प्रदेश में वेतनभोगी रोजगार या नौकरियां भिन्न-भिन्न विभागों में खाली पड़े पदों पर पारदर्शी प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से बेरोजगारों को दी जा सकती हैं। इसके लिए बेरोजगार युवा पिछले कई वर्षों से प्रदर्शन करते रहे हैं। सरकारी विभागों में इस समय हजारों की संख्या में खाली पद पड़े हैं।

विभिन्न विभागों में खाली पदों के होने से जनता के काम सुचारू रूप से नहीं होते। हिमाचल प्रदेश सरकार ने जो भर्तियां अभी तक की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में बहुत कम हैं, बाकी पदों को आउटसोर्सिंग के माध्यम से भरा जा रहा है। आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्ती न ही युवाओं के लिए सही है और न ही सरकार के लिए, क्योंकि अगर आउटसोर्सिंग के कर्मियों ने किन्हीं कारणों से काम बंद कर दिया तो सरकार के सभी दफ्तरों के काम बंद हो जाएंगे। आउटसोर्सिंग से काम की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। हिमाचल प्रदेश में वेतनभोगी रोजगार के साधन सीमित हैं, परंतु कृषि एवं बागबानी, पर्यटन, हाइड्रो पावर परियोजनाओं तथा खनिज क्षेत्र में स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटन तथा पनबिजली दो ऐसे क्षेत्र हैं जिनका सही नीति निर्धारण कर अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ-साथ रोजगार को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश सैलानियों के लिए स्वर्ग है। लोग देश और विदेशों से हिमाचल प्रदेश में पर्यटक स्थल, धार्मिक स्थल, मंदिर आदि देखने आते हैं। एक अच्छी पर्यटक नीति, अच्छी सड?ें, हवाई हड्डे, सैलानियों के ठहरने के लिए अच्छी व्यवस्था, पर्यटकों के जान-माल और शोषण की रक्षा आदि से पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। वैसे तो हिमाचल सरकार पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। इसी कड़ी में कांगड़ा को राज्य की पर्यटक राजधानी घोषित कर रखा है। एचपीटीडीसी के होटल प्रमुख स्थानों तथा खुली पार्किंग से लैस हैं, मगर रखरखाव न होने के कारण पर्यटक इन होटलों में नहीं ठहरते। सरकार को इन होटलों को लीज पर दे देना चाहिए। इससे पर्यटकों को निजी होटलों के बराबर सुविधाएं मिल पाएंगी। :: चर्चित डेस्क

आज का राशिफल

मेष:- भावुकता वश संबंधों में भावनात्मक शोषण की आशंका है। पूर्वाग्रह वश अपने निकटस्थ सम्बन्धों के बारे में गलत धारणा पालना ठीक नहीं। सम्बन्धों की मधुरता हेतु आपस में विश्वास कायम करें।

वृषभ:- व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। परिश्रम से आर्थिक लाभ के योग हैं। अत्यधिक भावुकता से भावनात्मक शोषण की भी आशंका है। भौतिक जगत से प्रभावित मन भविष्य को लेकर चिन्तित होगा।

मिथुन:- किसी अचल सम्पत्ति क्रय हेतु प्रयत्न तीव्र। अपने भाग्य को कोसना छोड़ अपने समय का सकारात्मक दिशा में लगावें। मान-प्रतिष्ठा में बृद्धि तो होगी परन्तु इससे अभिमानी न बनें।

कर्क:- समाजिक मान-सम्मान व वर्चस्व में वृद्धि होगी। व्यावसायिक क्षेत्र के प्रतिभा में निखार आयेगा। आपके स्थितियों में आकस्मिक सुधार के आसार बन रहें। कल्पनाएं साकार होती नजर आएंगी।

सिंह:- नये कार्यो में पूंजी निवेश हेतु धनाभाव अवरोधक होगा। आपमें दूसरों को आकर्षित करने की अभूतपूर्व क्षमता है इसका भरपूर लाभ मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी।

कन्या:- रोजगार के क्षेत्र में किये गये कर्म का फल सफलता का आगाज कर रहा है। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी। परिजनों की सुख सुविधा के प्रति मन चिन्तित होगा।

तुला:- प्रणय सम्बन्ध में केन्द्रित मन प्रियतम से मिलने के लिऐ व्याकुल होगा। किसी खास मुद्दे को लेकर परिजनों के मतभेद का सामना करना पड़ेगा। प्रयासरत क्षेत्रों में सफ़लता प्राप्त होगी।

वृश्चिक:- अच्छे अवसरों का लाभ उठानें में सक्षम बनें। जीवन में नीरसता को कम करने के लिए मन को सकारात्मक दिशा देवें। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता से मन उत्साहित होगा।

धनु:- भावुकतावश किसी सम्बन्धी की बातें मन को कष्ट पहुंचा सकती हैं। अपने अन्दर नए उर्जा की अनुभूति करेंगे। लेकिन बिगड़े हुए सम्बन्धों को सुधारने की चेष्ठा करें। कार्य क्षेत्र में नये आसारों से उत्साहित होंगे।

मकर:- उच्छृंखल व मजाकिया स्वभाव आस-पास के वातावरण में महत्ता तो बढ़ाएगा। रोजगार में अपनी स्थिति को लेकर मन में हीनता का वाश होगा। महत्वपूर्ण पारिवारिक दायित्वों के पूर्ति के आसार बनेंगे।

कुम्भ:- परिवार में किसी की अस्वस्थता से मन चिन्तित होगा। परिवारिक जिम्मेदारियां मन को बोझिल करेंगी। कोई अवरोधित काम के प्रति मन विशेष रूप से चिन्तित होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में प्रयत्न सार्थक होगा।

मीन:- सरल व मिलनसार स्वभाव से संबंधों में लोकप्रिय होंगे। भौतिक सुख-साधनों की लालसा में व्यय के योग हैं। जीविका क्षेत्र में परिश्रम सार्थक होगा।

राशि रत्न

वन नेशन वन इलेक्शन विकसित भारत की नींव है : प्रेमावती

उद्योग जगत को वन नेशन वन इलेक्शन से होगा बहुत बड़ा फायदा : अजीत सिंह बब्बन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। जिला पंचायत भवन के सभागार में वन नेशन वन इलेक्शन सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन विकसित भारत की नींव है। पीएम मोदी उस नींव को डालने में सबका साथ चाहते है। भाजपा सरकार में देश जिस गति के साथ आर्थिक प्रगति की ओर अग्रसर है, यदि उसमें एक देश एक चुनाव की परिपाटी और पड़ जाए तो भारत की आर्थिक प्रगति की रफ्तार 100 गुनी हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि विपक्ष इसे संघीय ढांचे पर चोट बताता है, उसे याद करना चाहिए कि 1952 से लेकर 1967 तक देश में एक साथ चुनाव हुए हैं, तब संघीय ढांचे पर प्रहार नहीं हुआ, तो अब कैसे होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ व्यापारी भजनलाल गुप्ता ने की, बतौर विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन मौजूद रहे। व्यापारी सम्मेलन में जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि यह इलेक्शन भारत की चुनावी राजनीति में एक बहुत बड़ा रिफॉर्म है। उन्होंने कहा कि 'वन नेशन वन इलेक्शन' की कवायद 1983 से चल रही है। तब इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की पहली रिपोर्ट आई थी। उसमें भी कहा गया था कि देश में एक साथ चुनाव होने चाहिए। प्रेमवती ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 1983 में तो भाजपा सरकार नहीं थी फिर ये कमीशन किसने बैठे थी। उन्होंने कहा कि इसके बाद कई रिपोर्ट आई, उसमें भी कहा गया कि देश में चुनाव एक साथ ही होने चाहिए। कांग्रेस पार्टी की राजनीति मुंह में राम और बगल में छुरी वाली है। कांग्रेस जब सत्ता में होती है तो अपनी सत्ता को बरकरार रखने के लिए कोई कमीशन कोई संशोधन करने को तैयार रहती है। चाहे देश को कितना बड़ा ही नुकसान क्यों न उठाना पड़ जाए।

कार्यक्रम में व्यापारी वर्ग को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि राष्ट्रपति कोविंद की एक देश एक चुनाव रिपोर्ट बताती है कि अगर विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ हो जाएं तो जीडीपी में एक से डेढ़ प्रतिशत का इजाफा होगा। हम सबको समझना होगा कि इस कवायद से देश के उद्योग जगत को कितना लाभ पहुंचेगा। इस लाभ का सबसे बड़ा फायदा युवा, किसान, गरीब और महिलाओं को पहुंचेगा। कहा कि कमेटी ने देश में पंचायत और नगर निकाय के चुनावों को भी एक साथ कराने का जिक्र किया है। इस फैसले से नगरीय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पंख लग जाएंगे। देश में एक साथ चुनाव होने से समय, पैसे दोनों की बचत होगी। शासन प्रशासन बिना किसी हिचक के जनमानस की सेवा में समर्पित रहेगा। कल्याणकारी योजनाएं बिना अटके लटके मूर्त रूप लेंगी। जिससे समाज के हर वर्ग को लाभ पहुंचेगा। वरिष्ठ व्यापारी भजनलाल ने कहा कि लगातार होने वाली चुनावी प्रक्रिया से सरकारी और निजी विकास प्रभावित होता है। कहा कि अलग-अलग समय पर चुनाव होने के कारण देश में सालभर कहीं न कहीं आदर्श आचार संहिता लागू रहती है, जिससे विकास कार्यों पर प्रभाव पड़ता है, यदि पूरे देश में चुनाव एक साथ कराए जाते हैं, तो इससे न केवल प्रशासनिक बोझ कम होगा, बल्कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में भी तेजी आएगी। संचालन व्यापार प्रकोष्ठ के कपिल मोहन गुप्ता ने किया।

इस कार्यक्रम के दौरान मंच पर पीके वर्मा, महामंत्री सत्येंद्र राजपूत, व्यापारी नेता विमलेश दीक्षित ,पवन जैन व्यापार प्रकोष्ठ ,संयोजक नवनीत गुप्ता, दिनेश गुप्ता, रामदास गुप्ता एवं सम्मेलन में जिला मंत्री नीतू चंद्रा, जिला मंत्री अविनाश पांडे,जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक, सह मीडिया प्रभारी सत्यम शुक्ला, महिला मोर्चा अध्यक्ष अलका गुप्ता ,आईटी संयोजक सौरभ सिंह गौर, प्रबुद्ध प्रकोष्ठ संयोजक अविनाश मिश्रा, नगर अध्यक्ष मुदित बाजपेई, पंकज सिंह,बॉबी गुप्ता, आशुतोष बाजपेई सुहाना जैन ,सोशल मीडिया के अनुराग श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

वक्फ संशोधन करके भू माफिया और दबंगों की तोड़ी कमर : प्रभाष कुमार

चर्चित राजनीति। एजेंसी

हरदोई। भारतीय जनता पार्टी ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर जन जागरण अभियान चलाया। जिसके चलते क्षेत्रीय विधायक प्रभाष कुमार की अन्यक्षता में सुरसा क्षेत्र के रामपुर मजरा उमरापुर में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में वक्फ के बारे में लोगों को जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक प्रभाष कुमार ने कहा कि मोदी सरकार ने वक्फ संशोधन लाकर असहाय मुस्लिमों को बड़ी राहत दी है। इससे उन्हें मजबूती मिलेगी। वर्तमान अधिनियम वक्फ प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी मनमाने ढंग से संपत्ति अधिग्रहण को रोककर धार्मिक स्वतंत्रता और समानता को आगे बढ़ाया जाएगा। पूरा विपक्ष वक्फ संशोधन को लेकर भ्रांति फैलाने पर लगे हुए हैं । वक्फ के नाम पर भू माफिया अपना व्यक्तिगत लाभ साधते थे। लेकिन अब सरकार ने वक्फ संशोधन करके भू माफिया और दबंगों की कमर तोड़ दी है। गलत वक्फ दावों के खिलाफ आदिवासियों की अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। संरक्षित स्मारक वक्फ के दायरे से बाहर होंगे, इस अधिनियम के माध्यम से महिलाओं के अधिकार में वृद्धि होगी। विधायक प्रतिनिधि गौरव ठाकुर ने कहा कि पूर्व में बना वक्फ बोर्ड ताकतवर लोगों के लिए हथियार बन गया था। जिसका उसके पदाधिकारी अपनी सुविधानुसार दुरुपयोग करते थे। नए सुधार से पूर्व की गलतियों को सुधारकर जनहित के कार्य किए जाएंगे। रमन त्रिपाठी ने कहा कि वक्फ अधिनियम 2025 ने हमारे तबके के कमजोर लोगों को नया जीवन दिया है। वक्फ बोर्ड का सुधार देश के लिए अति आवश्यक था। कार्यक्रम में सुनीत प्रजापति, श्रवण दीक्षित, मनीष वर्मा, लालमोहम्मद, रियाजुद्दीन, सलमान, जावेद अहमद, मोहम्मद वसीम सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई सीएम डैशबोर्ड की बैठक

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की प्रगति की समीक्षा बैठक हुई।

जिलाधिकारी ने कहा कि विभागीय पोर्टल पर सूचनाओं को ससमय फीड किया जाये। यूपीपीसीएल द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों धीमी प्रगति पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताते हुए शासन को रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने डिप्टी आरएमओ को गेहूँ क्रय की गति बढ़ाने के निर्देश दिए तथा लापरवाही करने वाले विपणन निरीक्षकों की जवाबदेही तय करने को कहा। उन्होंने कहा कि यूपीसिडको नर्सिंग कॉलेज के निर्माण की गति बढ़ाये तथा निर्माण को समय सीमा में पूर्ण करे। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली के लिए लक्ष्य के अनुरूप कार्य योजना बनाकर प्रगति लायी जाये। निर्माण योजनाओं में समय व गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाये।राजस्व वादों के निस्तारण में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। मंडी परिषद को माधोगंज मंडी में चल रहे निर्माण कार्य को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह की रोकथाम के लिये चाइल्ड हेल्पलाइन द्वारा किया गया जागरूकता कार्यक्रम

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 द्वारा अक्षय तृतीया पर होने वाले संभावित बाल विवाह की रोकथाम हेतु आज जनपद के केन सोसायटी नेहरु डिग्री कालेज, हरदोई सीएसएन कालेज में छात्र-छात्राओं को बाल विवाह की रोकथाम हेतु जागरूक किया गया, कार्यक्रम में चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक अनूप तिवारी ने सभी छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और बताया कि आने वाली 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर बाल विवाह होने की संभावना ज्यादा रहती है जिसको ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा सभी बाल हितधारकों व सम्बंधित विभागों को सख्त निर्देश प्राप्त हुआ कि बाल विवाह को रोके जाने हेतु ज्यादा से ज्यादा जागरूकता की जाए, इसके साथ ही परियोजना समन्वयक अनूप तिवारी ने बताया कि बाल विवाह करना एक अपराध की श्रेणी में आता है जिसके लिए बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 अधिनियम बना है, जिसका उद्देश्य बाल विवाह को अवैध घोषित करना और बाल विवाह में शामिल लोगों को दण्डित करना है, विवाह की न्यूनतम आयु सीमा बालिका की 18 वर्ष व बालक की 21 वर्ष होनी चाहिए, बाल विवाह करने वाले या इसमें मदद करने वाले व्यक्ति को 02 साल तक का कठोर कारावास और 01 लाख रूपये का जुर्माना या दोनों हो सकते है, इसके साथ ही परियोजना समन्वयक ने सभी को जागरूक किया यदि कही बाल विवाह हो रहा है या होने की जानकारी मिलती है तो तुरंत इसकी सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर-1098 पर या पुलिस हेल्पलाइन-112 पर दे सकते है, जागरूकता कार्यक्रम में कालेज के प्रधानाचार्य कौशलेन्द्र कुमार सिंह, चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक अनूप तिवारी, सुपरवाइजर विभा शुक्ला व केस वर्कर वरुण कुमार आदि मौजूद रहे।

मारपीट करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरदोई, चसं। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र में एक युवक और परिजनों को सात लोगों द्वारा मारपीट कर घायल कर देने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्त में लेकर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की है। प्राप्त विवरण में 28 अप्रैल को मनोज कुमार सिंह पुत्र राघवेन्द्र सिंह निवासी ग्राम कोडरा सरैया द्वारा थाना बेहटा गोकुल पर तहरीर दी गई कि त्रिपुरेश, बालाजी पुत्रगण चंद्रप्रकाश निवासीगण ग्राम कोडरा सरैया सहित कुल सात लोगों द्वारा उसके एवं उसके परिवार के सदस्यों के साथ गाली-गलौज व मारपीट की गयी। इस संबंध में पीड़ति की तहरीर के आधार पर थाना बेहटा गोकुल पुलिस ने सात नामजद आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की थी। थाना बेहटा गोकुल के प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह व पुलिस बल द्वारा उपरोक्त अभियोग से संबंधित नामजद त्रिपुरेश पुत्र चंद्रप्रकाश और बालाजी पुत्र चंद्रप्रकाश को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की है।शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है।

गांधी भवन में हुआ मेदांता चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। महात्मा गांधी जन कल्याण समिति के अध्यक्ष, जिलाधिकारी के निर्देशन में मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ व महात्मा गांधी जनकल्याण समिति के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर स्थानीय गांधी भवन में आयोजित किया गया, जिसका शुभारंभ अपर जिलाधिकारी प्रफुल्ल त्रिपाठी व समिति के उपाध्यक्ष ट्रस्टी दीनदयाल वर्मा (लालू दादा) द्वारा दीप प्रज्वलन कर एवं आई हुई मेदांता की डॉक्टर टीम का माल्यार्पण कर स्वागत करके किया गया ,जिसमें लगभग 72 लोगों ने परीक्षण कराकर अपने स्वास्थ्य का हाल जाना व उपचार प्राप्त किया।

ज्ञात हो कि इस अवसर पर सभी लाभार्थियों को मेदांता अस्पताल के द्वारा दस प्रतिशत से बीस प्रतिशत तक ओ पी डी में छूट का कूपन भी दिया गया। त्रिपाठी जी ने समिति द्वारा आयोजित इस कैंप की सराहना करते हुए कहा कि आजकल भाग दौड़ की जीवन शैली के कारण लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति समय नहीं निकाल पाते हैं आप लोगों के इसमें कार्य से कम समय में अधिक लाभ जनता को मिल सकेगा, मेदांता से आई डॉक्टर की टीम में डॉक्टर हिमांशु पांडे कार्डियोलॉजिस्ट, डॉक्टर अनिल फिजिशियन, महेंद्र पाल सिंह मार्केटिंग मैनेजर एवं नर्सिंग स्टाफ द्वारा बीपी, शुगर, ई सी जी बीएमडी, परीक्षण किए गए। इस मौके पर समिति के सदस्य जोगिंदर सिंह गांधी,बाबू अली, अविनाश चंद्र गुप्ता,मनीष मिश्रा, करुणा शंकर द्विवेदी,सुश्री कुसुम जोहरी ,श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव, विजय भाई ,देवेंद्र विक्रम सिंह ,डॉ एस एस द्विवेदी,आलोकिता,राजेंद्र कुमार गुप्ता कमला शंकर एवं पवन आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पाँच माह से अटका मृत्यु प्रमाण पत्र जिलाधिकारी ने तत्काल जारी कराया

हरदोई, चसं। जन सुनवाई के दौरान मृत्यु प्रमाण पत्र का एक प्रकरण जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के समक्ष आया। जनपद के हरपालपुर विकास खण्ड के तिथिगाँव निवासी एक दिव्यांग राघवेंद्र सिंह जिलाधिकारी से मिले। उन्होंने बताया कि उनके चाचा राजवीर सिंह का देहांत 20 अप्रैल 2024 को हो चुका है। लेकिन सचिव की ओर से मृत्यु प्रमाण पत्र अभी तक जारी नहीं किया है। इस कारण उनकी चाची को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। उनकी चाची की विधवा पेंशन नहीं बन पा रही है। जिलाधिकारी ने तत्काल खण्ड विकास अधिकारी राजीव गुप्ता से फोन पर बात की और आज ही मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रमाण पत्र जारी न होने पर सचिव के विरुद्ध कार्रवाई करने को कहा। राघवेंद्र ने जिलाधिकारी को धन्यवाद दिया और ु्श होकर जन सुनवाई कक्ष से निकले।

गाँधी मैदान में पौधरोपण कर मनाया समाजसेवी ने जन्मदिन

हरदोई, चसं। जनपद के युवा समाजसेवी एवं दृष्टि दोष विशेषज्ञ कर्ण सिंह राणा का जन्मदिवस प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पौधरोपण कर मनाया गया। समाजसेवी के जन्मदिवस पर शहर के गाँधी मैदान परिसर में पौधारोपण नगर पालिका परिषद् हरदोई अध्यक्ष के सुपुत्र मिलन मिश्रा सहित सम्भ्रान्त नागरिकों की मौजूदगी में संपन्न हुआ। पौधारोपण कार्यक्रम में श्री मिश्रा ने समाजसेवी की इस मुहिम की सराहना करते हुए सभी को अपने विशेष अवसरो पर पौधरोपण करने का संदेश दिया। समाजसेवी श्री सिंह ने बताया कि वे प्रत्येक वर्ष अपने जन्मदिवस पर पौधरोपित करते है और आगे भी करते रहेंगे एवं उन्होंने सभी से भी अपने विशेष अवसरों को यादगार बनाने के लिए पौधरोपण करने की अपील की। इस मौके पर महात्मा गाँधी जनकल्याण समिति सदस्य जोगिंदर सिंह गाँधी, यूथ आइकॉन आलोकिता श्रीवास्तव,टंडौर प्रधान नीरज पाण्डेय,अंकित सिंह परमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

छज्जा गिरने से दस वर्षीय बालिका सहित दो की मौत

हरदोई, चसं। अतरौली थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार सुबह करीब 9 बजे चार माह पूर्व डलवाया गया छज्जा अचानक गिरने से उसके नीचे बैठे दस वर्षीय बालिका सहित दो की मृत्यु हो गई।दस वर्षीय बालक और उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर पहुंची अतरौली पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेजा है। अतरौली थाना क्षेत्र के सिनपुर निवासी गीता पत्नी जगतपाल सोमवार की सुबह चार माह पूर्व घर के बाहर डलवाए गए 8 बाई 4 फिट के छज्जे के नीचे चारपाई डालकर अपने दस वर्षीय पुत्र सुभाष और रिश्तेदार की पुत्री दस वर्षीय सपना के साथ बैठी थी।पड़ोस में रहने वाली अंजनी पुत्री परशुराम छज्जे के नीचे खड़े होकर आपस में बात कर रहे थे।तभी अचानक पूरा छज्जा उनके ऊपर भरभरा कर गिर गया।छज्जा गिरने से वह चारों उसके नीचे दब कर गंभीर रूप से घायल हो गए।परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से चारों को मलबे से निकाल कर सीएचसी कोथावा पहुंचाया जहां डाक्टरों ने दस वर्षीय सपना और अंजनी को मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेजा है।गीता और उसके दस वर्षीय घायल पुत्र का इलाज किया जा रहा है।घटना की सूचना पर दोनो मृतकों के घरों में कोहराम मचा हुआ है।

वंदन योजना के सम्बन्ध में हुई बैठक

हरदोई, चसं। कलेक्ट्रेट कक्ष में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में वंदन योजना के सम्बन्ध में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि वंदन योजना के अंतर्गत नगर निकायों से प्रस्ताव लिए जाएं। प्रस्ताव तैयार करने में शासनादेश का पूरी तरह से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। वित्तीय नियमों में किसी भी प्रकार की अनदेखी न की जाये। मल्लावां के तपसी बाबा मंदिर हेतु आवंटित धनराशि को जल्द जारी किया जाये। निर्माण में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी विरा प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी तान्या सिंह, उप जिलाधिकारी राकेश सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दो भाइयों को जानलेवा हमला कर किया गंभीर घायल

हरदोई, चसं। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम नेमापुर मजरा चंदूपुर खैराई में दो भाइयों पर दबंग युवकों ने घात लगाकर जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए।एक भाई के धारदार हथियार लगने से होठ का कुछ हिस्सा कटकर अलग हो गया।सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने दोनों घायलों सीएचसी शाहाबाद में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने हालत गंभीर देखते हुए दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के नेमापुर मजरा चंदूपुर खैराई निवासी विनीत कुमार व सुनील कुमार पुत्र स्वर्गीय जगदीश सोमवार सुबह अपने पिता उपरोक्त की अस्थियां विसर्जित करने फर्रुखाबाद के पंचालघाट गए थे। जहां से करीब 10 बजे वापस घर पहुंचे। गांव निवासी रामनरेश पुत्र मंगरे ने भाई रमेश,श्याम कुमार और पुत्र सौरभ, विजय प्रताप के साथ लाठी डंडे व धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे विनीत कुमार और सुनील कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस ने घायल दोनों भाइयों को एम्बुलेंस द्वारा इलाज हेतु सीएचसी शाहाबाद भिजवाया। जहां पर डॉक्टर ने हालत गंभीर होने पर दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

गर्रा नदी में 10 साल के बच्चे की डूबकर मौत

बिलग्राम /हरदोई, चसं। सांडी थाना क्षेत्र के समजलपुर गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है । सोमवार दोपहर 12 बजे एक 10 वर्षीय बच्चे की गर्रा नदी में डूबने से मौत हो गई।मृतक की पहचान सुमित कुमार के रूप में हुई है। वह रामाधार का दूसरा बेटा था। खाना खाने के बाद सुमित घर के पास स्थित गर्रा नदी के किनारे शौच के लिए गया था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह नदी में गिर गया।आसपास के बच्चों ने सुमित को डूबते देखा तो फौरन परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही पिता रामाधार मौके पर पहुंचे और नदी में कूदकर बेटे को बाहर निकाला। उन्होंने तुरंत सुमित को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।रामाधार के चार पुत्र थे, जिनमें से सुमित दूसरे नंबर का था। इस हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया है और पंचनामे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

30 अप्रैल को भगवान परशुराम जयंती पर होंगे 101 ब्राह्मण बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार

हरदोई, चसं। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था संयुक्त ब्राह्मण महासभा, हरदोई के तत्वावधान में शहर स्थित घण्टाघर परिसर में 30 अप्रैल 2025 को भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर आयोजित होने वाले 101 ब्राह्मण वटुकों के सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। महासभा के संयोजक कमलेश पाठक के अनुसार 101 वटुकों का पंजीकरण पूरा हो चुका है जिसमें हरदोई जनपद सहित लखनऊ, फरुखाबाद, शाहजहांपुर आदि आसपास के वटुक भी शामिल हैं। कहा जनपद के ज्योतिषविद् अशोक मिश्र के आचार्यत्व में काशी, नैमिषारण्य के आचार्यगण वटुकों को संस्कार की दीक्षा के साथ यज्ञोपवीत धारण करायेंगे। संयोजक कमलेश पाठक के अनुसार यज्ञोपवीत संस्कार समारोह के मुख्य अतीत पूर्व सांसद डॉक्टर अशोक बाजपेई एवं विशेष स्थिति न्यायाधीश श्री अविनाश पाण्डेय, स्पेशल जज सीबीआई, पटना 101 बातों के पूरे सामूहिक उपन्यास संस्कार के मुख्य अजवाइन विचारक श्री श्री कृष्ण शास्त्री पूर्व जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी होंगे सामूहिक उपन्यास संस्कार अलग मंडप 30 अप्रैल को प्रातः 6 बजे घंटाघर स्थित पंडाल परिसर में स्थापित किया जाएगा। वटुकों के क्षौर कर्म के पश्चात सभी आचार्यों के समीप वेदियों पर संस्कार की दीक्षा लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

जीआईटीआई में रोजगार मेला कल

लखनऊ, चसं। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई अलीगंज लखनऊ में मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अन्तर्गत 30 अप्रैल को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि मेले में छह प्रतिष्ठित कंपनियाँ प्रतिभाग कर रही हैं। उन्होंने संस्थान के प्रशिक्षार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में रोजगार मेले में प्रतिभाग करने का आह्वान किया है।एमए खां ट्रेनिंग काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी ने जानकारी दी कि इस रोजगार मेले में रॉयल एनफील्ड, भगवती प्रोडक्ट्स लिमिटेड, सिगटफ प्राइवेट लिमिटेड, जी 4 एससिक्योरिटी, वारी एनर्जिस लिमिटेड तथा सुजुकी मोटर्स लर्न एण्ड अर्न योजना के अन्तर्गत प्रतिभाग कर रही हैं। मेले में 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। पात्रता के रूप में न्यूनतम शैक्षिक योग्यता 10वीं पास से लेकर स्नातक तक निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को 10,000 रुपये से 20,000 रुपये तक मासिक वेतन प्रदान किया जाएगा।इच्छुक अभ्यर्थी शैक्षिक प्रमाणपत्र, बायोडाटा तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ 30 अप्रैल को प्रातः 10 बजे राजकीय आईटीआई लखनऊ में उपस्थित हो सकते हैं।

औद्योगिक उत्पादन मार्च में मासिक आधार पर तीन प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि फरवरी में मासिक आधार पर मामूली रूप से बढ़कर मार्च 2025 में तीन प्रतिशत हो गई, जो इससे पहले फरवरी में 2.7 प्रतिशत थी। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। हालांकि, मार्च में वार्षिक आधार पर वृद्धि घटी है, क्योंकि मार्च 2024 में यह आंकड़ा 5.5 प्रतिशत था। सालाना आधार पर विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों का प्रदर्शन खराब रहा। वित्त वर्ष 2024-25 में आईआईपी में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 5.9 प्रतिशत था। सरकार ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि फरवरी 2025 में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 2.9 प्रतिशत थी, हालांकि अब इस आंकड़े को संशोधित कर 2.7 प्रतिशत कर दिया गया। आंकड़ों के मुताबिक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन मार्च 2024 में 5.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि मार्च 2025 में थोड़ी कम होकर तीन प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.9 प्रतिशत थी। खनन उत्पादन में वृद्धि सालाना आधार पर 1.3 प्रतिशत से घटकर 0.4 प्रतिशत रह गई। बिजली उत्पादन भी मार्च 2025 में 6.3 प्रतिशत पर आ गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 8.6 प्रतिशत था।

उत्तर प्रदेश में नई निर्यात नीति से पांच साल में निर्यात तिगुना करने की योजना

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार नए बाजारों एवं उत्पादों के सहारे अगले पांच वर्षों में राज्य से होने वाले निर्यात को तिगुना करके पांच लाख करोड़ रुपए से अधिक करने और निर्यात को बढ़ावा देने की नीति पर काम कर रही है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए राज्य सरकार 2025-30 के लिए एक नई निर्यात नीति पर काम कर रही है, जिसे जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास और निर्यात प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि नई नीति में निर्यात को 2023-24 के 1.7 लाख करोड़ रुपये से 2030 तक तिगुना करने पर मुख्य रूप से ध्यान होगा। इसमें पूंजी सब्सिडी और निर्यातकों के लिए रियायतें भी शामिल होंगी। उन्होंने कहा, हमने देश भर में विभिन्न सरकारों की निर्यात नीतियों का गहन अध्ययन किया है और अपनी मसौदा नीति में सर्वोत्तम तौर-तरीकों को जगह दी है। हमारा उद्देश्य देश के समग्र निर्यात में उत्तर प्रदेश के योगदान को पर्याप्त रूप से बढ़ाना है और प्रस्तावित नीति उस दिशा में एक कदम होगी। नई नीति में निर्यात अवसंरचना विकसित करने के लिए निवेशकों को पूंजी सब्सिडी जैसी सुविधाएं देने का भी प्रस्ताव है। इसके अलावा एक डिजिटल सूचना केंद्र स्थापित करने का भी प्रस्ताव है जो निर्यातकों को सभी प्रासंगिक जानकारी मुहैया कराएगा। मंत्री ने कहा कि प्रस्तावित नीति में निर्यात अवसंरचना के निर्माण के लिए निवेशकों को 10 करोड़ रुपए तक की पूंजी सब्सिडी प्रदान करने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि एक समर्पित निर्यात संवर्धन कोष स्थापित किया जाएगा, जिसका उपयोग वैश्विक सम्मेलनों में श्ब्रांड यूपीश् को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा और निर्यातकों को भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम (ईसीजीसी) के तहत वार्षिक प्रीमियम के भुगतान के लिए पांच लाख रुपए तक की सहायता भी दी जाएगी। इस नीति में प्रत्येक निर्यातक इकाई को 16 लाख रुपए की मौजूदा व्यवस्था के मुकाबले हर साल 25 लाख रुपए की सहायता देने की भी योजना है। नई नीति से निर्यातकों को बंदरगाह तक माल पहुंचाने के लिए हर साल 30 लाख रुपए तक का प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश से निर्यात 1.70 लाख करोड़ रुपए रहा था और देश के कुल निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 4.71 प्रतिशत थी। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में राज्य से 87,151 करोड़ रुपए का निर्यात हुआ था। उत्तर प्रदेश से प्रमुख तौर पर इलेक्ट्रिकल मशीनरी, मांस, परिधान, जूते, मोती और कीमती पत्थर, कालीन, फर्नीचर, एल्यूमीनियम उत्पाद, चमड़े के उत्पाद, जैविक रसायन, प्लास्टिक और अनाज का निर्यात होता है।

भारतीय यात्री खंड के चालू वित्त वर्ष में घरेलू, निर्यात सहित 50 लाख इकाई का आंकड़ा पार करने के आसार

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत में यात्री वाहन उद्योग की वार्षिक वृद्धि दर घटकर दो से चार प्रतिशत रहने के बावजूद चालू वित्त वर्ष 2025-26 में कुल बिक्री के रिकॉर्ड 50 लाख इकाई तक पहुंचने के आसार हैं। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स ने एक बयान में कहा, नई पेशकश और उच्च कीमतों, चार्जिंग से जुड़े बुनियादी ढांचे की कमी और बैटरी की लागत में गिरावट के बावजूद इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की पहुंच मध्यम तीन से 3.5 प्रतिशत पर देखी जा रही है। इसमें कहा गया, ईवी खंड में वृद्धि पिछले साल दोगुनी होने के बाद धीमी हो गई है। क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा, 'भारत का यात्री वाहन (पीवी) उद्योग चालू वित्त वर्ष 2025-26 में नई ऊंचाई को छूने के लिए तैयार है, जिसमें घरेलू तथा निर्यात मात्रा कुल मिलाकर 50 लाख इकाई को पार कर जाएगी। हालांकि वार्षिक वृद्धि दर दो से चार प्रतिशत तक धीमी होने के आसार हैं। रेटिंग एजेंसी ने निर्यात के मोर्चे पर कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच वित्त वर्ष 2025-26 में वृद्धि दर घटकर पांच से सात प्रतिशत रहने के आसार हैं। इसमें कहा गया, जून 2025 से प्रभावी 25 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क से सीमित जोखिम उत्पन्न होगा, क्योंकि कुल यात्री वाहन (पीवी) मात्रा में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब एक प्रतिशत ही है।

29 अप्रैल से शुरू होगा अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट, बांग्लादेश एयरफोर्स की टीम भी लेगी हिस्सा

चंडीगढ़, एजेंसी। मार्शल ऑफद एयर फोर्स अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट-2025 के छठे संस्करण की शुरुआत मंगलवार से होगी। डीजी एडमिन वीएसएम, एयर मार्शल एस शिवकुमार ने चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेन्स कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट के शुभारंभ के अवसर पर एयर मार्शल बीके गर्ग शामिल होंगे, जबकि समापन पर एयर चीफमार्शल एपी सिंह के शिरकत करने की उम्मीद है। डीजी एडमिन वीएसएम, एयर मार्शल एस शिवकुमार ने कहा, हॉकी टूर्नामेंट कल (मंगलवार) से शुरू होगा, जो 6 मई तक चलेगा। एओसीएनसी, मेंटेनेंस कमांड, एयर मार्शल वी.के. गर्ग टूर्नामेंट का उद्घाटन करेंगे। यह टूर्नामेंट लीग स्टेज में राउंड-रॉबिन प्रारूप में होगा, उसके बाद नॉकआउट राउंड भी होंगे। फाइनल मैच 6 मई को होगा। उम्मीद है कि टूर्नामेंट के समापन समारोह में एयर चीफमार्शल एपी सिंह शिरकत करेंगे। इस अवसर पर वह फाइनल जीतने वाली टीम और रनर अप टीम को पुरस्कार भी देंगे। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि मार्शल ऑफद एयर फोर्स अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट-2025 सफल साबित होगा और साथ ही सभी टीमें अच्छा खेल दिखाएंगी। इस बार बांग्लादेश एयरफोर्स की टीम भी इसमें हिस्सा लेगी, बाकी तीनों सेनाओं से भी टीमें टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। बता दें कि 1965 के भारत-पाक युद्ध के नायक के रूप में प्रसिद्ध अर्जन सिंह, केवल एक सैनिक नहीं, बल्कि सच्चे राष्ट्रभक्त थे, जिन्होंने अपनी अंतिम सांस तक अनुशासन और समर्पण की मिसाल कायम की थी। 1938 में, अर्जन सिंह ने 19 साल की उम्र में रॉयल एयर फोर्स क्रैनवेल में ट्रेनिंग के दौरान भारतीय कैडेट्स के बैच में टॉप किया था। अर्जन सिंह वहां तैराकी के अलावा एथलेटिक्स और हॉकी टीमों के उपकप्तान भी थे। यह टूर्नामेंट मार्शल ऑफद एयर फोर्स अर्जन सिंह की 106वीं जयंती मनाने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है।

वैभव सूर्यवंशी ने लगाया शानदार शतक, राजस्थान जीता

चर्चित राजनीति। एजेंसी

जयपुर। वैभव सूर्यवंशी के रिकॉर्ड शतक और यशस्वी जायसवाल की अर्धशतकीय पारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने सोमवार को अपने घर सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मैच में गुजरात टाइटंस को आठ विकेट से हरा दिया। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में चार विकेट खोकर 209 रन बनाए थे। राजस्थान ने ये लक्ष्य 15.5 ओवरों में विकेट खोकर हासिल कर लिया। वैभव ने इस मैच में शानदार शतक जमाया जो उनका पहला आईपीएल शतक है। उन्होंने 38 गेंदों पर सात चौके और 11 छक्कों की मदद से 101 रनों की पारी खेली। इस पारी के दौरान उन्होंने कई रिकॉर्ड बना दिए। वह आईपीएल में फिफ्टी और शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने 17 गेंदों पर अर्धशतक और 35 गेंदों पर शतक जमाया। वह टी20 में शतक जमाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। इसके अलावा वह आईपीएल में सबसे तेज शतक जमाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं। विशाल टारगेट का पीछा करने उतरी राजस्थान को वैभव और यशस्वी ने शानदार शुरुआत की। वैभव ने जब एक्सीलेटर पर पैर रखा तो यशस्वी शांत हो गए। उन्होंने वैभव को मौका दिया और इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने पूरा फायदा उठाया। पहले उन्होंने 17 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। ये इस सीजन का सबसे तेज और आईपीएल में राजस्थान के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। यशस्वी ने 13 गेंदों पर अर्धशतक जमाया है। अर्धशतक जमाने के बाद तो वह और ज्यादा आक्रामक हो गए। उन्होंने गुजरात के किसी भी बल्लेबाज को नहीं छोड़ा। राशिद खान से लेकर मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा तक को कूटा। 10वां ओवर फेंकने आए करीम जनत पर तो वैभव टूट पड़े और 30 रन कूटे दिए। इस ओवर में उन्होंने तीन छक्के और इतने ही चौके जमाए। ये करीम का आईपीएल डेब्यू था जिसे वह कभी नहीं भूल पाएंगे। ये आईपीएल 2025 का अभी तक का सबसे महंगा ओवर है। वैभव की पारी का अंत 12वें ओवर की पांचवीं गेंद पर कृष्णा ने किया। वैभव बोल्ड हो गए। उन्होंने अपनी पारी में 11 छक्के मारे। इसी के साथ वह आईपीएल की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस मामले में वह मुरली विजय के साथ संयुक्त रूप से पहले नंबर पर हैं। यशस्वी के साथ उन्होंने 166 रनों की साझेदारी की जो राजस्थान के लिए आईपीएल में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। वैभव के जाने के बाद यशस्वी ने मोर्चा संभाला और अपना अर्धशतक पूरा किया। तीसरे नंबर पर आए नीतीश राणा जल्दी पवेलियन लौट गए। उन्होंने दो गेंदों पर चार रन ही बनाए। उन्होंने कप्तान रियान पराग के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। यशस्वी ने 40 गेंदो पर नौ चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 70 रन बनाए। पराग ने 15 गेंदो पर नाबाद 32 रन बनाए। इससे पहले, गुजरात की तरफ से एक बार फिर उसके टॉप-3 बल्लेबाजों का बल्ला चला। कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर साई सुदर्शन ने 93 रन जोड़े। सुदर्शन अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर पाए और 39 रन बनाकर आउट हो गए। फिर गिल और बटलर ने पारी को संभाला। ये दोनों 167 रनों तक स्कोर को ले गए। गिल शतक पूरा करने से पहले आउट हो गए। उन्होंने 50 गेंदों पर पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 85 रन बनाए। बटलर ने 26 गेंदों पर 50 रनों की नाबाद पारी खेली जिसमें तीन चौके और चार छक्के मारे।

> विशाल टारगेट का पीछा करने उतरी राजस्थान को वैभव और यशस्वी ने शानदार शुरुआत की। वैभव ने जब एक्सीलेटर पर पैर रखा तो यशस्वी शांत हो गए। उन्होंने वैभव को मौका दिया और इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने पूरा फायदा उठाया। पहले उन्होंने 17 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया।

मुझे किसी का डर नहीं, 14 साल के खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी ने दे दी गेंदबाजों को खुलेआम चेतावनी : वैभव सूर्यवंशी ने सोमवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ जो पारी खेली उससे अपना नाम अमर कर दिया। कोई भी अब उनकी इस पारी को नहीं भूल सकता है। इस पारी में उन्होंने न सिर्फ रन बरसाए बल्कि रिकॉर्ड भी। अपनी पारी से 14 साल के इस खिलाड़ी ने राजस्थान रॉयल्स को आठ विकेट से जीत दिलाई। वैभव ने कहा कि उन्हें किसी गेंदबाज से डर नहीं लगता। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में चार विकेट खोकर 209 बनाए। राजस्थान ने ये टारगेट 15.5 ओवरों में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। वैभव ने 38 गेंदों पर सात चौके और 11 छक्कों की मदद से 101 रन बनाए। उनके अलावा यशस्वी जायसवाल ने 40 गेंदों पर नाबाद 70 रनों की पारी खेली जिसमें नौ चौके और दो छक्के मारे। वैभव को इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। ट्रॉफी लेने आए वैभव से जब मुरली कार्तिक ने पूछा कि क्या उन्हें डर नहीं लगता तो उन्होंने कहा कि उन्हें किसी से डर नहीं लगता क्योंकि वह गेंदबाज को नहीं गेंद के देखते हैं। वैभव ने कहा, ÷काफी अच्छी फीलिंग है। मेरा पहला आईपीएल शतक था तो अच्छा लग रहा है। मैं काफी दिनों से मेहनत कर रहा था तो वो मेहनत रंग लाई। मैं मैदान पर खिलाड़ी को नहीं गेंद को देखता है। मैदान पर मैं ज्यादा सोचता नहीं हूं। आईपीएल में 100 बनाना मेरा सपना था तो वो पूरा किया। मुझे किसी तरह का डर नहीं। मैं इतना नहीं सोचता हूं सिर्फ गेंद पर ध्यान देता हूं।

'बच्चे नहीं है सूर्यवंशी' : वैभव ने जिस तरह की पारी खेली उसने साबित किया है कि उनकी उम्र बेशक बच्चों वाली है लेकिन उनका खेल बड़ों वाला है। अपनी पारी के दौरान वैभव ने मैच्योरिटी दिखाई। शतक लगाने के बाद वैभव ने आराम से जश्न मनाया। पूरी पारी के दौरान उनके चेहरे पर धीरज दिखाई दिया। उनके हावभाव में स्थिरता थी न की कोई आक्रामकता जो आमतौर पर 14 साल के बच्चे में इतने बड़े मंच पर शतक लगाने के बाद देखी जा सकती है। वैभव आईपीएल में अर्धशतक जमाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 14 साल में ये काम किया है। वह यहीं नहीं रुके। उन्होंने 35 गेंदों पर शतक जमाया और रिकॉर्ड बना दिया। वह इसी के साथ आईपीएल में सबसे तेज शतक बनाने वाले भारतीय बन गए हैं। वैभव ने शुरुआत से ही तेजी दिखाई और ताबड़तोड बल्लेबाजी की। उन्होंने 50 रन बनाने के लिए छह छक्के और चार चौकों का सहारा लिया। सूर्यवंशी ने वॉशिंगटन सुंदर द्वारा फेंके गए पांचवें ओवर में दो छक्के और दो चौके मारे। इससे पहले ईशांत शर्मा द्वारा फेंके गए चौथे ओवर में दो चौके और एक छक्का मारा। वैभव की ये फिफ्टी आईपीएल 2025 की सबसे तेजी फिफ्टी है। इससे पहले निकोलस पूरन ने इसी सीजन 18 गेंदों पर फिफ्टी बनाई थी। इसके अलावा वह राजस्थान के लिए सबसे तेज आईपीएल फिफ्टी बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले उनके सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल ने कोलकाता के खिलाफ पिछले सीजन में 13 गेंदों पर फिफ्टी बनाई थी। अर्धशतक के बाद तो वैभव रुके ही नहीं और ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए शतक जमा दिया। वह आईपीएल में शतक जमाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बन गए हैं। इसके अलावा वह आईपीएल में सबसे तेज शतक जमाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। इस मामले में क्रिस गेल पहले नंबर पर हैं जिन्होंने 30 गेंदो पर शत जमाया था। इसी के साथ टी20 में शतक जमाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले विजय जोल ने ये काम किया था। विजय जोल ने 2013 में 18 साल 118 दिनों में महाराष्ट्र से खेलते हुए मुंबई के खिलाफ शतक ठोका था। वैभव ने 38 गेंदों पर सात चौके और 11 छक्कों की मदद से 101 रनों की पारी खेली। इसी के साथ वह आईपीएल की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाले भारतीय बल्लेबाजों की फेहरिस्त में संयुक्त रूप से पहले नंबर पर आ गए हैं। मुरली विजय ने भी चेन्नई से खेलते हुए एक पारी में 11 छक्के मारे हैं। वैभव को प्रसिद्ध कृष्णा ने 12वें ओवर की पांचवीं गेंद पर बोल्ड किया। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने आईपीएल में लगातार अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। सोमवार को जब वह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उतरे तो एक बार फिर उनकी बल्लेबाजी देखने लायक थी। इस दौरान सुदर्शन अर्धशतक बनाने से चूक गए और एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम करने से रह गए। गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उनके सिर पर आईपीएल-2025 की ऑरेंज कैप सज चुकी है। सुदर्शन ने सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार पारी खेल ऑरेंज कैप अपने नाम की। लेकिन इस दौरान वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने से चूक गए। सुदर्शन ने इस मैच में 39 रनों की पारी खेली। अपनी पारी के दौरान उन्होंने 30 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाए। उन्होंने गुजरात के कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 93 रनों की साझेदारी की। 11वें ओवर की दूसरी गेंद पर वह पवेलियन लौटे। महीष तीक्षणा ने रियान पराग के हाथों उन्हें कैच कराया। अगर सुदर्शन 10 रन और बना लेते तो वह सचिन तेंदुलकर के बड़े रिकॉर्ड को अपने नाम कर लेते। इस मैच से पहले सुदर्शन के नाम 33 आईपीएल मैचों में 1451 रन थे। 1500 रन बनाने के लिए उन्हें 49 रनों की जरूरत थी। अगर वह 49 रन बना लेते तो 40 पारियों के अंदर 1500 आईपीएल रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन जाते और सचिन का रिकॉर्ड भी तोड़ देते। सचिन के नाम आईपीएल में सबसे तेज 1500 रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 44 पारियों में ये काम किया था। इस मामले में चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी सचिन के बराबर ही खड़े हैं। सुदर्शन के पास अभी भी ये रिकॉर्ड बनाने का समय है। इसके अलावा वह एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। वह 50 से काम पारियों में 2000 टी20 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन सकते हैं। टी20 में सबसे तेज 2000 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के शॉन मार्श के नाम है। उन्होंने 53 पारियों में ये काम किया था। इस मैच से पहले सुदर्शन को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 71 रन चाहिए थे। अब वह 32 रन दूर हैं। साई सुदर्शन ने आईपीएव-2022 में गुजरात से खेलते हुए ही आईपीएल डेब्यू किया था और तब से वह लगातार अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करते आ रहे हैं। पहले सीजन उन्हें सिर्फ पांच मैच खेलने मिले थे जिनमें उन्होंने 145 रन बनाए थे। 2023 में आठ मैचों में उनके बल्ले से 362 रन निकले थे जिसमें फाइनल में चेन्नई के खिलाफ खेली गई दमदार पारी थी। 2024 में सुदर्शन ने 12 मैचों में 527 रन बनाए थे।

> ■ 10वां ओवर फेंकने आए करीम जनत पर तो वैभव टूट पड़े और 30 रन कूटे

2 साल बाद बदल जाएगा आईपीएल : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) दुनिया की सबसे बड़ी और मशहूर क्रिकेट लीग है। दुनिया का हर क्रिकेटर इस लीग में खेलने का सपना देखता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अब फैंस के मनोरंजन को दोगुना करने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। बीसीसीआई लीग में बदलाव के मूड़ में है। हालांकि, ये बदलाव अभी नहीं बल्कि साल 2028 से दिखाई दे सकता है। आईपीएल की शुरुआत 2008 में हुई थी। तब इसमें आठ टीमें खेला करती थीं। बीच में कुछ टीमों की एंट्री हुई लेकिन बाद में ये टीमें चली गई और फिर आठ टीमें ही रह गई। लेकिन आईपीएल-2022 में फिर दो नई टीमों की एंट्री हुई। इस साल लखनऊ सुपरजायंट्स और गुजरात टाइटंस की टीमें आईपीएल में आई और खेल रही हैं। दो नई टीमों के आने से मैचों की संख्या में भी इजाफा देखने को मिला। हालांकि, आईपीएल के होम एंड अवे फॉर्मेट में कुछ बदलाव आया है। अब हर टीम होम एंड अवे फॉर्मेट में नहीं खेलतीं। 10 टीमों को दो ग्रुप में डिवाइड कर फॉर्मेट बदला गया जिसते तहत टीमों को ग्रुप ए और बी में बांटा गया।

एसुस और विद्या संस्था की अनूठी पहल, 6000 से अधिक वंचित बच्चों को मिलेगा डिजिटल कौशल

चर्चित राजनीति। एजेंसी

मुम्बई। टेक्नोलॉजी दिग्गज एसुस ने विद्या संस्था के साथ मिलकर एक महत्वाकांक्षी डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस पहल के तहत पश्चिम भारत के पिछड़े इलाकों के 6000 से अधिक वंचित बच्चों और युवाओं को डिजिटल रूप से कुशल बनाया जाएगा, जिससे उनके भविष्य को नई दिशा मिल सकेगी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कक्षा 1 से 10 तक के 6,130 बच्चों और युवाओं को इंटरैक्टिव और प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षण विधियों के माध्यम से आवश्यक डिजिटल ज्ञान और कौशल प्रदान करना है।

यूनाइटेड नेशंस के डिजिटल लिटरेसी फ्रेमवर्क पर आधारित इस पाठ्यक्रम को बच्चों की उम्र के अनुसार विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। इस पहल का पहला चरण मुंबई में शुरू होगा, जिसके बाद इसे गोवा और गुजरात में भी लागू किया जाएगा। अपनी स्थापना के बाद से ही एसुस भारत में नई तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, एसुस इंडिया ने विद्या संस्था के साथ साझेदारी की है ताकि डिजिटल खाई को कम किया जा सके। इस सहयोग के माध्यम से एसुस इंडिया और विद्या संस्था सीधे तौर पर 5,480 बच्चों और 650 युवाओं तक पहुंचेंगे, जिनमें से अधिकांश पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी हैं और निम्न आय वर्ग के परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। चयनित स्कूलों में अत्याधुनिक डिजिटल लैब्स स्थापित की जाएंगी, जहां छात्रों को साप्ताहिक पाठ्यक्रम के माध्यम से कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी, डिजिटल स्टोरीटेलिंग, पोस्टर डिजाइनिंग, प्रोग्रामिंग (स्क्रैच और पायथन) और डिजिटल नैतिकता जैसे महत्वपूर्ण विषय पढ़ाए जाएंगे। इस व्यापक शिक्षण का लक्ष्य बच्चों में रचनात्मक सोच, सहयोगात्मक कार्य और स्वयं सीखने की आदतों को प्रोत्साहित करना है। युवाओं को इस साझेदारी के अंतर्गत डिजिटल और आईटी से संबंधित प्रमाणित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

यह प्रशिक्षण एनआईआईटी फाउंडेशन, नैसकॉम फ्यूचर स्किल्स प्राइम और स्किल इंडिया मिशन जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों के साथ-साथ करियर मार्गदर्शन, अंग्रेजी संचार कौशल, नौकरी के लिए तैयारी और पूर्व छात्र सहायता भी प्रदान की जाएगी, जिससे शिक्षा से लेकर रोजगार तक का पूरा सफर सुगम हो सके। यह कार्यक्रम न केवल डिजिटल और करियर कौशल प्रदान करता है, बल्कि इंटर्नशिप, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सहायता के माध्यम से भविष्य के लिए एक स्पष्ट मार्ग भी प्रशस्त करता है। कार्यक्रम की शुरुआत पर एसुस इंडिया के कंट्री हेड एरिक ओउ ने कहा, ÷एसुस का लक्ष्य केवल तकनीक प्रदान करना नहीं है, बल्कि इसके सही उपयोग को उन लोगों तक पहुंचाना है जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, हम वंचित समुदायों के बच्चों और युवाओं को वे डिजिटल कौशल प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं जो आज के समय में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एसुस के उपकरणों और विद्या के प्रभावी पाठ्यक्रम के माध्यम से, हम स्कूलों में डिजिटल लैब्स स्थापित कर रहे हैं ताकि आने वाली पीढ़ी को भविष्य के लिए पूरी तरह से तैयार किया जा सके। विद्या इंडिया की संस्थापक अध्यक्ष रश्मि मिश्रा ने कहा, प्रत्येक बच्चे को सपने देखने, सीखने और डिजिटल दुनिया में आगे बढ़ने का अधिकार है। एसुस के साथ मिलकर, हम हजारों बच्चों के लिए नए रास्ते खोल रहे हैं, जिनमें से कई पहली बार स्कूल जाने वाले बच्चे हैं जो वंचित समुदायों से आते हैं। यह पहल केवल डिजिटल साक्षरता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उम्मीद, अवसर और सशक्तिकरण की कहानी है। हमें गर्व है कि हम एसुस के साथ मिलकर इन बच्चों के भविष्य को आकार देने में भागीदार बन रहे हैं।

> ■ यूनाइटेड नेशंस के डिजिटल लिटरेसी फ्रेमवर्क पर आधारित इस पाठ्यक्रम को बच्चों की उम्र के अनुसार विशेष रूप से डिजाइन किया गया है

एसुस भारत न केवल डिजिटल पहुंच को बेहतर बना रहा है, बल्कि जरूरतमंद बच्चों और युवाओं के लिए शिक्षा, करियर और आत्मसम्मान के नए द्वार भी खोल रहा है। यह पहल समाज में अवसरों की समानता और सकारात्मक बदलाव लाने की एसुस इंडिया की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस कार्यक्रम से अप्रत्यक्ष रूप से 2,000 से अधिक समुदाय के लोगों को भी लाभ मिलेगा, जिससे एक मजबूत भविष्य की नींव रखी जा सकेगी। बता दें कि डिजिटल शिक्षा का अर्थ है शिक्षा और सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए डिजिटल उपकरणों और प्रौद्योगिकी का उपयोग करना। यह शिक्षा को अधिक इंटरैक्टिव, इमर्सिव और समावेशी बनाने में मदद करता है। डिजिटल शिक्षा में ऑनलाइन पाठ्यक्रम, डिजिटल पाठ्यपुस्तकें और शैक्षिक अनुप्रयोग शामिल हैं।

भारत एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप क्वालीफायर में म्यांमार, इंडोनेशिया, तुर्कमेनिस्तान से खेलेगा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत की अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम को एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप थाईलैंड 2026 क्वालिफायर के ग्रुप डी में रखा गया है। भारत के साथ इस ग्रुप में म्यांमार, इंडोनेशिया और तुर्कमेनिस्तान की टीमें भी हैं। यह ड्रॉ मलेशिया के कुआलालंपुर में एएफसी हाउस में सोमवार को निकाला गया। ग्रुप ए में पिछली बार की विजेता डीपीआर कोरिया, नेपाल, मेजबान भूटान, मंगोलिया और सऊदी अरब की टीमें आपस में भिड़ेंगी। ग्रुप बी में मेजबान वियतनाम के साथ किर्गिस्तान, हॉन्गकॉन्ग, चीन और सिंगापुर की टीमें शामिल हैं। ग्रुप सी में ऑस्ट्रेलिया, चीनी ताइपे, फिलिस्तीन और मेजबान ताजिकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी। ग्रुप डी के मुकाबले म्यांमार में 6 से 10 अगस्त के बीच एक ही स्थान पर राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में कराए जाएंगे। ग्रुप ई में मेजबान और पूर्व विजेता चीन पीआर, लेबनान, कंबोडिया और सीरिया की टीमें आमने-सामने होंगी। ग्रुप एफ में छह बार की विजेता जापान, ईरान, मेजबान मलेशिया और गुआम की टीमें खेलेंगी। ग्रुप जी में मेजबान उज्बेकिस्तान, जॉर्डन, नॉर्दर्न मारियाना आइलैंड्स और बहरीन की टीमें होंगी। ग्रुप एच में कोरिया गणराज्य (पूर्व विजेता), बांग्लादेश, मेजबान लाओस और तिमोर-लेस्ते के बीच मुकाबला होगा। कुल 33 टीमों को आठ ग्रुपों में बांटा गया है ग्रुप ए में पांच टीमें हैं और बाकी सात ग्रुपों में चार-चार टीमें हैं। हर ग्रुप की विजेता टीम और तीन सर्वश्रेष्ठ उपविजेता टीमें, मेजबान थाईलैंड के साथ मिलकर एएफसी यू 20 महिला एशियाई कप के 12वें संस्करण में खेलेंगी, जो कुल 12 टीमों का टूर्नामेंट होगी। यह टूर्नामेंट 1 अप्रैल से 18 अप्रैल 2026 तक चलेगा। बहरीन, बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, इंडोनेशिया, किर्गिस्तान, लाओस, लेबनान, मंगोलिया, नॉर्दर्न मारियाना आइलैंड्स, फिलिस्तीन, सऊदी अरब, सीरिया, ताजिकिस्तान, तिमोर लेस्ते और तुर्कमेनिस्तान पहली बार एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप में खेलने की ओर देख रहे हैं। इस टूर्नामेंट में टॉप चार टीमें फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगी। पहले, एएवफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप में आठ टीमें खेलती थीं, लेकिन 2026 से इसमें 12 टीमें खेलेंगी।

लोग टी20 में साझेदारी के महत्व को भूल रहे हैं इस प्लेयर को बताया डार्क हॉर्स : कोहली

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली ने टी20 क्रिकेट में साझेदारी के महत्व पर बात की, खासकर उन विकेटों पर जहां शुरू से ही जीत दर्ज करना संभव नहीं है। आईपीएल में अब तक की पिचें धीमी रही हैं, जिससे बल्लेबाजों को पहली गेंद से ही आक्रामक होने का मौका नहीं मिला। हालांकि, कोहली और केएल राहुल जैसे बल्लेबाज चुनौतीपूर्ण बल्लेबाजी परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कोहली ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 10 आईपीएल पारियों में अपना छठा अर्धशतक जमाया जिससे आरसीबी को घर से बाहर अपनी अपराजित स्थिति को बनाए रखने में मदद मिली। जीत के बाद क्रुणाल पांड्या के साथ दूसरे नंबर पर खेलने वाले कोहली ने कहा, यह एक बेहतरीन जीत थी, खासकर सतह को देखते हुए। हमने यहां कुछ मैच देखे और यह विकेट उन मैचों की तुलना में अलग था। जब भी कोई लक्ष्य का पीछा करता है, तो मैं डगआउट से पूछता रहता हूं कि हम सही रास्ते पर हैं या नहीं। कोहली ने अपनी बल्लेबाजी पद्धति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि वे परिस्थितियों का विश्लेषण करते हैं और उसके अनुसार अपनी खेल शैली बदलते हैं। कोहली से जब पूछा गया कि वे लक्ष्य का पीछा करने की योजना कैसे बनाते हैं, तो उन्होंने बताया, बोर्ड पर कुल स्कोर क्या है। परिस्थितियां कैसी हैं। कौन से गेंदबाज गेंदबाजी करने वाले हैं। कौन से गेंदबाज ऐसे हैं जिन्हें आउट करना मुश्किल होगा। मैं कोशिश करता हूं कि मेरे सिंगल और डबल्स न रुकें, ताकि खेल में ठहराव न आए। लोग साझेदारी के महत्व को भूल रहे हैं और इस टूर्नामेंट में साझेदारी और पेशेवराना अंदाज के जरिए गेंदबाजों पर हावी होने की कोशिश करना सामने आ रहा है।

फिर ट्रोलर्स के निशाने पर मौनी रॉय, कहा-सर्जरी की दुकान, लेकिन फैंस को पसंद आया नया लुक

मौनी रॉय अपनी आगामी फिल्म 'भूतनी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच वह एक इवेंट में पहुंचीं। अभिनेत्री का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें व्हाइट सैटिन की मिनी ड्रेस में नजर आईं। वीडियो के सामने आते ही अभिनेत्री एक बार फिर ट्रोलर्स के निशाने पर आ गईं। यूजर्स ने उन्हें फिर से सर्जरी और बोटॉक्स कराने को लेकर ट्रोल किया। हालांकि, अभिनेत्री अपने एक हालिया बयान में कह चुकी हैं कि उन्हें इन सब चीजों से फर्क नहीं पड़ता। अभिनेत्री के नए लुक के वीडियो को देखकर ट्रोलर्स ने उन पर एक बार फिर निशाना साधा और सर्जरी कराने की बात कही। एक यूजर ने लिखा, 'सर्जरी की दुकान' एक अन्य ने लिखा, 'और थोड़े फिलर्स करवा लेती, तभी तो फ्लिक्स करने की जरूरत पड़ी है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, कूल बनने के चक्कर में बैड लुक आ गया सिर्फ बोटोक्स। अब इनका नाम बोटोक्स गर्ल है।' एक और ने लिखा, 'शरीर पर कुछ भी करते हैं।'

हालांकि, मौनी रॉय के फैंस को उनका यह लुक काफी पसंद आया। उन्होंने कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफ भी की। एक यूजर ने लिखा, 'बहुत सुंदर लग रही हैं।' एक अन्य ने लिखा, 'बेबी डॉल' एक और यूजर ने लिखा, 'बहुत सुंदर'। मीडिया से बातचीत के दौरान अभिनेत्री मौनी रॉय से जब उनकी ट्रोलिंग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, कुछ नहीं, देखती ही नहीं। सबको अपना काम करने दो। मैं ऐसी टिप्पणियों पर ध्यान नहीं देती। अगर आप दूसरों को ट्रोल करने के लिए पर्दे के पीछे छिपते हैं और अगर आपको इसमें खुशी मिलती है तो ऐसा ही हो। मौनी रॉय की आगामी हॉरर एक्शन-कॉमेडी फिल्म द भूतनी 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में मौनी भूतनी का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में संजय दत्त, सनी सिंह, पलक तिवारी, बेयूनिक और आसिफ खान मुख्य भूमिका में हैं। वहीं मौनी रॉय की अपकमिंग हॉरर एक्शन-कॉमेडी फिल्म द भूतनी सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में उनके किरदार का नाम मोहब्बत है। फिल्म में मौनी रॉय ने अपने स्टंट खुद किए हैं। मौनी ने द भूतनी के लिए द भूतनी के पीछे की एक एक्सक्लूसिव जानकारी शेयर की। इस बारे में अभिनेत्री ने बताया, मैंने अपने सभी स्टंट खुद ही सीखे हैं।

पिछले कामों की वजह से मेरे लिए यह एक आसान प्रक्रिया थी। मुझे लगता है कि स्टंट कलाकार एक फॉर्मेट है और मैं खुद एक अच्छी डांसर हूं तो मेरे लिए यह आसान रहा। मैं सुपरनैचुरल टीवी शो नागिन के 2 सीजन और फिक्शन फिल्म ब्रह्मास्त्र में भी काम कर चुकी हूं तो इसने भी मेरी मदद की। इसने मुझे भूतनी के लिए ट्रेनिंग दी। फिल्म में कमाल की स्टार टीम थी और मेरे सह-कलाकार बेहतरीन थे। इस बहुप्रतीक्षित ड्रामा में संजय दत्त, मौनी रॉय, सनी सिंह, पलक तिवारी, जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। भूत भगाने वाले की भूमिका निभाने वाले संजय दत्त ने बताया कि उन्हें इस किरदार की ओर क्या आकर्षित करता है। अभिनेता ने बताया, मुझे कॉमेडी बहुत पसंद है। भूतनी एक ऐसी फिल्म है जिसमें हॉरर और कॉमेडी का अच्छा मिश्रण है। असल में हॉरर कॉमेडी सबसे कठिन है लेकिन स्टाइल में से एक है। जब मैंने स्क्रिप्ट लिखी, तो मुझे लगा कि इसमें दर्शकों का मनोरंजन करने की क्षमता है। मैंने अपनी भूमिका को अलग बनाया।

> **अभिनेत्री के नए लुक के वीडियो को देखकर ट्रोलर्स ने उन पर एक बार फिर निशाना साधा और सर्जरी कराने की बात कही। एक यूजर ने लिखा, 'सर्जरी की दुकान' एक अन्य ने लिखा, 'और थोड़े फिलर्स करवा लेती, तभी तो फ्लिक्स करने की जरूरत पड़ी है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, कूल बनने के चक्कर में बैड लुक आ गया सिर्फ बोटोक्स।**

मैं पहली बार भूत भगाने वाले बाबा का किरदार निभा रहा हूं। इस कलाकारी में मुझे पसंद किया जाएगा। हाल ही में अभिनेत्री मौनी रॉय ने एक इवेंट में शिरकत की। इस दौरान उनके नए लुक ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। वह गाउन में नजर आईं और बालों के लिए उन्होंने बैंग्स लुक चुना। फैंस को उनका यह लुक काफी पसंद आ रहा है। मौनी के इस लुक को देखकर नेटिजन्स ने उन्हें ट्रोल भी करना शुरू कर दिया है। यूजर्स ने उन्हें कहा कि उन्होंने एक और सर्जरी करवाई है।

मौनी रॉय के नए लुक के वायरल हो रहे वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट किया, ये क्यूट है। सर्जरी की दुकान पूरे चेहरे का डिजाइन बन गया है जैसे बच्चे ड्रॉइंग करते हैं टेड़ा मेड़ा वैसे ही डॉक्टर ने भी कुछ आर्टिस्ट कर दिया है। एक अन्य यूजर ने लिखा, फिर से चेहरा बदलवा लिया। एक और नेटिजन्स ने कमेंट किया, सर्जरी करके वाट लगा दी है, पहचान में ही नई है और यह कैसे क्यूट हो सकता है? इस इवेंट में मौनी रॉय के साथ सोनम बाजवा और दिशा पाटनी भी थीं। कहा जाता है कि मौनी और दिशा बहुत करीबी दोस्त हैं और उन्हें कई बार साथ में देखा गया है। अभिनेत्री के पास 'सलाकार' नामक एक फिल्म भी है। मौनी रॉय ने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी। अब वह फिल्मों में भी नजर आने लगी हैं। फिल्म 'गोल्ड' से शुरुआत करने के बाद वह 'मेड इन चाइना', 'ब्रह्मास्त्र' जैसी फिल्मों में नजर आईं। बता दें कि बॉलीवुड में प्लास्टिक सर्जरी का ट्रेंड कोई नया नहीं है, लेकिन हर बार इसका रिजल्ट अच्छा ही आए, ये ज़रूरी नहीं। मौनी रॉय की हालिया तस्वीरों ने फैंस को चौंका दिया है, जहां लोग उन्हें पहचानने तक में मुश्किल महसूस कर रहे हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है, और इसी के चलते उनका लुक काफी बदल गया है। वैसे, सर्जरी करवाने वाली वो अकेली एक्ट्रेस नहीं हैं। प्रियंका चोपड़ा, अनुष्का शर्मा, श्रुति हासन, कोएना मित्रा और राखी सावंत जैसी कई एक्ट्रेसेस ने अपने लुक को सुधारने के लिए सर्जरी का सहारा लिया, लेकिन हर किसी को इससे फायदा नहीं हुआ। कोएना मित्रा की नाक की सर्जरी खराब होने के बाद उनके करियर पर बुरा असर पड़ा, जबकि अनुष्का के होंठों की सर्जरी पर काफी विवाद हुआ। अब सवाल ये उठता है कि प्लास्टिक सर्जरी से सच में फायदा होता है या ये फायदे से ज्यादा नुकसान कर सकती है?

अगर सर्जरी सही तरीके से हो जाए तो लुक में सुधार आ सकता है, लेकिन अगर ज़रा भी गड़बड़ हो गई तो चेहरे के एक्सप्रेशन्स बदल जाते हैं, असंतुलित लुक आ जाता है और कई बार पर्मानेंट डैमेज भी हो सकता है। कई मामलों में सर्जरी के बाद इंफेक्शन, स्किन एलर्जी और टिशू डैमेज जैसी दिक्कतें भी आ सकती हैं। इसके अलावा, बार-बार कॉस्मेटिक सर्जरी करवाने से चेहरे की नैचुरल ब्यूटी खत्म हो सकती है और इंसान का लुक पूरी तरह से बदल सकता है।

:: नेशनल डेस्क

जाट की सफलता के बाद देहरादून पहुंचे सनी देओल, अगली फिल्म के बारे में दी जानकारी

फिल्म जाट की जबरदस्त सफलता के बाद दिग्गज अभिनेता सनी देओल देहरादून पहुंच चुके हैं। यहां उन्होंने अपने फैंस के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर लेटेस्ट जानकारी साझा की। अभिनेता सनी देओल इस समय देहरादून में बहुप्रतीक्षित सीक्वल की शूटिंग कर रहे हैं। गदर अभिनेता ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया। जिसमें उन्होंने देहरादून के खूबसूरत नजारों के बीच सूर्यास्त का नजारा दिखाया। अपने आस-पास की सुंदरता की सराहना करते हुए सनी को यह कहते हुए सुना गया, बहुत सुंदर। उनके वीडियो के साथ कैप्शन लिखा था, देहरादून में खराब मौसम और खूबसूरत सूर्यास्त के बीच बॉर्डर की शूटिंग करने पहुंच गया हूं। बॉर्डर 2 में सनी के साथ वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ भी मुख्य भूमिका में हैं। फरवरी में निर्माताओं ने झांसी में फिल्म के सेट से एक बीटीएस तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की थी। तस्वीर में सनी देओल, वरुण धवन, निर्माता भूषण कुमार, निधि दत्ता, सह-निर्माता शिव चानना, बिनॉय गांधी और निर्देशक अनुराग सिंह सहित बॉर्डर 2 की टीम नजर आ रही है। तस्वीर में सनी और वरुण एक टैंक के ऊपर बैठे हुए दिख रहे हैं, जबकि निर्माता उसके सामने खड़े हैं। कैप्शन में लिखा है, एक्शन, विरासत और देशभक्ति। झांसी की बीहड़ छावनी में बॉर्डर 2 के सेट पर सनी देओल, वरुण धवन, निर्माता भूषण कुमार, निधिदत्ता। 23 जनवरी, 2026 को वीरता और बलिदान की गाथा के लिए तैयार हो जाइए। यह फिल्म अनुराग सिंह के निर्देशन में बन रही है। 1997 की युद्ध ड्रामा बॉर्डर की सीक्वल यह फिल्म कथित तौर पर 1999 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए कारगिल युद्ध पर आधारित है। पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की और भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया, जिसमें से ज्यादातर कारगिल जिले में था। भारत ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए एक बड़ा सैन्य और कूटनीतिक हमला करके जवाब दिया। आधिकारिक डेटा का दावा है कि 75 से 80 फीसदी घुसपैठ वाले क्षेत्र और लगभग सभी ऊंचे इलाकों को भारतीय नियंत्रण में वापस ले लिया गया।

:: एजेंसी

9 मई को होगा प्राइम वीडियो की दिल छू लेने वाली ग्राम चिकित्सालय का प्रीमियर

भारत के सबसे पसंदीदा मनोरंजन डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो, ने आज अपनी आने वाली ओरिजिनल ड्रामा सीरीज ग्राम चिकित्सालय की रिलीज डेट की घोषणा की है, यह सीरीज 9 मई को प्रीमियर होगी। टीवीएफ(द वायरल फीवर) के बैनर तले बनी इस ओरिजिनल सीरीज को दीपक कुमार मिश्रा द्वारा रचित किया है, जबकि इसकी कहानी वैभव सुमन और श्रेया श्रीवास्तव ने लिखी है और निर्देशन राहुल पांडे ने किया है। पांच भागों वाली यह सीरीज एक महत्वाकांक्षी शहरी डॉक्टर डॉ. प्रभात की यात्रा पर आधारित है, जो एक दूरदराज के गांव में लगभग बंद पड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र को फिर से शुरू करने के लिए उसे सरकारी तंत्र की अड़चनों, स्थानीय लोगों की शंकाओं और छोटे कस्बे की अनोखी परेशानियों से जूझना पड़ता है। ग्राम चिकित्सालय में अमोल पाराशर और विनय पाठक मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, उनके साथ आकांक्षा रंजन कपूर, आनंदेश्वर द्विवेदी, आकाश मखीजा और गरिमा विक्रांत सिंह जैसे शानदार कलाकार भी अहम किरदार निभाते हुए दिखेंगे। यह सीरीज 9 मई से भारत समेत दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में केवल प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। प्राइम वीडियो इंडिया के कंटेंट लाइसेंसिंग निदेशक मनीष मेंघानी ने कहा,, ष्प्राइम वीडियो में हमारा मिशन सिर्फमनोरंजन तक सीमित नहीं है दृ हम भारत की समृद्ध विविधता को उन कहानियों के जरिए पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो न सिर्फहमारे स्थानीय रंगों का जश्न मनाते हैं बल्कि वैश्विक दर्शकों से भी जुड़ती हैं। ग्राम चिकित्सालय इस दृष्टिकोण को पूरी तरह दर्शाता है।

यह सीरीज हास्य और सम्मोहक सामाजिक टिप्पणियों को एक साथ बहुत ही कुशलता से पिरोती है, तथा ग्रामीण भारत के हृदय में एक आदर्शवादी युवा डॉक्टर की कहानी कहती है। यह यात्रा दर्शकों को एक ऐसे अनुभव से रूबरू कराती है जो विशुद्ध रूप से भारतीय होते हुए भी मानवीय भावनाओं से सार्वभौमिक रूप से जुड़ा है। द वायरल फीवर (टीवीऍफ) के साथ हमारी सफल साझेदारी, जिसने लगातार पथ-प्रदर्शक कहानियां प्रस्तुत की हैं, को आगे बढ़ाते हुए हमें पूरा विश्वास है कि ग्राम चिकित्सालय अपनी गहराई से भरी कहानी, प्रतिभाशाली कलाकारों की टीम और ग्रामीण जीवन की जीवंत प्रस्तुति के साथ दर्शकों को पूरी तरह से आकर्षित करेगी।

:: एजेंसी

बार-बार सिर घूमना हो सकता है इस गंभीर समस्या का संकेत

सिर का घूमना और सिरदर्द दो अलग-अलग समस्याएँ हैं, लेकिन कई बार लोग इन्हें एक जैसा समझ लेते हैं। जब सिर में चक्कर जैसे महसूस होते हैं, तो यह सिरदर्द से बिलकुल अलग समस्या होती है। इसे वर्टिगो कहते हैं, और यह एक आम समस्या हो सकती है, लेकिन इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह कभी-कभी किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है। वर्टिगो एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को अचानक सिर घूमने जैसा महसूस होता है। यह अचानक किसी भी दिशा में घूमने पर हो सकता है, जिससे चक्कर आ जाते हैं। यह स्थिति सिर के अलावा कान से भी जुड़ी होती है। सिर का घूमना, जिसे हम वर्टिगो भी कहते हैं, कई कारणों से हो सकता है। इसके मुख्य कारणों में कान से जुड़ी बीमारियां, खड़े होने या बैठने के समय सिर का घूमना, या अचानक दिशा बदलने पर चक्कर आना शामिल हैं। यह स्थिति बहुत असुविधाजनक हो सकती है, और कुछ मामलों में यह रोजमर्रा की जिंदगी में समस्या उत्पन्न कर सकती है। वर्टिगो का कोई विशेष मेडिकल इलाज नहीं है, लेकिन इसे कम करने के लिए कुछ एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में शामिल किया जा सकता है। यह एक्सरसाइज वर्टिगो में राहत देने में मदद कर सकती हैं।

:: एजेंसी

एक रात में ही केला पककर हो जाता है खराब तो इन तरीकों से करें स्टोर

केला एक ऐसा फल है जिसे हर उम्र का व्यक्ति आसानी से खा सकता है। यह ना सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि पौष्टिक तत्वों से भी भरपूर होता है। केले में पोटैशियम, फाइबर, विटामिन बी6, विटामिन सी और कार्बोहाइड्रेट अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। यह शरीर को ऊर्जा देने के साथ साथ पाचन तंत्र, हृदय स्वास्थ्य और ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित रखने में मदद करता है।

हालांकि, जितना यह फल स्वास्थ्य के लिए अच्छा है उतनी ही परेशानी इसे स्टोर करने में होती है। केला जल्दी पकता है और सही तरीके से स्टोर न किया जाए तो कुछ ही दिनों

में गलकर सड़ जाता है। चलिए जानते हैं कैसे आप केलों को लंबे समय तक ताजा रख सकते हैं। केले को साफ पानी से धो लें: केले के ऊपर अक्सर केमिकल या मोम की परत लगी होती है, जो जल्दी पकाने के लिए डाली जाती है। अगर आप इसे धो लें तो ये केमिकल हट जाते हैं और केले का पकना थोड़ा धीमा हो जाता है। बाजार से खरीदते समय कोशिश करें कि थोड़ा कच्चा (हल्का हरा) केला लें। इससे आपके पास उसे स्टोर करने के लिए ज्यादा समय होगा और वह धीरे-धीरे अपने आप घर पर पक जाएगा।

केले को हमेशा हैंगिंग बनाना होल्डर या रस्सी पर टांग कर रखें। ऐसा करने से केले के नीचे वाला हिस्सा दबता नहीं है, जिससे वह जल्दी नहीं गलता। अगर आपके पास बनाना हैंगर नहीं है, तो केले को किसी ऐसी जगह पर रखें जहां वे एक-दूसरे पर दबें नहीं। केले को कभी भी फ्रिज में न रखें जब तक वह पूरी तरह से पका न हो। केला फ्रिज में रखने से उसका छिलका काला पड़ जाता है और वह अपना स्वाद भी खो देता है।

:: लोकल डेस्क

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

वक्फ अधिनियम को

इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी), जमीयत उलेमा-ए-हिंद, द द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक), अधिवक्ता तारिक अहमद के प्रतिनिधित्व वाले एयूक्यूएएफ के कर्नाटक राज्य औकफबोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अनवर बाश, कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी एवं मोहम्मद जावेद की याचिकाएं शामिल हैं। तीन वकीलों को नोडल वकील नियुक्त करते हुए पीठ ने वकीलों से कहा कि वे आपस में तय करें कि कौन बहस करेगा। याचिकाकर्ताओं को सरकार के जवाब के पांच दिनों के भीतर, उस पर अपने जवाब दाखिल करने की अनुमति दी गई। पीठ ने कहा, ''हम स्पष्ट करते हैं कि अगली सुनवाई (पांच मई) प्रारंभिक आपत्तियों और अंतरिम आदेश के लिए होगी। केंद्र ने 17 अप्रैल को पीठ को आश्वासन दिया कि वह पांच मई तक ''उपयोगकर्ता द्वारा वक्फसहित वक्फसंपत्ति को न तो अधिसूचित करेगा और न ही केंद्रीय वक्फ परिषद और बोर्ड में कोई नियुक्ति करेगा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह आश्वासन तब दिया जब उन्होंने प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि संसद ने वक्फकानून को ''उचित विचार-विमर्श के साथ पारित किया था और सरकार का पक्ष सुने बिना इस पर रोक नहीं लगाई जानी चाहिए। बाद में केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने संशोधित वक्फअधिनियम का बचाव करते हुए एक प्रारंभिक 1,332-पृष्ठ का हलफनामा दायर किया और संसद द्वारा पारित ''संवैधानिकता की परिकल्पना वाले कानून पर अदालत द्वारा किसी भी तरह की ''पूर्ण रोक का विरोध किया। मंत्रालय ने शीर्ष अदालत से कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का आग्रह करते हुए कहा कि इनमें कुछ प्रावधानों के संबंध में ''शरारतपूर्ण झूठी बातें कही गई हैं। केंद्र ने हाल में अधिनियम को अधिसूचित किया है। इस अधिनियम को दोनों सदनों में जबरदस्त चर्चा के बाद संसद से पारित होने पर पांच अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिली। राज्यसभा में विधेयक का 128 सदस्यों ने समर्थन और 95 सदस्यों ने विरोध किया जबकि लोकसभा में 288 सदस्यों ने इसका समर्थन और 232 सदस्यों ने विरोध किया।

2050 तक समुद्र

है। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 1 मिलियन (10 लाख) से अधिक प्रजातियाँ निकट भविष्य में विलुप्त हो सकती हैं। आईयूसीएन रेड लिस्ट के अनुसार, वर्तमान में 42,100 से अधिक प्रजातियाँ विलुप्ति के खतरे में हैं। 1970 से अब तक 60 प्रतिशत से अधिक वन्यजीव आबादी समाप्त हो चुकी है। प्रति घंटे तीन प्रजातियाँ हमेशा के लिए विलुप्त हो रही हैं। 99प्रतिशत संकटग्रस्त प्रजातियाँ मानवीय गतिविधियों जैसे वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और अवैध व्यापार के कारण संकट में हैं। अनुमान है कि 2050 तक समुद्र में मछलियों से अधिक प्लास्टिक कचरा होगा। विधायक ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्व में वायु प्रदूषण के कारण हर वर्ष 70 लाख लोगों की मृत्यु होती है, जिनमें से 25 लाख मौतें भारत में होती हैं। डॉ. राजेश्वर सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त की कि उत्तर प्रदेश का वन क्षेत्र बढ़कर लगभग 10 प्रतिशत तक पहुँच गया है। उन्होंने कहा कि दुधवा क्षेत्र में बाघों की संख्या लगभग दोगुनी हो चुकी है और गेंडों की संख्या में भी वृद्धि दर्ज की गई है, जो संरक्षण प्रयासों की सफलता का प्रतीक है। उन्होंने फील्ड डायरेक्टर राजा मोहन को बाघ संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य के लिए विशेष बधाई दी और जिलाधिकारी दुर्गाशक्ति नागपाल द्वारा जल संरक्षण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों की भी सराहना की, जिनके लिए उन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया है। अंबालिका ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के चेयरमैन अम्बिका मिश्रा द्वारा वाइल्डलाइफ कंजरवेशन के क्षेत्र में किए जा रहे सतत कार्यों की भी डॉ. सिंह ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। डॉ. सिंह ने घोषणा की कि 10 गांवों में सिलाई केंद्रों की स्थापना कराई जाएगी, जिससे ग्रामीण महिलाओं को आजीविका का साधन मिलेगा। सीएसआर फंड के माध्यम से उन सेंचुरी क्षेत्रों में वाटर पंप्स लगाए जाएंगे, जहाँ इसकी आवश्यकता है। स्कूलों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित कराई जाएगी ताकि भविष्य की बदलती नौकरियों की आवश्यकताओं के अनुरूप बच्चों को तकनीकी शिक्षा से लैस किया जा सके, क्योंकि अनुमान है कि 2030 तक वर्तमान 70 प्रतिशत नौकरियाँ अस्तित्व में नहीं रहेंगी। डॉ. सिंह ने यह भी बताया कि उन्होंने विधानसभा में अस्थाई वन्य कर्मियों को स्थायी करने का प्रस्ताव रखा है तथा मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि उत्तर प्रदेश बोर्ड के पाठ्यक्रम में पर्यावरणीय शिक्षा को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया जाए। इससे प्रदेश के 25 लाख छात्रों को पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जागरूक बनाया जा सकेगा। सरोजनी नगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने इस अभियान में सहभागिता तथा वाचरों को साइकिल, महिला स्वयं सहायता समूहों को सिलाई मशीन और स्कूलों में डिजिटल लैब उपलब्ध कराने के लिए माँ पीताम्बरा ट्रस्ट का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी दुर्गाशक्ति नागपाल ने उपस्थित छात्र - छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अपना, समय और सामर्थ्य अर्पित किया और इस महत्वपूर्ण कार्य को अपने कंधो पर उठाया है। युवाओं से अपने मात - पिता को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। एन्वॉयरन्मेंट एच. राजा मोहन का सम्बोधन - फील्ड डायरेक्टर एच. राजा मोहन ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग आदि कारणों से ग्लेशियर पिघल रहे, वनों में आग लगने की घटनाएं ब? रही हैं, ऐसे में वनों का संरक्षण सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। तराई क्षेत्र के छात्र - छात्राओं को प्रोत्साहित फील्ड डायरेक्टर ने कहा की आप का सौभाग्य है कि आप तराई क्षेत्र में रह रहे और आपको वन संरक्षण का मौका मिला है। एनवायरमेंट वारियर्स अभियान की शुरुआत 12 जनवरी 2025 को श्री गुरु गोबिंद सिंह राजकीय महाविद्यालय, पलियाकलां (खीरी) से हुई थी, जहाँ विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह और वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना की उपस्थिति में डिजिटल लाइब्रेरी का लोकार्पण, 5 मेधावी छात्रों को टैबलेट वितरण, 30 वॉचरों को साइकिल वितरण और 5 वनकर्मियों के सम्मान के साथ %प्राइड ऑफ तराई% सम्मान भी प्रदान किया गया था। इसके बाद 16 फरवरी 2025 को मोतीपुर गेस्ट हाउस, बहराइच में आयोजित दूसरे संस्करण में 12 विद्यालयों के 81 छात्रों के बीच इंटर-स्कूल क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा 30 वॉचरों को साइकिल और 5 वनकर्मियों को सम्मानित किया गया। तीसरा संस्करण 28 मार्च 2025 को मुस्तफाबाद फॉरेस्ट रेस्ट हाउस, पीलीभीत में हुआ, जिसमें वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना और डॉ. राजेश्वर सिंह की उपस्थिति में 10 विद्यालयों के छात्रों के मध्य डिबेट और क्विज का आयोजन, प्राइड ऑफ तराई और प्राइड ऑफ पीलीभीत सम्मान, 1000 पौधों का रोपण, 2 सोलर वाटर होल का लोकार्पण, 30 वॉचरों को साइकिल वितरण, 5 वनकर्मियों का सम्मान, 10 महिला स्वयं सहायता समूहों को तारा शक्ति केंद्र (सिलाई केंद्र) प्रदान करना, प्राथमिक विद्यालय चोखापुरी में स्मार्ट क्लास का उद्घाटन तथा रण बहादुर सिंह डिजिटल शिक्षा एवं सशक्तिकरण केंद्र की स्थापना जैसी कई महत्वपूर्ण गतिविधियाँ सम्पन्न हुईं। इस अवसर पर कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाने हेतु जिलाधिकारी खीरी दुर्गा शक्ति नागपाल, अम्बालिका ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट, लखनऊ के अध्यक्ष अम्बिका मिश्रा, फील्ड डायरेक्टर एच. राजा मोहन, डीएफओ सुरेश सहाय, डायरेक्टर %वन बीट% दुधवा अमित पाल सिंह, पूर्व वरिष्ठ अधिकारी शरद चौधरी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने कार्यक्रम के उद्देश्यों की सराहना करते हुए बच्चों में जागरूकता की इस पहल को एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

कई हस्तियों को

गोयनका, वन्यजीव शोधकर्ता और मराठी लेखक मारुति भुजंगराव चितमपल्लीऔर कुशल कठपुतली कलाकार भीमाव्वा डोड्डाबलप्पा शिलेक्याथरा शामिल हैं। पूर्व एम्स और एसजीपीजीआई निदेशक एके महापात्रा और पंजाबी गायक जसपिंदर नरूला कौल को भी पद्मश्री प्रदान दिया गया। इस वर्ष पद्म पुरस्कार 30 गुमनाम नायकों को दिए गए। इनमें 100 वर्षीय लीबिया लोबो सरदेसाई भी शामिल हैं, जिन्होंने गोवा के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक शेखर कपूर को कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। आंध्र प्रदेश के निवासी तेलुगु अभिनेता और राजनीतिज्ञ नंदमुरी बालकृष्ण को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। पांच दशकों के करियर में उन्होंने भारतीय सिनेमा और सार्वजनिक जीवन पर अमिट छाप छोड़ी है। तमिल फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता और रेसिंग ड्राइवर एस. अजित कुमार को कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। प्रतिष्ठित गजल गायक पंकज केशुभाई उधास, जिन्होंने 4 दशकों में 60 से अधिक एल्बम और 500 से अधिक गजलों का योगदान दिया। कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म भूषण (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2025 के लिए राष्ट्रपति ने युगल मामले सहित 139 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की स्वीकृति दी है (युगल मामले में, पुरस्कार को एक माना जाता है)। इस सूची में 7 पद्म विभूषण, 19 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। पुरस्कार विजेताओं में से 23 महिलाएँ हैं और सूची में विदेशी/ एनआरआई/ पीआईओ/ ओसीआई श्रेणी के 10 व्यक्ति और 13 मरणोपरांत पुरस्कार विजेता भी शामिल हैं। वहीं राष्ट्रपति की तरफ से खेल के क्षेत्र में दो लोगों को पद्म पुरस्कार दिया गया है। जिसमें भारतीय टीम के पूर्व हॉकी खिलाड़ी पीआर श्रीजेश को सोमवार को पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को पद्मश्री पुरस्कार दिया गया है। पी.आर. श्रीजेश हॉकी गोलकीपर हैं, वे दो बार ओलंपिक पदक, उत्कृष्ट प्रदर्शन और नेतृत्व के लिए सम्मानित किए जा चुके हैं। खेल के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। जबकि भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी और स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन आश्विन को खेल क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया। अश्विन ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। वह भारत के सफल स्पिनरों में शामिल हैं। अश्विन ने टेस्ट में भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज के तौर पर अपना करियर समाप्त किया। 106 टेस्ट मैचों में अश्विन ने 537 विकेट लिए हैं। गृह मंत्रालय की तरफ से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-द्व में वर्ष 2025 के लिए 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

विकसित भारत बनाने के लिए कृषि योग्य एक-एक इंच जमीन का उपयोग करना है : केशव प्रसाद मौर्य

उपमुख्यमंत्री ने औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी में प्रगितशील किसानों व सेवानिवृत्त अधिकारियों को किया सम्मानित

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने औद्यानिक खेती करने मे उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रगतिशील किसानों एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों को सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी में सम्मानित किया।

केशव प्रसाद मौर्य ने बतौर मुख्य अतिथि गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए हम सबको कृषि योग्य एक-एक इंच जमीन का उपयोग करना है। सरकार किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए उनके विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। विकसित भारत की नींव को मजबूत करने में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि वह परम्परागत खेती के साथ अधिक से अधिक औद्यानिक खेती को ब?ावा दें। प्रगतिशील किसान अपने आस-पास के किसानों को फल-फूल, औषधियों व सब्जियों की खेती करने व बागवानी के लिए प्रेरित करें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार में हर क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। उ.प्र. के अधिकांश क्षेत्रफल पर औद्यानिक खेती होगी, तो प्रदेश, देश मे सबसे अधिक सम्पन्न प्रदेश होगा। आत्मनिर्भर भारत व विकसित भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्री के विजन को मूर्तरूप देने के लिए खेती की आधुनिक व वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को समृद्ध व शक्तिशाली बनाने के लिए फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में स्वयं सहायता की महिलाओं को जो?ा जा रहा है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म, खाद्य, उद्योग, उन्नयन योजना में प्रदेश के हर जिले में एक हजार यूनिट स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हम सबके लिए गौरव की बात है कि उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने अपनी स्वर्णिम यात्रा के 50 वर्ष पूरे किये हैं। इस 50 वर्ष की यात्रा में विभाग ने तमाम उतार चढ़ाव के बीच ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं।

परम्परागत खेती से आगे बढ़कर प्रदेश में औद्यानिक खेती को बढ़ावा दिया गया है, आज फसलों, उत्पादों को प्रसंस्कृत करके मार्केट में भेजा जा रहा है और मार्केट में डिमांड भी बढ़ी है। तमाम औद्यानिक उत्पादों के निर्यात के साथ प्रसंस्कृत पदार्थों का भी बड़ी मात्रा में निर्यात किया जा रहा है, इस क्षेत्र में काम करने व रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की नयी नीति बनायी गयी है, जिसमें उद्यमियों के लिए बड़ी मात्रा में अनुदान व अन्य सहूलियतें दिये जाने का प्राविधान किया गया है। उत्तर प्रदेश की खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति देश की सबसे अच्छी नीति है। उद्यमी व किसान इस नीति का भरपूर लाभ उठाएं। अब तक की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश कि स्ट्राइक रेट देश में सबसे टाप पर है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से समूहों की दीदियों को जोड़ा

- **परम्परागत खेती के साथ अधिक से अधिक औद्यानिक खेती को बढ़ावा दिया जाय**
- **पीवोट सिंचाई पद्धति से सामुदायिक खेती व अनुशासित खेती तथा विपणन को बल मिलेगा : केशव प्रसाद मौर्य**
- **दिनेश प्रताप सिंह बोले औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी के दूरगामी परिणाम हासिल होंगे**

जा रहा है, महिलाओं की आमदनी बढ़ाने व उन्हें स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने में यह योजना मील का पत्थर साबित होगी। कॉमन इनक्यूबेशन सेंटरों के माध्यम से भी महिलाओं के क्रियाकलापों को मूर्तरूप देने में मदद मिलेगी। कॉमन इनक्यूबेशन सेंटर शीघ्र ही संचालित किये जाने की व्यवस्था की जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत बनाने व वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को मूर्तरूप देने में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग विभाग का भी अहम रोल होगा। भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने व किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार संकल्पबद्ध है। औद्यानिक खेती के लिए किसान पूरी इच्छा शक्ति के साथ आगे बढ़ें, सरकार उनके साथ खड़ी है। विकसित भारत के मा. प्रधानमंत्री मोदी जी के मिशन को आम किसानों तक पहुंचाया जाय। कृषि उत्पादों के साथ उसकी प्रोसेसिंग व भंडारण के क्षेत्र में लगे लोग भी आगे आएं। विकसित भारत बनाने के लिए कृषि योग्य भूमि का एक-एक इंच जमीन का उपयोग करना है। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार और कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश को बागवानी क्षेत्र में देश का प्रमुख राज्य बनाते हुए, प्रगति के पथ पर निरंतर ब?ते उद्यान विभाग ने अपने स्वर्णिम 50 वर्ष पूर्ण किए। जिसने लाखों किसानों को समृद्धि का नया सूरज दिखाया और पोषण सुरक्षा का मजबूत आधार भी दिलाया।

उद्यान विभाग द्वारा प्रदेश में फल, शाकभाजी, आलू, मसाला, पुष्प, औषधीय एवं सगंध आदि औद्यानिक फसलों के विकास, फल सब्जी के संरक्षण एंव प्रसंस्करण विधियों के प्रचार के साथ साथ मौनपालन, खाद्य प्रसंस्करण, कुकरी, बेकरी, पान तथा मशरूम की खेती हेतु प्रशिक्षण प्रदान कर नया कीर्तिमान रचा जा रहा है। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न औद्यानिक विकास योजनाओं पर विहंगम रूप से प्रकाश डाला गया। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले पौधों और नवीनतम तकनीकों से सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने औद्यानिक क्षेत्र में सूक्ष्म सिचाई पद्धतियों के अनुप्रयोग के साथ-साथ पीवोट इरीगेशन सिस्टम को भी अपनाने के लिए कृषकों को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि पीवोट इरीगेशन सिस्टम से सामुदायिक खेती एवं अनुशासित खेती को बल मिलेगा, जिसका सीधा संबंध कम लागत, अधिक उत्पादन एवं उनके विपणन से है। उन्होंने कहा कि औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी के दूरगामी परिणाम हासिल होंगे। औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी के अवसर पर औद्यानिक फसलों और खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों से सम्बन्धित प्रेरक व आकर्षक प्रदर्शनी, स्टॉल भी लगाया गया, जिनका भारी संख्या में लोगों ने अवलोकन कर लाभ उठाया। उद्यान विभाग की खाद्य प्रसंस्करण यूनिट द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म, खाद्य, उद्योग, उन्नयन योजना, नई खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति तथा इसमें किसानों एवं उद्यमियों को दी जा रही सब्सिडी व अन्य सहूलियतों के बारें मे विस्तार से लोगों को गोष्ठी के दौरान बताया गया। गोष्ठी के अवसर पर विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें सचिव खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय भारत सरकार श्री सुब्रत गुप्ता, अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीणा, एनबीआरआई के निदेशक अजीत कुमार सासनी, पूर्व निदेशक उद्यान डॉ. आरके तोमर, पूर्व निदेशक उद्यान एवं केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान डॉ. आरके पाठक सहित अन्य विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण डॉ. विजय बहादुर द्विवेदी द्वारा किया गया। औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी पर आधारित एक स्मारिका का विमोचन किया गया। इसके साथ लघु चलचित्र के माध्यम से उद्यान विभाग के 50 वर्षों की प्रगतिगाथा को दर्शाया गया। गोष्ठी में सेवानिवृत्त अधिकारियों में डॉ. आरके पाठक, डॉ. सुरजीत सिंह, डॉ. आरके तोमर, राजेश प्रसाद, डॉ आरपी सिंह, श्री हरिनाम वर्मा एवं श्री संतराम सहित 50 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में अयोध्या, देवीपाटन एवं लखनऊ मण्डल के 50 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के स्वर्णिम यात्रा के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उद्यान मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह ने प्रातःकाल में उद्यान भवन में 125 फीट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज को फहराया और अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ राष्ट्रगान गाया।

देश-विदेश डायरी

क्या मोहम्मद यूनुस नहीं संभाल पा रहे बांग्लादेश बिगड़ते हालात पर सेना का फूटा गुस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। अगस्त, 2025 में पूर्व पीएम शेख हसीना की लोकतांत्रिक सरकार को सत्ता से बेदखल करने के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख का पदभार संभाल रहे नोबल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस चौतरफा संकटों में घिरते नजर आ रहे हैं। विगत आठ-नौ महीनों में यूनुस की अंतरिम सरकार ना तो बांग्लादेश में आंतरिक अस्थिरता को खत्म करने का रास्ता निकाल पाई है और ना ही बदहाल अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के लिए ठोस कदम उठा सके हैं। समय पर चुनाव कराने को लेकर वह कोई समय सीमा नहीं बता पा रहे। ऐसे में जहां अमेरिका में रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों ने प्रोफेसर यूनुस के खिलाफ संयुक्त राष्ट और इंटरपोल में मामला दायर करने का आवेदन दिया है वहीं घरेलू स्तर पर यूनुस को अभी तक समर्थन दे रही है राजनीतिक पार्टी बीएनपी (खालिदा जिया की पार्टी) भी समय पर चुनाव नहीं कराये जाने से नाराज हो गई है। प्रो. यूनुस सरकार के लिए मुसीबत का सबसे बड़ा कारण सेना प्रमुख वाकर-उज-जमां है। खबर है कि सेना प्रमुख ने देश में आंतरिक स्थिरता की मौजूदा स्थिति को लेकर सरकार के समक्ष अपनी नाजारगी साफ कर दी है। एक तरफ सेना प्रमुख ने देश में कई छोटे-छोटे राजनीतिक दलों की तरफ से लगातार धरना-प्रदर्शनी आयोजित करने को लेकर अपनी नाराजगी सरकार के समक्ष जता दी है। साथ ही सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया है कि वह सख्ती के साथ हिंसक प्रदर्शनों पर रोक लगाए। उन्होंने पूर्व पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की प्रदर्शनों पर रोक लगाने की यूनुस सरकार की मांग भी स्वीकार नहीं की है। सभी पार्टियों को शांतिपूर्ण राजनीतिक रैली करने का निर्देश दिया गया है। यह हाल की घटना है। बांग्लादेश सेना यूनुस सरकार की तरफ से कानून-व्यवस्था बनाने को लेकर किसी भी तरह की ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं किये जाने को लेकर भी नाराजगी जता चुकी है। उधर, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की पिछले हफ्ते प्रोफेसर यूनुस के साथ एक बैठक हुई थी जिसमें आगामी चुनाव को लेकर खास तौर पर चर्चा हुई। बैठक के बाद बीएनपी के नेताओं ने चुनाव को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं बनाये जाने को लेकर अपनी नाराजगी भी साफ तौर पर उजागर की। बीएनपी के महासचिव जेनरल मिर्जा फखरूल ने कहा था कि उनकी पार्टी इस बैठक से बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं है। बीएनपी हर हाल में दिसंबर, 2025 तक चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं जबकि प्रोफेसर यूनुस चाहते हैं कि चुनाव अगले वर्ष हो। सनद रहे कि प्रोफेसर यूनुस की सरकार का रवैया हमेशा से भारत विरोधी का रहा है। पीएम नरेन्द्र मोदी से उनकी अप्रैल के शुरुआत में थाईलैंड में बैठक भी हुई लेकिन इसका भी राजनीतिक करने से यूनुस सरकार के लोगों ने कोशिश की। बैठक में जो बात पीएम मोदी की तरफ से नहीं कही गई थी उसे प्रचारित करने की कोशिश की गई। चीन व पाकिस्तान के साथ लगातार प्रोफेसर यूनुस बांग्लादेश के संबंधों को मजबूत करने में जुटे हैं।

सिंधु नहर प्रोजेक्ट : एक बार फिर पीपीपी ने दी शरीफसरकार से बाहर निकलने की धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने कहा कि अगर कॉमन इंटरेस्ट्स काउंसिल (सीसीआई) की आगामी बैठक में सिंधु नहर संबंधी मुद्दे का समाधान नहीं हुआ तो वह संघीय सरकार से बाहर निकल जाएगी और अपना समर्थन वापस ले लेगी। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, सिंधु नदी पर छह नहरों के निर्माण के मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिए 2 मई को सीसीआई की बैठक बुलाई गई थी। बता दें सिंधु नदी पर नहरों के निर्माण का भारी विरोध हो रहा है विशेष तौर पर सिंध प्रांत ने जहां प्रदर्शनों का सिलसिला रुक नहीं रहा है। पीपीपी नेता और सिंध के ऊर्जा मंत्री नासिर शाह ने रविवार को मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ष्अगर सीसीआई की बैठक में नहरों का मुद्दा नहीं सुलझा तो पीपीपी सरकार से अलग हो जाएगी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, नासिर शाह के नेतृत्व में पीपीपी प्रतिनिधिमंडल ने सरकार में अपने गठबंधन सहयोगी मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के साथ बैठक की। उन्होंने एमक्यूएम नेताओं से अनुरोध किया कि वे रिक्त सीट के लिए आगामी सीनेट उपचुनाव से अपना उम्मीदवार वापस ले लें। एमक्यूएम-पी के साथ बैठक के बाद शाह ने कहा कि नहर मुद्दे ने पूरे प्रांत के लोगों को एकजुट कर दिया है, क्योंकि यह सिंध के लिए काफी अहम है। शाह ने कहा, हम जानते हैं कि अगर पीपीपी सरकार से बाहर निकलती है, तो वह चल नहीं सकती है। इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि सरकार नहर मुद्दे पर अपना वादा पूरा करेगी। पाकिस्तानी सरकार ने ग्रीन पाकिस्तान इनिशिएटिव के तहत 3.3 अरब डॉलर की लागत से छह नहरों का निर्माण करने की योजना बनाई है, जिससे दक्षिण पंजाब में 12 लाख एकड़ कथित बंजर भूमि को सिंचित किया जाएगा। हालांकि, सिंध प्रांत ने इस फैसले पर कड़ा विरोध जताया है। सिंध सरकार और प्रांत को को आशंका है कि इन नहरों के निर्माण से सिंधु नदी से उसके हिस्से का पानी कम हो जाएगा।

एलयू के अभियांत्रिकी व तकनीकी संकाय में 'माइक मवेरिक' ओपन माइक कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ, चसं। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की सांस्कृतिक परिषद इनलिट द्वारा सोमवार को 'माइक मवेरिक' नामक एक भव्य ओपन माइक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रोफेसर ए.के. सिंह, तथा संकाय के शिक्षकगण डॉ. सव्य साँची, डॉ. रचना पाठक, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. हिमांशु पांडेय, डॉ. खुशबू वर्मा, और निधि श्रीवास्तव उपस्थित रहे। अपने संबोधन में संकायाध्यक्ष प्रोफेसर ए.के. सिंह ने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय की गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ ऐसे सांस्कृतिक आयोजन छात्रों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जहां वे अपनी रचनात्मकता, वाकपटुता, और कला प्रतिभा को खुले मंच पर प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ज्ञान की प्रकाश-ज्योति से जीवन के अंधकार को मिटाया जा सकता है, और इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से छात्र कविता पाठ, संवाद, गायन जैसी विधाओं में अपनी अभिव्यक्ति को निखार सकते हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा कविता पाठ, हास्य व्यंग्य, और मधुर गीतों की प्रस्तुतियों ने वातावरण को संगीतमय एवं उल्लासपूर्ण बना दिया।'माइक मवेरिक' के सफल आयोजन में इनलिट के छात्र प्रमुख शिखर द्विवेदी, परिषद के सभी सक्रिय सदस्यों का विशेष योगदान रहा। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव सिद्ध हुआ, जिसने उनके आत्मविश्वास एवं सृजनात्मक क्षमताओं को नया आयाम प्रदान किया।

एलयू में पहलगाम में हुई घटना को लेकर प्रदर्शन किया

लखनऊ, चसं। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुछ 50 से अधिक छात्रों ने अमन दुबे के नेतृत्व में कुलपति कार्यालय का घेराव किया और मुख्य गेट पर पर ताला जड़ दिया। अमन दुबे ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पहलगाम में हुए दुर्दांत आतंकी हमले में 27 भारतीय नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी। जिसमें पाकिस्तान द्वारा पोषित एक आतंकी संगठन ने जिसकी जिम्मेदारी ली। समस्त भारतीयों में इस घटना को लेकर रोष व्याप्त है पर कुछ अर्बन नक्सलियों को ये एकता पांच नहीं रहा उसी क्रम में भाषा विज्ञान के माद्री काकोटी लगातार राष्ट्र विरोधी टिप्पणी कर रही हैं। सरकार का विरोध और राष्ट्र विरोध में अंतर है और वे ये भूल गई हैं। उनके बयानों का इस्तेमाल पाकिस्तानी मीडिया भारत की छवि धूमिल करने के लिए कर रहा है। कुलपति से वार्ता करते हुए अमन ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय की छवि उनके बयानों से धूमिल हो रही है जिससे छात्र दुखी है और उनकी मांग है कि उपरोक्त पर प्रसाधन कठोरतम कार्यवाही कर ये संदेश दें कि लखनऊ विश्वविद्यालय ऐसे असमाजिक तत्वों के साथ नहीं खड़ा है। कुलपति ने आश्वासन दिया कि वे इस विषय की गंभीरता को समझते हैं और कठोरतम कार्यवाही करने की बात कही। अमन ने कहा कि यदि यथा शीघ्र कार्यवाही नहीं हुई तो इस बार छात्र मात्र विरोध दर्ज कराने आए हैं।

दुबई में अरेबियन ट्रेबल मार्ट में किया जा रहा यूपी के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। दुबई में आज से 01 मई तक हो रहे अरेबियन ट्रैवल मार्ट में लखनऊ के ऐतिहासिक स्थलों जैसे रूमी दरवाजा, बड़ा इमामबाड़ा और घंटाघर सहित अन्य पर्यटन आकर्षणों को प्रस्तुत किया जायेगा। राज्य के प्रमुख ऐतिहासिक धरोहरों, प्राकृतिक स्थलों सहित अन्य पर्यटन आकर्षणों को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने के लिए पर्यटन विभाग ने बड़ी तैयारी की है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि लखनऊ समेत राज्य के अन्य हिस्सों में स्थित समृद्ध विरासत, स्थापत्य कला के नमूने और सांस्कृतिक विविधता को इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर पेश कर विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया जायेगा।

लखनऊ के पर्यटन आकर्षणों के साथ-साथ बुलंद दरवाजा, फतेहपुर सिकरी आगरा, राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य, बुद्धिस्ट सर्किट सहित अन्य स्थलों का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। हमारा उद्देश्य लखनऊ को विश्व पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना है। रूमी दरवाजा और बड़ा इमामबाड़ा जैसे धरोहर स्थल न केवल लखनऊ की शान हैं, बल्कि इतिहास की अनमोल धरोहर भी है।

राज्य सरकार का प्रयास है कि लखनऊ के अलावा अयोध्या, वाराणसी, मथुरा-वृंदावन और विंध्याचल जैसे प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक, प्राकृतिक स्थलों को भी वैश्विक मंच पर स्थापित किया जाए। पर्यटन विभाग विदेशी टूर ऑपरेटरों, ट्रैवल एजेंट्स और निवेशकों से सीधे संवाद कर राज्य में पर्यटन निवेश के नए रास्ते खोलने की दिशा में सक्रिय है। ट्रैवल मार्ट के माध्यम से लखनऊ की कारीगरी, हस्तशिल्प, खानपान, सांस्कृतिक विविधताओं को भी अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जायेगा। इससे न केवल विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय शिल्पकारों और पर्यटन से जुड़े कारोबारियों के लिए नए अवसर भी पैदा होंगे। मंत्री ने आगे कहा कि यह पहल लखनऊ समेत पूरे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक अभिनव प्रयास है।

बांदा के पर्यटन विकास के लिए 1980.43 लाख की 6 परियोजनायें मंजूर : पर्यटन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के बांदा में विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं मंदिरों के विकास के लिए 1980.43 लाख रूपये की 6 परियोजनायें स्वीकृत की गयी है। बांदा ऐतिहासिक शहर है, यहां पर अनेक प्राचीन स्थल मौजूद हैं। यहां पर सालभर पर्यटकों का आना जाना लगा रहता है। पर्यटन विभाग प्रदेश में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए प्रदेश के जनपदो में बुनियादी सुविधायें सृजित करने का निर्णय लिया है। बांदा के लिए 06 परियोजनायें मंजूर की गयी है।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत चन्दौरा विकासखंड नरेनी स्थित कारू बाबा भगवान मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 108.90 लाख रूपये, ग्राम पंचायत लसड़ा बसधरी में स्थित ऋषि वेदव्यास की जन्मस्थली के पर्यटन विकास हेतु 127.08 लाख रूपये तथा बांदा की तहसील बबेरू के ब्लॉक कमसिन के ग्राम मुंडवारा में भादेबाबा स्थल के पर्यटन विकास के लिए 86.20 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है।

बांदा में रनगढ़ किले की ओर जाने वाले पहुंच मार्ग का उच्चीकरण एवं स्ट्रीट फर्नीचर के कार्य के लिए 1516.07 लाख रूपये, ग्राम सोहाना गंछा विकासखंड बड़ोखर खुर्द व तहसील बांदा सदर में सिद्ध बाबा स्थान का पर्यटन विकास के लिए 92.30 लाख रूपये तथा तिन्दवारी में स्थित कुरसेजा धाम मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 49.88 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। इन परियोजनाओं के निर्माण के लिए कार्यदायी संस्थायें आवंटित कर दी गयी हैं तथा इन कार्यों के लिए शासनादेश जारी करा दिये गये हैं।

सोनभद्र में बनेगा टूरिस्ट फेसिलिटेशन सेंटर : पर्यटन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत चित्रकूट में विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं मंदिरों के विकास के लिए 4992.62 लाख रूपये की 3 परियोजनायें स्वीकृत की है। चित्रकूट एक ऐतिहासिक नगर है, यहां पर अनेक प्राचीन स्थल मौजूद हैं। यहां पर सालभर पर्यटकों का आना जाना लगा रहता है। वनवास काल में भगवान श्रीराम लम्बे समय तक यहां निवास किये थे। भगवान राम, लक्ष्मण, मां सीता से जुड़े अनेक धार्मिक स्थल हैं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि तीर्थ विकास परिषद के अंतर्गत कामदगिरी परिक्रमा मार्ग का श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सांस्कृतिक एवं शहरी कायाकल्प एवं बुनियादी सुविधाओं के पर्यटन विकास हेतु 2044.37 लाख रूपये की धनराशि की परियोजना स्वीकृत की गयी है। इसी प्रकार रामवन गमन मार्ग के मुख्य पड़ाव स्थल पर पर्यटक सुविधा केन्द्र डारमेट्री के निर्माण के लिए 1192.58 लाख रूपये तथा चित्रकूट हवाई अड्डे के समीप देवांगना घाटी में बार्डर पर पर्यटन सुविधा केन्द्र, डारमेट्री के निर्माण के लिये 1755.67 लाख रूपये की परियोजना स्वीकृत की गयी है। सोनभद्र के लिए 875.33 लाख रूपये की टूरिस्ट फेसिलिटेशन सेंटर के निर्माण के लिए एक परियोजना मंजूर की गयी है।

तीन आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में 12 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ रेप के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मोहम्मद मुस्ताक, साहिल और अहसान के रूप में हुई है। तीनों जौखंडी, गोसाईगंज के रहने वाले हैं।

घटना 27 अप्रैल की है। पीड़िता के पिता की शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने उनकी बेटी को जबरन एक महिंद्रा पिकअप (यूपी 32 एनएन 6780) में ले जाकर रेप किया।